# छत्तीसगढ़ राज्य ओपन स्कूल परीक्षा

## सॉल्व्ड पेपर—दिसम्बर, 2012

### कक्षा 10वीं

### विषय—व्यवसाय अध्ययन

**सेट—1**

**समय : 3 घंटे]** **[पूर्णांक : 100**

---

**निर्देश**—(i) सभी प्रश्न हल करना अनिवार्य है।

(ii) प्रश्न क्रमांक 1 में 10 अंक निर्धारित हैं। इसमें दो खण्ड हैं। खण्ड 'अ' में 5 रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए तथा खण्ड 'ब' में 5 सत्य/असत्य लिखिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए 1 अंक आबंटित है।

(iii) प्रश्न क्रमांक 2 से प्रश्न क्रमांक 9 तक अतिलघु उत्तरीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न पर 2 अंक आबंटित हैं। उत्तर की अधिकतम शब्द सीमा 30 शब्द है।

(iv) प्रश्न क्रमांक 10 से प्रश्न क्रमांक 15 तक लघु उत्तीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न पर 3 अंक आबंटित हैं। उत्तर की अधिकतम शब्द सीमा 50 शब्द है।

(v) प्रश्न क्रमांक 16 से प्रश्न क्रमांक 21 तक लघु उत्तरीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न में आन्तरिक विकल्प हैं और प्रत्येक प्रश्न पर 4 अंक आबंटित हैं। उत्तर की अधिकतम शब्द सीमा 75 शब्द है।

(vi) प्रश्न क्रमांक 22 से प्रश्न क्रमांक 25 तक दीर्घ उत्तरीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न में आन्तरिक विकल्प हैं और प्रत्येक प्रश्न पर 5 अंक आबंटित हैं। उत्तर की अधिकतम शब्द सीमा 150 शब्द है।

(vii) प्रश्न क्रमांक 26 एवं 27 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न में आंतरिक विकल्प हैं और प्रत्येक प्रश्न पर 6 अंक आबंटित हैं। उत्तर की अधिकतम शब्द सीमा 250 शब्द है।

---

**प्रश्न 1. (खण्ड-अ) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—**

**(i)** व्यवसाय का अस्तित्व ..... के अस्तित्व पर निर्भर करता है।

**उत्तर**—मालिक।

**(ii)** भारतीय खाद्य निगम ..... भण्डारगृह का उदाहरण है।

**उत्तर**—सरकारी।

**(iii)** विक्रय एवं ..... दोनों का प्रयोग साथ-साथ होता है।

**उत्तर**—क्रय।

**(iv)** दैनिक जीवन की अनिवार्य वस्तु ..... है।

**उत्तर**—रोटी, कपड़ा और मकान।

**(v)** बचत से देश की ..... स्थिति सुदृढ़ होती है।

**उत्तर**—आर्थिक।

**(खण्ड-ब) सत्य/असत्य लिखिए—**

**(i)** पाइप लाइन परिवहन भूमि परिवहन का अंग नहीं है।

**उत्तर**—असत्य।

**(ii)** बीमाकृत डाक से केवल रजिस्टर्ड मेल ही भेजी जा सकती है।

**उत्तर**—असत्य।

**(iii)** एक उपभोक्ता को वस्तु की गुणवत्ता के सम्बन्ध में विक्रेता पर कभी भी निर्भर नहीं रहना चाहिए।

**उत्तर**—सत्य।

**(iv)** एक उद्यमी अपनी गलतियों की पुनरावृत्ति भविष्य में नहीं करता।

**उत्तर**—सत्य।

**(v)** आय एवं व्यय की घोषणा बनाकर कार्य करना बजट कहलाता है।

**उत्तर**—सत्य।

**प्रश्न 2. व्यवसाय का आशय लिखिये।**

**उत्तर**—लाभ कमाने या धन अर्जन करने के उद्देश्य से वस्तुओं तथा सेवाओं का उत्पादन, विक्रय या विनिमय करने का कार्य व्यवसाय कहलाता है।

**प्रश्न 3. कम्पनी की परिभाषा दीजिए।**

**उत्तर—भारतीय कम्पनी अधिनियम 1956** के अनुसार—''कम्पनी विधान द्वारा निर्मित एक कृत्रिम व्यक्ति है, जिसका पृथक एवं वैधानिक अस्तित्व होता है तथा अपनी सार्वमुद्रा होती है।''

**प्रश्न 4. सहकारी समिति की दो विशेषताएँ लिखिए।**

**उत्तर—सहकारी समिति की विशेषताएँ—**

(1) कोई भी व्यक्ति स्वेच्छा से सहकारी समिति का सदस्य बन सकता है तथा सदस्यता त्याग सकता है।

(2) इसका प्रबन्ध लोकतंत्रात्मक होता है।

**प्रश्न 5. भारतीय डाक सेवा क्या है ?**

**उत्तर**—भारतीय डाक सेवा विश्व की सबसे बड़ी डाक सेवा है। इसका प्रबन्ध एवं संचालन भारत सरकार के द्वारा किया जाता है। प्रधान डाकघर, मुख्य डाकघर, उपडाकघर आदि डाकघर के विभिन्न प्रकार हैं।

**प्रश्न 6. पूछताछ का पत्र किसे कहते हैं ?**

**उत्तर**—जब एक व्यापारी द्वारा किसी अन्य व्यापारी या निर्माता को वस्तु के मूल्य, आकार-प्रकार आदि की जानकारी के लिए पत्र लिखा जाता है तो उसे पूछताछ का पत्र कहा जाता है।

**प्रश्न 7. चेक से आप क्या समझते हैं ?**

**उत्तर**—एक ऐसा आवेदन फार्म जिसे भरकर खातेदार अपनी खाते से रकम का आहरण

करता है, चेक कहलाता है।

**प्रश्न 8. रेडियो विज्ञापन क्या है ?**

**उत्तर**—रेडियो पर कार्यक्रम प्रसारण के दौरान बीच-बीच में अन्तराल लिया जाता है, इस अन्तराल में विभिन्न कम्पनियों के द्वारा उत्पादित वस्तुओं एवं सेवाओं की जानकारी दी जाती है, इसे ही रेडियो विज्ञापन कहते हैं।

**प्रश्न 9. विक्रय संवर्द्धन की दो तकनीकों का नाम लिखिए।**

**उत्तर—विक्रय संवर्द्धन की तकनीक—**

(1) मुफ्त नमूनों का वितरण

(2) वस्तु विनिमय योजना।

**प्रश्न 10. व्यवसाय के तीन आर्थिक उद्देश्य लिखिए।**

**उत्तर—व्यवसाय के आर्थिक उद्देश्य—**

**1. लाभ कमाना**—व्यवसाय का सबसे महत्वपूर्ण आर्थिक उद्देश्य सर्वाधिक लाभ कमाना होता है।

**2. कर्मचारियों को सामाजिक तथा मानसिक संतुष्टि**—व्यवसाय का दूसरा प्रमुख उद्देश्य संस्था में कार्यरत कर्मचारियों को पर्याप्त वेतन, विभिन्न सुविधाएँ तथा पदोन्नति व पेंशन देकर उन्हें सामाजिक तथा मानसिक संतुष्टि प्रदान करना चाहिए।

**3. सामाजिक तथा निर्धन लोगों का आर्थिक कल्याण**—व्यवसाय के आर्थिक उद्देश्यों में सामाजिक कल्याण एवं निर्धन लोगों को कार्य पर रखकर उन्हें आर्थिक सहयोग प्रदान करना शामिल है।

**प्रश्न 11. ई-कॉमर्स के तीन लाभ लिखिए।**

**उत्तर— ई-कॉमर्स के लाभ**

**1. वस्तु चयन का अधिक विकल्प**—ई-कॉमर्स में इंटरनेट के द्वारा हम अनेक कम्पनियों द्वारा उत्पादित सेवाओं एवं वस्तुओं में से अपनी आवश्यकतानुसार किसी का भी चयन कर सकते हैं।

**2. बाजार सम्बन्धी सूचना**—इंटरनेट पर हमें बाजार सम्बन्धी समस्त जानकारी घर बैठे ही हो जाती है।

**3. बेहतर उपभोक्ता सेवा**—उपभोक्ताओं को वस्तुओं एवं सेवाओं के वितरक विक्रय के पहले एवं बाद में विभिन्न प्रकार की आवश्यक सेवाएँ प्रदान करती है।

**प्रश्न 12. जल परिवहन के दोष लिखिए। (कोई तीन)**

**उत्तर—जल परिवहन के दोष—**

1. जल परिवहन मंद गति से चलता है।

2. इस परिवहन पर खराब मौसम का प्रतिकूल असर पड़ता है।

3. जहाजों की खरीदी व रख-रखाव पर अधिक व्यय करना पड़ता है।

**प्रश्न 13. चेक एवं विनिमय विपत्र में तीन अंतर लिखिए।**

**उत्तर—चेक एवं विनिमय विपत्र में अन्तर—**

| क्रं. | चेक | विनिमय विपत्र |
|---|---|---|
| 1. | यह बैंक पर लिखा जाता है। | यह बैंक सहित किसी पर भी लिखा जा सकता है। |
| 2. | चेक एक मांगपत्र है जिसमें मांग पर रकम देय होती है। | रकम निर्धारित अवधि के समाप्त होने पर या मांग पर देय होती है। |
| 3. | इसमें स्वीकृति की आवश्यकता नहीं है। | स्वीकृति अनिवार्य है। |

**प्रश्न 14. विभागीय भण्डार के तीन लाभ लिखिए।**

**उत्तर— विभागीय भण्डार के लाभ**

**1. खरीददारी में सुविधा**—इसमें ग्राहकों को एक ही स्थान पर आवश्यकता की सभी वस्तुएँ मिल जाती हैं।

**2. सस्ता व अच्छा माल**—बड़ी मात्रा में वस्तुएँ खरीदने के कारण ग्राहकों को सस्ता व अच्छा माल मिल जाता है।

**3. घर पहुँच सेवा**—टेलीफोन पर आदेश प्राप्त होने की दशा में ये भण्डार ग्राहकों को घर पहुँच सेवा भी प्रदान करते हैं।

**4. स्थायी ग्राहक**—कुशल कर्मचारियों की सेवाओं से उपभोक्ता प्रभावित होकर इनके स्थायी ग्राहक बन जाते हैं।

**प्रश्न 15. स्वरोजगार की कोई तीन विशेषताएँ लिखिए।**

**उत्तर—स्वरोजगार की विशेषताएँ—**

1. स्वरोजगार में व्यक्ति अपना स्वयं का कोई कार्य करता है।

2. स्वरोजगार में व्यवसाय का प्रबन्धन एवं संचालन एक ही व्यक्ति द्वारा किया जाता है।

3. व्यवसाय के लाभ-हानि पर केवल एक ही व्यक्ति का अधिकार होता है।

4. व्यवसाय में एक ही व्यक्ति के द्वारा पूँजी लगाई जाती है।

**प्रश्न 16. व्यवसाय का कर्मचारियों के प्रति चार कर्तव्य लिखिए।**

**उत्तर—व्यवसाय का कर्मचारियों के प्रति कर्तव्य या उत्तरदायित्व—**

1. समय पर नियमित वेतन या मजदूरी का भुगतान करना।

2. उचित कार्य दशाएँ तथा कल्याणकारी सुविधाएँ प्रदान करना।

3. समयानुसार उन्हें प्रशिक्षण तथा उनका विकास करना।

4. आवासीय, परिवहन, कैंटीन, कैश आदि की बेहतर सुविधा प्रदान करना।

**अथवा**

**प्रश्न—व्यवसाय का समाज के प्रति चार कर्तव्य लिखिए।**

**उत्तर—व्यवसाय का समाज के प्रति उत्तरदायित्व या कर्तव्य—**

1. समाज के "छड़े तथा कमजोर वर्गों की सहायता करना।

2. सामाजिक तथा सांस्कृतिक मूल्यों की रक्षा करना।

3. प्राकृतिक संसाधनों तथा वन्य जीवन का संरक्षण करना।

4. खेलों तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों को बढ़ावा देना।

6. पर्यावरण की सुरक्षा।

**प्रश्न 17. साझेदारी व्यापार के लाभों की व्याख्या कीजिए। (कोई चार)**

**उत्तर—साझेदारी व्यापार के लाभ या गुण—**

**1. सरल स्थापना**—साझेदारी व्यवसाय की स्थापना सरल होती है क्योंकि इसके लिए किसी कानूनी औपचारिकताओं को पूर्ण करने की आवश्यकता नहीं होती है।

**2. जोखिम विभाजन**—इसमें अपेक्षाकृत कम जोखिम होता है क्योंकि जोखिम समस्त साझेदारों के मध्य विभाजित हो जाता है।

**3. समापन में सुविधा**—समस्त साझेदारों की आपसी सहमति के द्वारा आसानी से साझेदारी व्यापार की समाप्ति की जा सकती है।

**4. पूँजी की उपलब्धता**—सभी सदस्यों के द्वारा व्यापार में पूँजी लगाई जाती है जिससे पूँजी की उपलब्धता आसानी से हो जाती है।

**अथवा**

**प्रश्न—कम्पनी के लाभों की व्याख्या कीजिए (कोई चार).**

**उत्तर— कम्पनी के लाभ**

**1. सीमित दायित्व**—कम्पनी के सदस्यों का दायित्व उनके द्वारा खरीदे गए अंशों तक ही सीमित होता है।

**2. स्थायी अस्तित्व**—कम्पनी का पृथक वैधानिक अस्तित्व होता है। कम्पनी के किसी सदस्य की मृत्यु, दिवालिया या पागल हो जाने पर कम्पनी समाप्त नहीं होती है।

**3. पूँजी की उपलब्धता**—कम्पनी के द्वारा अंशों एवं ऋणपत्रों का निर्गमन कर अपनी आवश्यकता के अनुसार पूँजी प्राप्त की जा सकती है।

**4. बड़े पैमाने पर उत्पादन**—कम्पनी के द्वारा बड़े पैमाने पर उत्पादन करने के कारण वस्तुओं एवं सेवाओं की लागत कम हो जाती है। फलतः जनता को कम मूल्य पर वस्तुएँ उपलब्ध होने लगती हैं।

**प्रश्न 18. सुपर बाजार के लाभों का वर्णन कीजिए।**

**उत्तर—सुपर बाजार के लाभ—**

**1. न्यूनतम संचालन लागत**—सुपर बाजार में कर्मचारियों की आवश्यकता कम होती है। अतः इसकी संचालन लागत कम आती है।

**2. विविध वस्तु**—सुपर बाजार में उपभोक्ताओं को विविध प्रकार की वस्तुएँ प्राप्त हो जाती हैं।

**3. गुणवत्ता भरी वस्तुएँ**—सुपर बाजार में उच्च गुणवत्ता वाली वस्तुएँ प्राप्त होती हैं। यहाँ की वस्तुओं में मिलावट आदि की सम्भावना नहीं होती है।

**4. कम दाम**—मध्यस्थों की कमी के कारण वस्तुएँ कम दाम में उपलब्ध हो जाती हैं।

**अथवा**

**प्रश्न—इंटरनेट शॉ"ग के लाभों को लिखिए।**

**उत्तर—इंटरनेट शॉ"ग के लाभ—**

1. हम घर बैठे अंतर्राष्ट्रीय बाजार से सामान क्रम कर सकते हैं।

2. इससे हमारे समय और काम की बचत होती है।

3. यह फुटकर व्यापार की सबसे शीघ्र पूरी होने वाली प्रक्रिया है।

4. विदेशी व्यापार में यह पद्धति बहुत ही उपयोगी है।

**प्रश्न 19. विज्ञापन के किन्हीं चार उद्देश्यों को समझाइये।**

**उत्तर—** **विज्ञापन के उद्देश्य**

**1. विक्रय में वृद्धि**—विज्ञापन का मुख्य उद्देश्य वस्तुओं एवं सेवाओं की मांग में वृद्धि कर उनका विक्रय बढ़ाना है।

**2. वर्तमान ग्राहकों को बनाए रखना**—विज्ञापन न केवल उत्पाद की मांग में वृद्धि करता है वरन् अपने वर्तमान ग्राहकों को भी बनाए रखता है।

**3. ग्राहकों को शिक्षित करना**—कम्पनी विज्ञापन के द्वारा अपने ग्राहकों को अपनी उत्पाद की जानकारी देते रहते हैं जिससे ग्राहकों के ज्ञान में वृद्धि होती है।

**4. सेल्समैन की सहायता**—विज्ञापन से सेल्समैन को वस्तुओं के विक्रय में सहायता प्राप्त होती है जिससे समय एवं श्रम की बचत होती है।

**अथवा**

**प्रश्न—विक्रय संवर्द्धन के किन्हीं चार उद्देश्यों को समझाइये।**

**उत्तर—** **विक्रय संवर्द्धन के उद्देश्य**

**1. नये उत्पाद को बाजार में उतारना**—विक्रय संवर्द्धन का मुख्य उद्देश्य नवीन उत्पादित वस्तुओं को बाजार में प्रवेश कराकर उनकी मांग एवं बिक्री में वृद्धि करना है।

**2.** वस्तुओं एवं सेवाओं के प्रति नये उपभोक्ताओं तथा वर्तमान उपभोक्ताओं को बनाये रखना।

**3.** मौसमी उत्पाद की बिक्री को बनाये रखना जिनका प्रयोग विशेष मौसम में ही किया जाता है।

**4.** व्यावसायिक प्रतियोगिता के युग में प्रतिस्पर्द्धा का चुनौतीपूर्वक सामना करने में विक्रय संवर्द्धन अपनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है।

**प्रश्न 20. किसी वस्तु को खरीदने के पूर्व आप क्या सावधानी बरतेंगे ?**

**उत्तर**—वस्तु खरीदते समय निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखना चाहिए—

1. उत्पाद को भलीभाँति जाँचना।

2. उत्पाद की उपयोग विधि को भलीभाँति समझना।

3. आवश्यक उत्पादों में ISI मार्का लगा है या नहीं इस बात की जाँच करना।

4. उत्पाद खरीदते समय कैशमेमो लें जिसमें उत्पाद सम्बन्धित विवरण भी विक्रेता द्वारा लिखा जाए।

5. दीर्घकालीन सेवा प्रदान करने वाले उत्पाद, जैसे—टी. वी., फ्रिज, ए. सी. आदि की गारन्टी लेने के लिए गारन्टी या वारंटी कार्ड पर विक्रेता के हस्ताक्षर एवं सील लेवें।

**अथवा**

**प्रश्न—उपभोक्ता के दायित्व कौन-कौन से हैं ? समझाइये।**

**उत्तर—** **उपभोक्ता के दायित्व**

**1. स्वयं की सहायता का दायित्व**—उपभोक्ता को चाहिए कि वे विक्रेता पर आश्रित न रहें। छल-कपट अथवा धोखे से अपनी रक्षा करने के लिए अपने उत्तरदायित्व को समझने तथा अपने अधिकारों का प्रयोग करें।

**2. लेन-देन का प्रमाण**—उपभोक्ता को चाहिए कि वे अपने क्रय किये गए वस्तुओं का प्रमाण प्राप्त करें तथा उन्हें सावधानीपूर्वक तथा सुरक्षित रखें।

**3. उचित दावा**—यदि क्रय किया गया कोई उत्पाद खराब निकल जाता है या कुछ समय बाद उसमें कोई तकनीकी खराबी आ जाती है तो इसकी शिकायत विक्रेता को समय रहते करना चाहिए तथा उस क्षति की पूर्ति हेतु माँग करनी चाहिए।

**4. वस्तुओं तथा सेवाओं का उचित उपयोग**—वारंटी या गारंटी अवधि के दौरान वस्तुओं का दुरुपयोग नहीं करना चाहिए। ऐसा करना ग्राहकों के लिए उचित नहीं है।

**प्रश्न 21. पूँजी निवेश करते समय किन बातों को ध्यान में रखना चाहिए ?**

**उत्तर—पूँजी निवेश करते समय ध्यान देने योग्य बातें—**

**1. बचत की क्षमता**—व्यक्ति को सर्वप्रथम अपनी बचत क्षमता का आंकलन करना चाहिए तथा उसी के आधार पर निवेश करना चाहिए।

**2. सुरक्षा**—पूँजी निवेश करने से पूर्व विनियोजित कार्य के बारे में पूरी जानकारी प्राप्त करके ही निवेश करें।

**3. धन वापसी सरल हो**—जहाँ पूँजी विनियोजित की जा रही है वहाँ धन वापसी की प्रक्रिया सरल होनी चाहिए।

**4. ब्याज की दर**—जहाँ ब्याज की दर अधिक तथा धन वापसी सरल हो वहाँ पूँजी निवेश करना चाहिए।

**5. कर में राहत**—निवेश की गई पूँजी पर ब्याज से राहत है या नहीं इस पर भी ध्यान रखना चाहिए।

**अथवा**

**प्रश्न—एक उद्यमी के कार्यों का वर्णन कीजिए। (कोई चार)**

**उत्तर—उद्यमी के कार्य—**

**1. उद्यम अवसरों की पहचान करना—**एक सफल उद्यमी को व्यावसायिक सुअवसरों की पहचान करना चाहिए तथा सृजनात्मकता एवं नवीनता की ओर अग्रसर होना चाहिए।

**2. विचारों को क्रियान्वित करना**—एक उद्यमी को अपने विचारों को व्यावहारिक रूप प्रदान करना चाहिए। विभिन्न सूचनाओं को प्राप्त करते हुए लक्ष्य प्राप्ति की ओर बढ़ना चाहिए।

**3. संसाधनों को उपलब्ध कराना**—उद्यमी उत्पादन के विभिन्न संसाधनों श्रम, भूमि, पूँजी आदि की व्यवस्था करता है।

**4. उद्यम की स्थापना**—उद्यम की स्थापना करने हेतु आवश्यक सामग्री, भवन आदि के साथ-साथ कानूनी औपचारिकताओं जैसे लाइसेंस आदि प्राप्त करना उद्यमी का कार्य है।

**5. उद्यम का प्रबंध एवं संचालन**—विनियोजित पूँजी पर अधिकतम लाभ प्राप्त करने के लिए उद्यमी को व्यवसाय के लिए श्रम, माल, वित्त, माल का उत्पादन, उनका विपणन एवं वितरण करना पड़ता है।

**6. वृद्धि एवं विकास**—उद्यमी अपने व्यापार की वृद्धि एवं विकास के लिए सतत्

प्रयत्नशील रहता है। उसे अपने लक्ष्य प्राप्ति के बाद भी संतुष्टि नहीं मिलती है बल्कि उत्कृष्टता की ओर सतत् प्रयत्नशील रहता है।

**प्रश्न 22. व्यवसाय की विशेषताओं को समझाइये।**

**उत्तर— व्यवसाय की विशेषताएँ**

**1. वस्तुओं तथा सेवाओं का लेन-देन**—व्यवसाय से लाभ कमाने के लिए वस्तुओं तथा सेवाओं का लेन-देन किया जाता है। वस्तुओं का उत्पादन एवं वितरण किया जाता है।

**2. वस्तुओं तथा सेवाओं का नियमित विनिमय**—व्यवसाय के अंतर्गत वस्तुओं तथा सेवाओं को नियमित क्रय-विक्रय किया जाना चाहिए।

**3. लाभ होना**—व्यवसाय का सबसे बड़ा उद्देश्य लाभ कमाना होता है। लाभ के अभाव में व्यवसाय की कल्पना नहीं की जा सकती है।

**4. आय की अनिश्चितता एवं जोखिम**—व्यवसाय जोखिमभरा होता है। उससे प्राप्त होने वाली आय की मात्रा निश्चित नहीं होती है। इसमें हानि की सम्भावना भी होती है।

**5. विनियोग की आवश्यकता**—व्यवसाय करने के लिए व्यक्ति को प्रारम्भ में पूँजी के रूप में धनराशि लगाने या विनियोग करने की आवश्यकता होती है।

**अथवा**

**प्रश्न—पेशे की विशेषताओं का वर्णन कीजिए।**

**उत्तर—पेशे की विशेषताएँ—**

1. पेशा कार्य के लिए विशेष ज्ञान, प्रशिक्षण व अनुभव की आवश्यकता होती है।
2. पेशा कार्य का मूल्यांकन पूर्व से ही नहीं किया जा सकता है।
3. पेशा कार्य को पूर्ण करने के लिए आदर्श आचार संहिता होती है।
4. पेशा कार्य के नियंत्रण के लिए विशेष बोर्ड होता है।
5. वकील, डॉक्टर आदि का कार्य पेशे के अंतर्गत आता है।

**प्रश्न 23. सम्प्रेषण के पाँच साधनों का वर्णन कीजिए।**

**उत्तर— सम्प्रेषण के साधन**

**1. पत्र**—यह सम्प्रेषण का लिखित रूप है। इसका प्रयोग कोई भी व्यक्ति या संगठन कर सकता है। इसे साक्ष्य के रूप में रखा जा सकता है।

**2. तार**—तार के माध्यम से एक लिखित संदेश को एक स्थान से दूसरे स्थान तक शीघ्रता से भेजा जा सकता है।

**3. टेलीफोन तथा मोबाइल**—यह मौखिक संवाद का सर्वाधिक लोक''य साधन है। इससे देश के भीतर व बाहर आसानी से संदेशों को भेजा व प्राप्त किया जा सकता है।

**4. टैलेक्स**—इस माध्यम से छपे हुए संदेश टेली''टर द्वारा एक स्थान से दूसरे स्थान टेली''टर द्वारा पहुँचाया जाता है। यह एक मशीन है जो विभिन्न स्थानों पर लगायी जाती है। यह केबल द्वारा केन्द्रीय एजेंसियों से जुड़ी होती है।

**5. फैक्स**—फैक्स एक इलेक्ट्रॉनिक उपकरण है जिसके द्वारा हाथ से लिखे या छपे हुए संदेश, चित्र, ग्राफिक्स आदि एक स्थान से दूसरे स्थान तक आसानी से भेजा जा सकता है। इससे संदेश की दूसरी कापी एक स्थान से दूसरे स्थान पर हूबहू प्राप्त की जा सकती हे।

**अथवा**

**प्रश्न—जल परिवहन के पाँच प्रकारों का वर्णन कीजिए।**

**उत्तर— जल परिवहन के प्रकार**

**1. अंतर्देशीय जल परिवहन**—अंतर्देशीय जल परिवहन में नावों, लांचों, बार्जों, स्टीमरों से नदियों और नहरों के रास्ते समान और यात्रियों को एक स्थान से दूसरे स्थान तक लाया ले जाया जाता है।

**2. महासागरीय परिवहन**—सागर या महासागर में समुद्री जहाजों से सामान और यात्रियों का परिवहन महासागरीय परिवहन कहलाता है।

**3. तटीय जहाजरानी**—इस परिवहन व्यवस्था में देश के प्रमुख बंदरगाहों के मध्य समुद्री जहाज चलाते हैं। इससे घरेलू व्यापार को मदद मिलती है।

**4. लाइनर**—लाइनर एक ऐसा यात्री या मालवाहक जहाज होता है, जिसका सम्बन्ध एक नियमित जहाजरानी कम्पनी से होता है। यह जहाज निश्चित मार्गों पर, निर्धारित समय-सारणी अनुसार चलते हैं।

**5. ट्रेम्प**—यह ऐसा मालवाहक जहाज होता है, जो तभी चलता है जब इसे ढोने के लिए माल मिलता है। इसका न तो कोई निश्चित मार्ग होता है और न ही निर्धारित समय-सारणी।

**प्रश्न 24. व्यापारिक पत्र के महत्व को लिखिए।**

**उत्तर— व्यापारिक पत्रों का महत्व**

**1. मधुर व्यावसायिक सम्बन्ध**—पत्र व्यवहार से क्रेता एवं विक्रेता के मध्य मधुर व्यावसायिक सम्बन्ध स्था"त होते हैं।

**2. मितव्ययी एवं सुविधाजनक**—यह सूचनाओं के आदान-प्रदान की अत्यंत सुविध. ाजनक एवं मितव्ययी साधन है।

**3. साक्ष्य स्वरूप**—व्यापारिक पत्र साक्ष्य का काम करती है। विवाद की दशा में इसे सबूत के रूप में पेश किया जा सकता है।

**4. नये बाजार की खोज**—व्यापारिक पत्रों के माध्यम से नये-नये बाजारों की खोज घर बैठे की जा सकती है।

**5. साख का निर्माण**—व्यावसायिक पत्रों के माध्यम से व्यापारी ग्राहकों से शिकायत एवं सुझावों की मांग करता है जिससे बाजार में उनके व्यापार की साख में वृद्धि होती है।

**अथवा**

**प्रश्न—एक अच्छे व्यापारिक पत्र की आंतरिक विशेषताओं को लिखिए।**

**उत्तर— व्यापारिक पत्र की विशेषताएँ**

**1. सरलता**—व्यापारिक पत्र सरलतम एवं आसान भाषा में लिखना चाहिए जिससे पाठक की भावनाओं पर कोई प्रभाव न पड़े।

**2. स्पष्टता**—लिखे जाने वाले पत्र का विषय स्पष्ट होना चाहिए। पाठक को पत्र का उद्देश्य समझ आना चाहिए।

**3. शुद्धता**—पत्र में लिखी गई बातें भेजने वाले के जानकारी के अनुसार सही-सही एवं शुद्ध व्याकरण के प्रयोग से लिखी जानी चाहिए।

**4. औचित्य**—व्यावसायिक पत्र में केवल व्यापारिक लेन-देन की जानकारी हो।

**5. पूर्णता**—व्यापारिक पत्र तभी पूर्ण होता है जब उसमें समस्त आवश्यक जानकारी का

पूर्ण उल्लेख हो, कोई भी बात जो आवश्यक है वह पत्र में लिखने से छूटे नहीं।

**प्रश्न 25. बीमा के प्रकारों को समझाइये।**

**उत्तर—बीमा का अर्थ**—बीमा एक समझौता है जिसके अंतर्गत किसी निश्चित घटना के घटित होने पर एक निश्चित प्रीमियम के बदले में एक निश्चित राशि के भुगतान का वचन बीमा कम्पनी द्वारा बीमित व्यक्ति को दिया जाता है।

**बीमा के प्रकार—**

**1. जीवन बीमा**—इसमें बीमा कम्पनी बीमित व्यक्ति को निश्चित प्रीमियम के बदले समयावधि पूर्ण होने पर एक निश्चित राशि या मृत्यु होने पर निश्चित बीमा धन यदि हो तो अन्य लाभ देने का वचन देती है।

**2. अग्नि बीमा**—यह बीमा एक व्यक्ति या व्यापारी के द्वारा अग्नि से होने वाली हानि की क्षतिपूर्ति के लिए कराया जाता है।

**3. सामुद्रिक बीमा**—सामुद्रिक व्यवसाय में निहित जोखिमों से सुरक्षा प्राप्त करने के उद्देश्य से यह बीमा कराया जाता है।

**4. अन्य बीमा**—उपर्युक्त के अलावा दुर्घटना बीमा, व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा, दायित्व बीमा, मोटर वाहन बीमा, चोरी बीमा, सामाजिक बीमा, पशुधन बीमा, सामान्य बीमा आदि होता है।

**अथवा**

**प्रश्न—बीमा के सिद्धान्तों को समझाइये।**

**उत्तर—** **बीमा के सिद्धान्त**

**1. पूर्ण सद्विश्वास**—बीमा अनुबंध पारस्परिक विश्वास एवं सद्भावना का अनुबंध है। अनुबंध के दोनों पक्ष अर्थात् बीमाकार एवं बीमाकृत को चाहिए कि वह सभी आवश्यक सूचना से एक-दूसरे को अवगत कराये।

**2. बीमोचित स्वार्थ**—इसका अर्थ है बीमा विषय में वित्तीय अथवा सम्बन्धित हितों का होना। एक व्यक्ति का किसी सम्पत्ति में बीमा योग्य हित माना जाएगा यदि उसके सुरक्षित रहने से उसे वित्तीय लाभ हो रहा है।

**3. क्षतिपूर्ति**—क्षतिपूर्ति का सिद्धान्त अग्नि बीमा और सामुद्रिक बीमा में लागू होता है। क्षतिपूर्ति का अर्थ व्यक्ति को उसी स्थिति में ला देना है जिसमें वह घटना के घटित होने से पहले था।

**4. योगदान**—एक ही बीमा वस्तु का एक से अधिक बीमाकारों से बीमा कराया जा सकता है। बीमा के दावे की जो राशि बीमाकृत को दी जाती है उसे सभी बीमाकारों से एकत्रित किया जाएगा।

**5. प्रतिस्थापना**—बीमा अनुबंध में प्रतिस्थापना का अर्थ है, बीमाकार ने यदि बीमाकृत हुई क्षति की पूर्ति कर दी है तो बीमाकार को बीमा की विषय-वस्तु के सम्बन्ध में वही अधिकार प्राप्त हो जायेंगे जो बीमाकृत को थे।

**प्रश्न 26. गैर-सरकारी संगठन द्वारा उपभोक्ता के हितों के संरक्षण हेतु कौन-कौन से कार्य किये जाते हैं ?**

**उत्तर**—गैर-सरकारी संगठन द्वारा उपभोक्ता के हितों के संरक्षण के लिए निम्नलिखित कार्य किये जाते हैं—

1. उपभोक्ता अधिकारों के प्रति जागरूकता लाने के लिए लोगों को उपभोक्ता समस्याओं

और समाधानों के बारे में गोष्ठियाँ, कार्यशालाओं और प्रशिक्षण कार्यक्रमों के जरिये जानकारी देना।

2. उपभोक्ताओं को कानूनी कार्यवाही करने में सहयोग के जरिये कानूनी परामर्श प्रदान करना।

3. उपभोक्ता संरक्षण परिषदों तथा अन्य निकायों के प्रतिनिधि के रूप में उपभोक्ताओं के पक्ष की पैरवी करना।

4. समय-समय पर पत्र-पत्रिकाओं का प्रकाशन करके, पाठकों तक उपभोक्ता समस्याओं को नीति निर्धारण और उपभोक्ताओं की रुचि की अन्य सूचनाएँ पहुँचाना।

5. ऐसे सुझाव और सिफारिशें प्रस्तुत करना, जिन पर सरकारी अधिकारियों को नीति निध ारिण और उपभोक्ताओं के हित में किये जाने वाले प्रशासनिक उपाय करते हुए विचार करना चाहिए।

6. कुछ गैर सरकारी संगठनों ने कई मामलों में उपभोक्ता अधिकारों को लागू करने में जनहित याचिकाओं का सफलतापूर्वक इस्तेमाल किया है।

**अथवा**

**प्रश्न—किसी वस्तु को खरीदने के निर्णय को प्रभावित करने वाले कारणों को लिखिए।**

**उत्तर—वस्तु को खरीदने के निर्णय को प्रभावित करने वाले तत्व—**

**1. क्रय-शक्ति**—व्यक्ति अपनी आय एवं आवश्यकता के अनुसार वस्तुओं एवं सेवाओं को खरीदता है। आय तथा आवश्यकता ही व्यक्ति की क्रय-शक्ति को निर्धारित करती है।

**2. विज्ञापन**—समाचार-पत्रों, रेडियो, टेलीविजन आदि में आने वाले विज्ञापन से उपभोक्ता की जानकारी में वृद्धि होती है। इसी जानकारी के आधार पर उपभोक्ता वस्तुओं एवं सेवाओं का क्रय करता है।

**3. विक्रय संवर्द्धन योजना**—फुटकर व्यापारी, थोक व्यापारी एवं उत्पादक अपनी वस्तुओं की बिक्री के लिए कई प्रकार की योजनाएँ चलाते हैं। विक्रय सम्बर्द्धन की ये योजनाएँ उपभोक्ता के क्रय के निर्णय को प्रभावित करती हैं।

**4. सामाजिक प्रतिष्ठा**—सामाजिक प्रतिष्ठा भी व्यक्ति को वस्तु लेने के निर्णय की क्षमता को प्रभावित करता है।

**5. बौद्धिक**—किसी वस्तु को खरीदने का निर्णय बौद्धिक स्तर पर भी निर्भर करता है।

**6. वस्तुओं और सेवाओं की उपलब्धता**—सुगमता से उपलब्ध होने वाली सेवाओं को ही उपभोक्ता क्रय करना पसंद करते हैं।

**प्रश्न 27. स्वरोजगार एवं नौकरी में अंतर स्पष्ट कीजिए।**

**उत्तर— स्वरोजगार एवं नौकरी में अंतर**

| क्र. | आधार | स्वरोजगार | नौकरी |
|---|---|---|---|
| 1. | प्रकृति | यह समस्त कार्य करता है। | नियोक्ता के निर्देशानुसार कार्य किया जाता है। |
| 2. | स्थिति | यह स्वयं स्वामी होता है। | यह कर्मचारी मात्र होता है। |
| 3. | आय | इसकी आय अनिश्चित होती है। | इसकी आय निश्चित होती है। |
| 4. | जोखिम | स्वामी स्वयं जोखिम उठाता है। | कर्मचारी को जोखिम नहीं उठाना पड़ता है। |
| 5. | कार्य का समय | इसमें व्यक्ति अपनी इच्छानुसार कार्य करता है। | इसमें कार्य का समय निर्धारित होता है। |
| 6. | कार्य की स्वतंत्रता | स्वामी को कार्य करने एवं निर्णय लेने की स्वतंत्रता होती है। | कर्मचारी, नियोक्ता द्वारा निर्धारित शर्तों के अधीन कार्य करता है। |

**अथवा**

**प्रश्न—बचत की आवश्यकता क्यों पड़ती है ?**

**उत्तर—बचत का अर्थ**—किसी व्यक्ति की आय की वह शेष मात्रा जो उसके पूर्ण उपभोग के बाद बचता है तथा जिसे वह सुरक्षित रखता है बचत कहलाता है।

## बचत की आवश्यकता

**1. भविष्य की आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु**—भविष्य की विभिन्न आवश्यकताओं एवं कार्यों, जैसे—उच्च शिक्षा, शादी-ब्याह, मकान, जमीन आदि के लिए धन की आवश्यकता होती है। अत: बचत करना आवश्यक हो जाता है।

**2. आपातकाल में सहायता हेतु**—भविष्य अनिश्चित होता है। कभी भी कोई भी विपदा या परेशानियाँ आ सकती हैं जिससे निपटने में बचत किया गया धन हमें सहयोग प्रदान करता है।

**3. आय में वृद्धि**—बचत की राशि को हम बैंक में जमा कर उसके एवज में ब्याज प्राप्त करते हैं जिससे हमारी आय में वद्धि होती है। बचत की राशि को हम शेयर, बॉण्ड आदि में भी निवेशित कर सकते हैं।

**4. जीवन-स्तर में सुधार**—बचत राशि से हम ऐसी चीजों को क्रय कर सकते हैं जिससे हमें सुविधा होती है तथा आराम मिलता है तथा हमारे जीवन स्तर में सुधार होता है। बचत की राशि से हम अच्छा फर्नीचर, टी.वी., फ्रिज, गाड़ी, मकान आदि ले सकते हैं।

**5. देश का आर्थिक विकास**—हमारे द्वारा बैंकों एवं डाकघरों में जमा की गई बचत राशि को सरकार उद्योगपतियों को ऋण के रूप में देती है तथा विभिन्न उत्पादन कार्यों में निवेशित करती है जिससे उत्पादन में वृद्धि होने के कारण देश का आर्थिक विकास होता है।

●

# छत्तीसगढ़ राज्य ओपन स्कूल परीक्षा

## सॉल्व्ड पेपर—मई-जून 2012

## कक्षा 10वीं

### विषय—व्यवसाय अध्ययन

**सेट—2**

**समय : 3 घंटे]** **[पूर्णांक : 100**

**निर्देश**—(i) सभी प्रश्न हल करना अनिवार्य है।

(ii) प्रश्न क्रमांक 1 में 10 अंक निर्धारित हैं। दो उपखण्ड हैं। खण्ड 'अ' में 5 रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए तथा खण्ड 'ब' में 5 सत्य/असत्य लिखिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए 1 अंक आबंटित है।

(iii) प्रश्न क्रमांक 2 से 9 तक अतिलघु उत्तरीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न पर 2 अंक आबंटित हैं। उत्तर की अधिकतम शब्द सीमा 30 शब्द है।

(iv) प्रश्न क्रमांक 10 से 15 तक लघु उत्तरीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न पर 3 अंक आबंटित हैं। उत्तर की अधिकतम शब्द सीमा 50 शब्द है।

(v) प्रश्न क्रमांक 16 से 21 तक लघु उत्तरीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न में आंतरिक विकल्प हैं और प्रत्येक प्रश्न पर 4 अंक आबंटित हैं। उत्तर की अधिकतम शब्द सीमा 75 शब्द है।

(vi) प्रश्न क्रमांक 22 से 25 तक दीर्घ उत्तरीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न में आंतरिक विकल्प हैं और प्रत्येक प्रश्न पर 5 अंक आबंटित हैं। उत्तर की अधिकतम शब्द सीमा 150 शब्द है।

(vii) प्रश्न क्रमांक 26 एवं 27 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न में आंतरिक विकल्प हैं और प्रत्येक प्रश्न पर 6 अंक आबंटित हैं। उत्तर की अधिकत शब्द सीमा 250 शब्द है।

### खण्ड : अ

**प्रश्न 1. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—**

**(i)** प्रत्येक व्यवसाय एक ..... के भीतर संचालित होता है।

**उत्तर**—समाज।

**(ii)** जो व्यक्ति संदेश प्राप्त करता है उसे ..... कहते हैं

**उत्तर**—प्राप्तकर्त्ता या प्रेषणी।

**(iii)** करेंसी नोटों को निर्गमन का अधिकार ..... को है।

**उत्तर**—भारतीय रिजर्व बैंक।

**(iv)** जब कोई दुकानदार किराना का सामान या दूसरी वस्तुएँ अपनी दुकान से बेचता है तो वह ..... प्रक्रिया में लगा होता है।

**उत्तर**—फुटकर विक्रय।

**(v)** बचत से राष्ट्र एवं समाज का ..... का होता है।

**उत्तर**—विकास।

## खण्ड : ब

**सत्य/असत्य लिखिए—**

**(i)** खराब मौसम का सड़क परिवहन पर कोई फर्क नहीं पड़ता।

**उत्तर**—सत्य।

**(ii)** आई.एस.आई. मानक चिन्ह किसी वस्तु की गुणवत्ता को प्रदर्शित करता है।

**उत्तर**—सत्य।

**(iii)** उपभोक्ता के आदत, रुचि एवं फैशन में बदलाव पर व्यापार उत्पादन में भी परिवर्तन लाते हैं।

**उत्तर**—सत्य।

**(vi)** गैर सरकारी संगठन जनकल्याण को बढ़ावा देता है।

**उत्तर**—सत्य।

**(v)** स्वरोजगार का अर्थ आर्थिक क्रिया में संलग्न होना है।

**उत्तर**—सत्य।

**प्रश्न 2. अनार्थिक क्रियाओं के दो उदाहरण दीजिए।**

**उत्तर—अनार्थिक क्रियाएँ**—(i) समाज सेवा करना, (ii) मनोरंजन करना।

**प्रश्न 3. नाममात्र का साझेदार किसे कहते हैं ? समझाइये।**

**उत्तर**—वह व्यक्ति जो साझेदारी फर्म में न तो पूँजी लगाते हैं और न ही व्यापार संचालन में भाग लते हैं किन्तु फर्म को अपने नाम के उपयोग की अनुमति देते हैं, नाममात्र का साझेदार कहलाता है।

**प्रश्न 4. विपणन सहकारी समिति किसे कहते हैं ?**

**उत्तर**—वे समिति जो छोटे उत्पादकों और निर्माताओं द्वारा बनाई गई माल को एकत्रित कर उसे बाजार में बेचने का उत्तरदायित्व ग्रहण करते हैं, उसे विपणन सहकारी समिति कहते हैं। जैसे—दुग्ध सहकारी समिति।

**प्रश्न 5. मूल्य देय डाक किसे कहते हैं ?**

**उत्तर**—जब बाजार में हमें कोई वस्तु पसन्द आ जाती है और उसे खरीदने के लिए हमारे पास पैसे नहीं होते हैं तो हम ऐसी स्थिति में विक्रेता को वस्तु डाक के माध्यम से घर तक पहुँचाने के लिए अनुरोध करते हैं। डाकघर में प्राप्त होने पर वस्तु का मूल्य चुकाकर डाक लेते हैं। इस क्रिया को मूल्य देय डाक या V.P.P. कहते हैं।

**प्रश्न 6. बैंक की परिभाषा दीजिए।**

**उत्तर**—बैंक एक ऐसा व्यावसायिक संस्थान है जहाँ राशि जमा की जाती है तथा निकाली जाती है। यह संस्था व्यक्ति तथा व्यावसायिक उपक्रमों को उनकी आवश्यकता के अनुसार अग्रिम एवं ऋण भी प्रदान करती है।

**प्रश्न 7. हुण्डी किसे कहते हैं ? समझाइये।**

**उत्तर**—यह एक विनिमयसाध्य विलेख है जिसका प्रयोग धनराशि को हाथ में रखे बिना अर्थात् बिना उसका हस्तांतरण किया जा सकता है। यह सबसे पुराना प्रलेख है।

**प्रश्न 8. वैयक्तिक विक्रय के दो पक्ष लिखिए।**

**उत्तर—वैयक्तिक विक्रय के पक्ष**—विक्रयकर्त्ता एवं दूसरा क्रेता।

**प्रश्न 9. विज्ञापन की परिभाषा दीजिए।**

**उत्तर**—निर्माताओं, व्यापारियों अथवा सेवा प्रदाताओं द्वारा अपने उत्पाद की ओर ग्राहकों का ध्यान आकर्षित करने के लिए तथा उनकी मांग एवं बिक्री में वृद्धि करने हेतु वस्तुओं एवं सेवाओं के सम्बन्ध में जानकारी देने के लिए टी.वी., समाचार-पत्र, रेडियो आदि में चित्र-चित्रण करना विज्ञापन कहलाता है।

**प्रश्न 10. नौकरी की तीन विशेषताएँ लिखिए।**

**उत्तर—नौकरी की विशेषताएँ—**

1. नौकरी में नियोक्ता के आदेशानुसार कार्य किया जाता है।
2. नौकरी से प्राप्त होने वाली आय निश्चित होती है।
3. नौकरी में कार्य के घण्टे पूर्व निर्धारित होते हैं।

**प्रश्न 11. प्रदूषण के तीन कारण बताइये।**

**उत्तर—प्रदूषण के कारण—**

1. उत्पादन इकाइयों से निकलने वाली गैस एवं धुओं से।
2. परिवहन साधनों के बढ़ते हुए उपयोग से।
3. नदियों एवं नहरों में कचरे तथा हानिकारक पदार्थों के विसर्जन से।

**प्रश्न 12. भण्डागृह के तीन कार्यों को लिखिए।**

**उत्तर—भण्डारगृह के कार्य—**

1. इसका प्रमुख कार्य बड़ी मात्रा में वस्तुओं को एकत्रित करके रखना है।
2. यह गर्मी, धूप, हवा, बारिस, नमी, कीड़ों आदि से वस्तुओं को खराब होने से बचाता है।
3. भण्डारगृहों में वस्तुओं को श्रेणीयन एवं ब्राण्डिंग किया जा सकता है।

**प्रश्न 13. ए. टी. एम. मशीन की उपयोगिता को समझाइये।**

**उत्तर**—ए.टी.एम. मशीन का पूरा नाम आटोमेटेड टेलर मशीन है। इस मशीन के माध्यम से चालू एवं बचत खाते से रुपया निकालने के लिए किया जाता है। इसे एक विशेष चुम्बकीय कार्ड से परिचालित किया जाता है। इसे प्रयोग में लाने के लिए पासवर्ड का उपयोग किया जाता है।

**प्रश्न 14. डाक द्वारा व्यापार की तीन विशेषताएँ समझाइए।**

**उत्तर—डाक द्वारा व्यापार की विशेषताएँ—**

1. व्यापार की पूरी प्रक्रिया डाक द्वारा होती है।
2. क्रेता-विक्रेता आमने-सामने हुए बिना क्रय-विक्रय की प्रक्रिया पूर्ण कर लेते हैं।
3. विक्रेता अखबार, पत्रिका, पत्रों और सूची पत्रों में अपने सामान का विस्तृत वर्णन करते हुए विक्रय की शर्तें तथा भुगतान पद्धति को बताते हुए विज्ञापन करते हैं।
4. विक्रेता को डाक द्वारा ग्राहक से आर्डर मिलता है।
5. विक्रेता अच्छी तरह पैक किया हुआ सामान वी.पी.पी. से भेजता है।

6. विक्रेता को पैसा डाकखाने से प्राप्त होता है।

7. इसमें कोई मध्यस्थ नहीं होता है।

**प्रश्न 15. आय के कोई तीन स्त्रोत लिखिए।**

**उत्तर—आय के स्त्रोत—**

**1. व्यापार**—व्यापार का संचालन करके लोग लाभ के रूप में आय प्राप्त करते हैं।

**2. रोजगार**—रोजगार या नौकरी में लगे लोगों को वतेन या मजदूरी की प्राप्ति होती है।

**3. कृषि**—कृषि कार्य कर उससे प्राप्त उपज को मण्डियों में बेचने से आमदनी प्राप्त होती है जिसे आय कहते हैं।

**प्रश्न 16. एकाकी व्यापार के दोष लिखिए। (कोई चार)**

**उत्तर—एकाकी व्यापार के दोष—**

**1. असीमित उत्तरदायित्व**—एकाकी व्यापार में दायित्व असीमित होता है। हानि की दशा में व्यापारी की निजी सम्पत्ति का भी उपयोग किया जा सकता है।

**2. अस्थायी अस्तित्व**—एकाकी व्यापार का अस्तित्व उसके स्वामी के अस्तित्व पर निर्भर करता है अर्थात् स्वामी की मृत्यु की दशा में एकाकी व्यापार स्वत: समाप्त हो जाता है।

**3. सीमित पूँजी**—एकाकी व्यापारी अपने सीमित साधनों से पूँजी का प्रबंध करता है अत: इस व्यापार में पूँजी का अभाव पाया जाता है।

**4. अनुपस्थिति से हानि**—यदि किसी कारणवश व्यापारी व्यापार को बंद रखता है तो ऐसी दशा में उसे हानि उठानी पड़ती है।

**अथवा**

**प्रश्न—व्यवसाय का स्वामियों के प्रति क्या उत्तरदायत्वि होता है ?**

**उत्तर**—1. व्यवसाय का प्रभावी ढंग से निरन्तर संचालन करना।

2. पूँजी तथ अन्य संसाधनों का उचित प्रयोग करना।

3. पूँजी की मूल्य वृद्धि करना।

4. विनिवेशित पूँजी पर नियमित तथा उचित प्रतिफल की प्राप्ति करना।

**प्रश्न 17. साझेदारों के प्रकार लिखिए।**

**उत्तर— साझेदारों के प्रकार**

**1. सक्रिय साझेदार**—वह साझेदार जो व्यापार के संचालन में सक्रिय रूप से भाग लेते हैं, पूँजी लगाते हैं तथा जो लाभ-हानि में हिस्सा प्राप्त करता है, सक्रिय साझेदार कहलाता है।

**2. निष्क्रिय साझेदार**—वह साझेदार जो फर्म के संचालन में भाग नहीं लेते हैं तथा व्यापार में पूँजी लगाते हैं तथा लाभ-हानि में भागीदार होते हैं निष्क्रिय साझेदार कहलाता है।

**3. नाममात्र का साझेदार**—वह व्यक्ति जो साझेदारी फर्म में न तो पूँजी लगाते हैं और न ही व्यापार संचालन में भाग लेते हैं। किन्तु फर्म को अपने नाम के उपयोग की अनुमति देते हैं, नाममात्र का साझेदार कहलाता है।

**4. अवयस्क साझेदार**—फर्म में एक अवयस्क (18 वर्ष से कम) को केवल फर्म के लाभों में समस्त साझेदारों की सहमति से साझेदार बनाया सकता है।

**अथवा**

**प्रश्न—बहुराष्ट्रीय कम्पनी की विशेषताओं को समझाइये।**

उत्तर— **बहुराष्ट्रीय कम्पनी की विशेषताएँ**

**1. अंतर्राष्ट्रीय संचालन**—साधारणतया बहुराष्ट्रीय कम्पनियाँ उत्पादन, बिक्री तथा अन्य सुविधाएँ विभिन्न देशों में संचालित करती हैं।

**2. वृहद आकार**—बहुराष्ट्रीय कम्पनियों की बिक्री की मात्रा, आमदनी तथा परसम्पत्तियों की मात्रा काफी बड़ी होती है।

**3. केन्द्रीय नियत्रण**—बहुराष्ट्रीय कम्पनियों द्वारा विभिन्न देशों में स्था"त इकाइयों का नियंत्रण कम्पनी के अपने देश में स्थित मुख्यालयों के हाथों में होता है तथा यह बोर्ड द्वारा निर्वाचित नीतियों के माध्यम से संचालित होता है।

**प्रश्न 18. क्रय की पद्धतियों का वर्णन कीजिए।**

**उत्तर—वस्तु क्रय करने की पद्धतियाँ—**

**1. निरीक्षण द्वारा श्रम**—किसी वस्तु को पूरी तरह से जाँच-परखकर क्रय करना निरीक्षण द्वारा क्रय कहलाता है। यह क्रय करने का सबसे प्रचलित तरीका है।

**2. नमूना परीक्षण द्वारा क्रय**—जब हम किसी वस्तु के नमूने के परीक्षण के द्वारा क्रय करने का निर्णय लेते हैं तो उसे नमूना परीक्षण द्वारा क्रय कहते हैं, ऐसा हम तब करते हैं जब हम बड़ी मात्रा में वस्तु खरीदते हैं।

**3. उत्पादकता ब्राण्ड या विवरण द्वारा क्रय**—क्रेता द्वारा जब वस्तु का ब्राण्ड, नाम या विवरण के द्वारा ही वस्तु खरीदी जाती है तो उसे उत्पाद का ब्राण्ड या विवरण द्वारा क्रय कहते हैं।

**अथवा**

**प्रश्न—स्वचालित बिक्री मशीन के लाभ लिखिए।**

उत्तर— **स्वचालित बिक्री मशीन के लाभ**

1. इस मशीन को बड़ी सरलता से चलाया जा सकता है। इसके लिए किसी विशेष शैक्षणिक योग्यता की आवश्यकता नहीं होती है।
2. इसमें विक्रेता द्वारा किसी प्रकार की धोखाधड़ी या मिलावट की सम्भावना नहीं रहती है।
3. इससे विक्रेता के समय एवं श्रम की बचत होती है।
4. इसमें नकद विक्रय होता है। अत: भुगतान नहीं करने की सम्भावना नहीं रहती है।
5. इसमें किसी प्रकार के विज्ञापन की आवश्यकता नहीं होती है।

**प्रश्न 19. विज्ञापन के लक्षण बताइये।**

उत्तर— **विज्ञापन के लक्षण**

**1. संदेश की अवैयक्तिक प्रस्तुति**—विज्ञापन में ग्राहकों के साथ आमने-सामने अथवा सीधा सम्पर्क नहीं होता है। यह सामान्य रूप से सारे ग्राहकों की ओर लक्षित होता है।

**2. संचार का भुगतान किया हुआ स्वरूप**—विज्ञापन में विनिर्माता विभिन्न माध्यमों जैसे—समाचार-पत्र, होर्डिंग्स, पत्रिकाएँ, रेडियो, टेलीविजिन आदि के माध्यम संचार से सभी ग्राहकों के साथ सम्पर्क करता है। इस प्रकार इन संचार माध्यमों पर वह निर्धारित समय अथवा स्थान के उपयोग के लिए भुगतान करता है।

**3. प्रायोजक हमेशा परिचति होता है**—विज्ञापन देने वाले विनिर्माता, व्यापारी अथवा सेवा उपलब्धकर्त्ता की पहचान हमेशा प्रत्यक्ष होती है।

**4. उत्पादक, सेवा अथवा विचार को प्रोत्साहन**—विज्ञापन में किसी भी उत्पाद, सेवा अथवा विचार सम्बन्धी कोई-न-कोई संदेश होता है । यह लोगों को उस उत्पाद के बारे में जानकारी देता है तथा उन्हें खरदीने के लिए प्रेरित करता है।

**अथवा**

**प्रश्न—विक्रय संवर्द्धन की किन्हीं चार तकनीकों समझाइये।**

**उत्तर— विक्रय संवर्द्धन की तकनीकें**

**1. मुक्त नमूनों का वितरण**—व्यवसायी उत्पाद को लोक"य बनाने, उनके माँग एवं विक्रय में वृद्धि करने के लिए उसे मुफ्त में नमूने के रूप में वितरित करते हैं। जैसे—अध्यापकों को पुस्तकों की नमूने की प्रति देना आदि।

**2. बोनस के रूप में वस्तु देना**—कभी-कभी व्यापारी वस्तु के विक्रय में वृद्धि करने के लिए वस्तु के पैकेट में अतिरिक्त मात्रा में वस्तु देते हैं। जैसे पारले बिस्किट के एक पैकेट में 20% अतिरिक्त बिस्किट मुफ्त देता है।

**3. वस्तु विनिमय योजना**—आज यह एक्सजेंच के नाम से प्रसिद्ध है अर्थात् आप अपनी पुरानी वस्तु के बदले में कुछ रुपयों का भुगतान कर नई वस्तु पा लीजिए। जैसे—अपनी पुरानी मोटर साइकिल लाइये और मात्र ₹ 25,000 भुगतान पर नई मोटर साइकिल ले जाइए। ऐसी तकनीकी विक्रय को प्रोत्साहित करती है।

**4. मूल्यों में कमी**—कभी-कभी व्यवसायी विक्रय में वृद्धि करने के लिए वस्तुओं के दाम में कमी कर देते हैं। जैसे लाइफबॉय साबुन खरीदने पर ₹ 2 की छूट आदि।

**प्रश्न 20. उपभोक्ता को संरक्षण की आवश्यकता क्यों होती है ?**

**उत्तर—उपभोक्ता संरक्षण की आवश्यकता—**

1. उपभोक्ता की समस्याओं को दूर कर उनकी सुरक्षा के उपाय करने के लिए।

2. विक्रेता आदि के द्वारा किये जाने वाले शोषण, जैसे—मिलावट, हल्की किस्म, अधिक मूल्य, कम नाप-तौल-आदि से रक्षा करने के लिए उपभोक्ता संरक्षण की आवश्यकता होती है।

3. उत्पादक एवं विक्रेता भ्रामक विज्ञापनों के माध्यम से उपभोक्ताओं की कड़ी मेहनत की कमाई को ठगने लगते हैं।

4. उपभोक्ताओं को शिक्षित एवं जागरूक करना तथा उन्हें उनके अधिकारों से अवगत कराना ताकि वे लूट आदि का शिकार न होवें।

**अथवा**

**मानक चिन्हों की क्या उपयोगिता है ? समझाइये। (कोई चार)**

**उत्तर— मानक चिन्हों की उपयोगिता**

**1. ISO (आई. एस. ओ.)**—आई. एस. ओ. से अभिप्राय है—इण्टरनेशनल ऑर्गेनाइजेशन फॉर स्टैंडर्डाइजेशन यानि अंतर्राष्ट्रीय मानकीकरण संगठन। यह संगठन उत्पादों और सेवाओं के लिए गुणवत्ता मानक निश्चित करता है तथा विभिन्न देशों की राष्ट्रीय मानक संस्थाओं (भारत में भारतीय मानक ब्यूरो) को इन्हीं मानकों के आधार पर गुणवत्ता सम्बन्धी प्रमाण-पत्र देने को अधिकृत करता है।

**2. ISI (आई.एस.आई.)**—यह भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा प्रदत्त चिन्ह है। इसका अर्थ यह है कि यह चिह्न जिन उत्पादों पर लगा है वे गुणवत्ता के न्यूनतम स्तर पर खरे उतरे हैं। आई. एस. आई. चिन्ह बिजली के सामान, सीमेंट, बोतल बंद पानी, कागज, रंग, बिस्कुट, शिशु, आहार, गैस, सिलेण्डर, साबुन और कपड़े धोने के पाउडर के लिए है।

**3. FPO (एफ.पी. ओ.)**—एफ. पी. ओ. का पूरा नाम फूड प्रोडक्ट आर्डर अर्थात् फलों से बने उत्पादों से सम्बन्धित व्यवस्था है। इस व्यवस्था से फलों, सब्जियों, उत्पादों की गुणवत्ता की रक्षा के लिए मानक तैयार किया जाता है। जैम, जैली, आचार, फलों के जूस, कोल्ड ड्रिंक

आदि की बोतलों पर F.P.O. का निशान लगा होता है।

**4. एकमार्क** (Agmark)—यह भारत सरकार के कृषि विपणन विभाग द्वारा निर्धारित चिह्न है जिसे कृषि, बागवानी, वन और मवेशियों से प्राप्त उत्पादों के लिए प्रयोग किया जाता है। इस चिन्ह के प्रयोग से प्राकृतिक उत्पादों का मानक सुनिश्चित हो जाता है।

**5. वूलमार्क** (Wool mark)—यह प्रमाण चिन्ह उन ऊनी वस्त्रों पर इस्तेमाल होता है जो बढ़िया किस्म के शुद्ध ऊन से बने हों। यह मानक अंतर्राष्ट्रीय ऊन सचिवालय द्वारा निर्धारित किया जाता है।

**प्रश्न 21. व्यय की किन्हीं पाँच मदों को समझाइये।**

**उत्तर— व्यय की मदें**

**1. सामान व वस्तुओं पर खर्च**—हम अपने दिन-प्रतिदिन के जीवन में काम आने वाली विभिन्न प्रकार की वस्तुएँ, जैसे—साग-सब्जी, दूध, मछली, अनाज, टेलीविजन, रेडियो, फर्नीचर आदि पर व्यय करते हैं।

**2. सेवाओं पर व्यय**—बैंकिंग सेवाओं, डाक सेवाओं, परिवहन सेवाओं, संचार सेवाओं आदि में लाभ लेने के लिए भी हम इन पर पैसे खर्च करते हैं।

**3. त्यौहारों एवं उत्सवों पर खर्च**—हमारे दैनिक जीवन में अनेक अवसर ऐसे होते हैं जिसे हम बहुत ही हर्षोल्लास से मनाते हैं। इनमें जन्म-दिवस, शादी-विवाह, त्यौहार, वर्षगाँठ आदि हो सकते हैं।

**4. मनोरंजन पर खर्च**—अपने व्यस्त जीवन में कुछ राहत पाने के लिए हम किसी कार्यक्रम के माध्यम से अपना मनोरंजन करना चाहते हैं। इसके लिए हम फिल्म, नाटक, नृत्य कार्यक्रम, "कनिक, सैर-सपाटा या क्रिकेट देखने जाते हैं जिन पर हमारा धन खर्च होता है।

**5. स्वास्थ्य और शिक्षा पर व्यय**—व्यक्ति अपने आपको स्वस्थ रखने तथा बच्चों की शिक्षा आदि पर भी धन का व्यय करते हैं।

**अथवा**

**प्रश्न—रोजगार के चयन का महत्व समझाइये।**

**उत्तर— रोजगार के चयन का महत्व**

**1. मनुष्य की योग्यता एवं रुचि**—व्यक्ति अपनी योग्यता या रुचि के आधार पर रोजगार कार्य का चयन करता है। इससे वह कार्य को संचालित करने में सहुलियत महसूस करता है।

**2. देश के विकास में सहायक**—रोजगार का चयन एक महत्वपूर्ण कार्य है। सही रोजगार का चयन एक अच्छे समाज एवं विकसित राष्ट्र का निर्माण करने में सहायक होता है।

**3. सामाजिक आवश्यकताओं के अनुरूप**—रोजगार व्यक्ति की सामाजिक आवश्यकताओं एवं उनकी प्रतिष्ठा के अनुरूप होना चाहिए।

**4.** रोजगार से उसके एवं उसके आश्रितों का बीमा पृष्ठ में वृद्धि होनी चाहिए।

**प्रश्न 22. व्यवसाय का महत्व समझाइये।**

**उत्तर—व्यवसाय का महत्व—**

1. व्यवसाय से लोगों को रोजगार का अवसर प्राप्त होता है जिससे गरीबी एवं बेरोजगारी दूर होती है।

2. व्यवसाय से देश को विभिन्न प्रकार के करों की प्राप्ति होती है जिससे राष्ट्रीय आय

में वृद्धि होती है।

3. व्यवसाय के माध्यम से देश में उपलब्ध समस्त प्रकार के संसाधनों का पूर्ण उपयोग होता है।

4. व्यवसाय के कारण ही हमें देशी एवं विदेशी वस्तुओं के उपभोग का अवसर प्राप्त होता है।

5. व्यवसाय से उचित समय व उचित स्थान पर अच्छी किस्म की वस्तुओं की प्राप्ति होती है जिससे लोगों के जीवन-स्तर में सुधार आता है।

**अथवा**

**प्रश्न—व्यावसायिक वातावरण को प्रभावित करने वाले किन्हीं दो तत्वों का वर्णन कीजिए।**

**उत्तर—व्यावसायिक वातावरण को प्रभावित करने वाले तत्व—**

**1. आर्थिक तत्व**—लोगों के आय के स्तर में परिवर्तन, उधार पर ब्याज दर में परिवर्तन, पूँजी की उपलब्धता, कर अधिकार, वस्तुओं की माँग तथा आपूर्ति और सरकार की आर्थिक नीतियों में परिवर्तन आदि कुछ ऐसे तत्व हैं जिनका व्यावसायिक वातावरण पर प्रभाव पड़ता है। लोगों की आय का स्तर बढ़ने पर वस्तुओं एवं सेवाओं की मांग बढ़ जाती है तथा ऋण पर ब्याज दर कम होने पर स्थाई वस्तुओं जैसे कार, मकान आदि पर अधिक व्यय करने लगते हैं।

**2. सामाजिक तत्व**—समाज में रहने वाले लोगों की आदत, इच्छा तथा प्रथाओं के आधार पर वस्तुओं एवं सेवाओं की मांग निर्भर करती है। जनसंख्या में वृद्धि के साथ-साथ वस्तुओं की मांग भोजन तथा वस्तुओं की प्रकृति में काफी परिवर्तन आया है। अत: समाज व्यापार को प्रभावित करता है।

**प्रश्न 23. व्यवसाय में सम्प्रेषण के महत्व की विवेचना कीजिए।**

**उत्तर— व्यवसाय में सम्प्रेषण का महत्व**

**1. उत्पादों एवं सेवाओं की जानकारी**—व्यवसाय सम्प्रेषण के माध्यम से उपभोक्ताओं को अपनी उत्पादों एवं सेवाओं के बारे में जानकारी देते हैं।

**2. समय एवं धन की बचत**—सम्प्रेषण के माध्यम से कार्य आसान एवं शीघ्र हो जाता है जिससे व्यवसायी को समय एवं धन की बचत होती है।

**3. प्रबंध में सहायक**—व्यवसाय के विभिन्न विभागों के मध्य सूचनाओं के आदान-प्रदान में सम्प्रेषण साधन महत्वपूर्ण भूमिका अदा करते हैं। इससे व्यवसाय के प्रबन्ध करने में सहायता प्राप्त होती है।

**4. कर्मचारियों से मधुर सम्बन्ध**—प्रबंधन से कर्मचारियों तक सूचनाओं का प्रवाह तथा कर्मचारियों की बातें प्रबंधन तक सम्प्रेषण से पहुँचती है जिससे उनके मध्य सामंजस्य स्था"त होता है।

**5. निर्णय में सहायक**—सम्प्रेषण के आवश्यकता के समय शीघ्रता से निर्णय किया जा सकता है।

**अथवा**

**प्रश्न—आदर्श भण्डारगृह की विशेषताओं का वर्णन कीजिए।**

**उत्तर—आदर्श भण्डारगृह की विशेषताएँ—**

1. भण्डारगृह रेलवे-स्टेशन, राजमार्गों, हवाई अड्डों तथा समुद्र तटों पर स्थित होना चाहिए

ताकि वस्तुओं को आसानी से उतारा-चढ़ाया जा सके।

2. वस्तुओं को सुरक्षित रखने के लिए भण्डारगृह में पर्याप्त स्थान होना चाहिए।

3. शीघ्र ही नष्ट होने वाली वस्तुओं, जैसे—दूध, दही, मक्खन, अण्डा, फल आदि के लिए भण्डारगृहों में कोल्ड स्टोरेज की व्यवस्था होनी चाहिए।

4. धूप, वारिश, हवा, धूल, नमी, कीड़ों आदि से बचाव के लिए समुचित व्यवस्था होनी चाहिए।

5. वस्तुओं की चोरी को रोकने के लिए चौबीसों घण्टे पहरेदारी होनी चाहिए।

**प्रश्न 24. डाक सेवाओं का महत्व लिखिए।**

**उत्तर—** **डाक सेवाओं का महत्व**

**1. संचार का सस्ता साधन**—डाक सेवा अन्य संचार साधनों से सस्ता एवं सरल है।

**2. बचत को प्रोत्साहन**—निम्न एवं मध्यम आय वर्गों के लिए विभिन्न जमा योजनाओं के माध्यम से बचत को प्रोत्साहन मिलता है।

**3. कम दर पर धन का सुरक्षित स्थानांतरण**—पोस्टल आर्डर, मनीआर्डर के द्वारा हम धन को देश के एक कोने से दूसरे कोने तक सुरक्षित रूप से भेज सकते हैं।

**4. व्यापार को बढ़ावा**—डाकघर के माध्यम से व्यापार का विकास एवं विस्तार होता है। V.P.P. के माध्यम से माल विक्रय, व्यापारिक सौदों का संचार साधन, अन्य व्यापारिक गतिविधियों, जिसमें पूछताछ के पत्र, निर्ख पत्र, आदेश पत्र, भुगतान प्राप्ति आदि शामिल होने से व्यापार का विस्तार होता है।

**5. पत्राचार शिक्षा को बढ़ावा**—दूरस्थ ग्रामों में रहने वाले विद्यार्थियों को डाकघर पत्राचार के माध्यम से शिक्षा उपलब्ध कराता है।

**अथवा**

**प्रश्न—एक आदर्श व्यापारिक पत्र का नमूना दीजिए।**

**विद्यार्थी बुक डिपो**

**(पुस्तक एवं स्टेशनरी के विक्रेता)**

**तार**—'विद्यार्थी' 07, श्याम नगर

टेलीफोन नं. 47832 रायपुर

पत्र संख्या—31/13 दिनांक 20-05-20.....

प्रति,

अजय प्रकाशन

रायपुर (छ.ग.)

**विषय—पुस्तकों के आदेश विषयक।**

**सन्दर्भ**—पत्र क्रमांक 40, दिनांक 15 मई, 20.....

'य महोदय,

आपके पत्र के लिए धन्यवाद ! हमें अत्यधिक प्रसन्नता होगी कि आप मूल्य-सूची (निर्ख पत्र) के अनुसार हमें निम्न पुस्तक जग्गी गैरेज के माध्ये से भिजवाने का कष्ट करें।

| पुस्तक का नाम | लेखक | कक्षा | संख्या |
|---|---|---|---|
| बहीखाता एवं लेखाकर्म | श्री के. अजीत | 11वीं | 200 नग |
| बहीखाता एवं लेखाकर्म | श्री के. अजीत | 12वीं | 125 नग |
| वाणिज्य एवं प्रबंधक के मूल तत्व | श्री के. एल. गुप्ता | 11वीं | 200 नग |
| वाणिज्य एवं प्रबंध के मूल तत्व | श्री के. एल. गुप्ता | 12वीं | 125 नग |

उपरोक्त सभी पुस्तकों का नवीन संस्करण यथासम्भव तीन दिनों में भेजने की व्यवस्था करें।

वर्षा को ध्यान में रखते हुए माल की पैकिंग सावधानीपर्वूक करावें तथा बिल्टी कॉर्पोरेशन बैंक के माध्यम से भेजें।

आशा करता हूँ आप शीघ्र ही आदेशानुसार माल भेजने का प्रबंध करेंगे।

भवदीय
विद्यार्थी बुक डिपो के लिए
रवीन्द्र कुमार
(प्रोपराइटर)

**प्रश्न 25. बैंक एवं साहूकार में अंतर लिखिए।**

**उत्तर— बैंक एवं साहूकार में अंतर**

| क्र. | आधार | बैंक | साहूकार |
|---|---|---|---|
| 1. | अस्तित्व | बैंक व्यवस्थित संस्थान है। | साहूकार व्यक्ति होते हैं। |
| 2. | क्रियाकलाप | इसके क्रियाकलाप में निक्षेप स्वीकार करना एवं ऋण देना शामिल है। | निक्षेप स्वीकार करना इसके क्रियाकलाप में शामिल नहीं है। |
| 3. | ग्राहक | बैंक सामान्यतया जन साधरण तथा व्यवसायियों की आवश्यकताओं की पूर्ति करते हैं। | साहूकार सामान्यत: किसानों एवं गरीबों की वित्तीय आवश्यकताओं को पूरा करते हैं। |
| 4. | जमानत | बैंक जमानत के रूप में मूर्त तथा व्यक्तिगत जमानत माँगतेहैं। | ये प्राय: जेवरात या भूमि गिरवी रखकर ऋण प्रदान करते हैं। |
| 5. | ऋण वसूली की प्रक्रिया | इनकी ऋण वसूली की क्रिया लचीली होती है। | ऋण वसूली की प्रक्रिया सख्त तथा दृढ़ होती है। |
| 6. | ब्याज दर | इनकी ब्याज दर कम होती है। | इनकी ब्याज दर अपेक्षाकृत अधिक होती है। |

**अथवा**

**प्रश्न—प्रतिज्ञा पत्र एवं विनिमय विपत्र में अंतर लिखिए।**

**उत्तर—प्रतिज्ञा पत्र एवं विनिमय विपत्र में अंतर—**

| क्र. | प्रतिज्ञा पत्र | विनिमय विपत्र |
|---|---|---|
| 1. | यह शर्त रहित प्रतिज्ञा होती है। | यह शर्त रहित आज्ञा होती है। |
| 2. | इसमें दो पक्ष होते हैं—लेखक एवं प्राप्त-कर्त्ता। | इसमें तीन पक्ष होते हैं—लेखक, भुगतानकर्त्ता एवं भुगतान प्राप्तकर्त्ता। |
| 3. | यह ऋणी द्वारा लिखा जाता है। | यह ऋणदाता द्वारा लिखा जाता है। |
| 4. | इसमें स्वीकृति की आवश्यकता नहीं होती है। | इसमें भुगतानकर्त्ता की स्वीकृति आवश्यक है। |
| 5. | लेखक का दायित्व पूर्ण एवं प्राथमिक है। | भुगतान के सम्बन्ध में लेखक का दायित्व द्वितीयक एवं भुगतान नहीं पाने की स्थिति में सशर्त होता है। |

**प्रश्न 26. किसी भी वस्तु को खरीदते समय किन-किन बातों को ध्यान में रखना चाहिए ?**

**उत्तर**—वस्तु खरीदते समय निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखना चाहिए—

1. उत्पाद को भलीभाँति जाँचना।

2. उत्पाद की उपयोग विधि को भलीभाँति समझना।

3. आवश्यक उत्पादों में ISI मार्का लगा है या नहीं इस बात की जाँच करना।

4. उत्पाद खरीदते समय कैशमेमो लें जिसमें उत्पाद सम्बन्धित विवरण भी विक्रेता द्वारा लिखा जाए।

5. दीर्घकालीन सेवा प्रदान करने वाले उत्पाद, जैसे—टी. वी., फ्रिज, ए. सी. आदि की गारन्टी लेने के लिए गारन्टी या वारंटी कार्ड पर विक्रेता के हस्ताक्षर एवं सील लेवें।

**अथवा**

**प्रश्न—उपभोक्ता की शिकायतों को निपटाने की प्रक्रिया को समझाइये।**

**उत्तर**—एक उपभोक्ता या उपभोक्तओं का संघ फोरम में अपनी शिकायत दर्ज करा सकता है। शिकायतें उस फोरम पर दर्ज करायी जा सकती हैं जहाँ यह मामला हुआ या जहाँ विरोधी पक्ष रहता है या राज्य सरकार या केन्द्रशासित प्रदेश की सरकार द्वारा अधिसूचित राज्य आयोग के समक्ष, अथवा नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय आयोग के समक्ष दर्ज करायी जा सकती है। शिकायत दर्ज कराने का कोई शुल्क नहीं है। शिकायत शिकायतकर्त्ता या व्यक्तिगत रूप से उसके अधिकृत एजेंट द्वारा दर्ज करायी जा सकती है या डाक से भेजी जा सकती है। निम्नलिखित सूचनाओं के साथ शिकायत की पाँच प्रतियाँ जमाई कराई जानी चाहिए—

1. शिकायतकर्त्ता का नाम, पता और विवरण।

2. विरोधी पक्ष या पक्षों का नाम, पता और विवरण।

3. शिकायत से सम्बन्धित तिथि और यह जानकारी कि मामला कब और कहाँ हुआ ?

4. शिकायत में दर्ज आरोपों के समर्थन में दस्तावेज, यदि कोई हो तो (जैसे—कैशमेमो, रसीद आदि।)

5. यह ब्यौरा कि शिकायकर्ता किस तरह की राहत चाहता है ?

शिकायत पर शिकायतकर्त्ता या उसके अधिकृत प्रतिनिधि के हस्ताक्षर होने चाहिए। यह जिला फोरम, राज्य आयोग या राष्ट्रीय आयोग के अध्यक्ष को सम्बोधित होना चाहिए। कोई शिकायत, मामला उठने की तारीख से दो वर्ष की अवधि के भीतर दायर की जानी चाहिए।

**प्रश्न 27. स्वरोजगार के महत्व को समझाइये।**

**उत्तर—** **स्वरोजगार का महत्व**

**1. छोटे पैमाने के व्यापार का विस्तार**—जिस व्यक्ति के पास पूँजी की मात्रा कम होती है वे छोटे व्यवसाय प्रारम्भ करते हैं जिससे छोटे-छोटे उद्योग-धंधों का विकास एवं विस्तार होने लगता है।

**2. आय की प्राप्ति**—स्वरोजगार से व्यक्ति को लाभ के रूप में आय की प्राप्ति होती है।

**3. उद्यम का विकास**—स्वरोजगार में लगा हुआ व्यक्ति अपने व्यवसाय में सफल होना चाहता है। अत: वह अपने व्यवसाय के संचालन में नवीनता लाता है जिससे उद्यमी गुणों का विकास होने लगता है।

**4. सेवा की गुणवत्ता में वृद्धि**—स्वरोजगार में संलग्न व्यक्ति अपनी सेवा के माध्यम से ग्राहकों को संतुष्ट करने का भरपूर प्रयास करता है, इससे उसके रोजगार में वृद्धि होती है।

**5. बड़े रोजगार की ओर अग्रसर**—स्वरोजगार में संलग्न व्यक्ति प्रारम्भ में छोटा व्यवसाय करते हैं। धीरे-धीरे उनका व्यवसाय बढ़ता जाता है और एक समय बाद एक बड़ा व्यवसाय के रूप में सामने आता है।

**6. उच्च शिक्षा वाले के लिए अवसर**—स्वरोजगार के माध्यम से एक उच्च शिक्षा प्राप्त व्यक्ति को अपनी योग्यता एवं क्षमता के अनुसार स्वरोजगार अपनाने से आय की प्राप्ति होती है।

**अथवा**

**प्रश्न—उद्यमी के कार्यों को समझाइये।**

**उत्तर—उद्यमी के कार्य—**

**1. उद्यम अवसरों की पहचान करना—**एक सफल उद्यमी को व्यावसायिक सुअवसरों की पहचान करना चाहिए तथा सृजनात्मकता एवं नवीनता की ओर अग्रसर होना चाहिए।

**2. विचारों को क्रियान्वित करना**—एक उद्यमी को अपने विचारों को व्यावहारिक रूप प्रदान करना चाहिए। विभिन्न सूचनाओं को प्राप्त करते हुए लक्ष्य प्राप्ति की ओर बढ़ना चाहिए।

**3. संसाधनों को उपलब्ध कराना**—उद्यमी उत्पादन के विभिन्न संसाधनों श्रम, भूमि, पूँजी आदि की व्यवस्था करता है।

**4. उद्यम की स्थापना**—उद्यम की स्थापना करने हेतु आवश्यक सामग्री, भवन आदि के साथ-साथ कानूनी औपचारिकताओं जैसे लाइसेंस आदि प्राप्त करना उद्यमी का कार्य है।

**5. उद्यम का प्रबंध एवं संचालन**—विनियोजित पूँजी पर अधिकतम लाभ प्राप्त करने के लिए उद्यमी को व्यवसाय के लिए श्रम, माल, वित्त, माल का उत्पादन, उनका विपणन एवं वितरण करना पड़ता है।

**6. वृद्धि एवं विकास**—उद्यमी अपने व्यापार की वृद्धि एवं विकास के लिए सतत् प्रयत्नशील रहता है। उसे अपने लक्ष्य प्राप्ति के बाद भी संतुष्टि नहीं मिलती है बल्कि उत्कृष्टता की ओर सतत् प्रयत्नशील रहता है।

●

**निर्देश—**(i) सभी प्रश्न हल करना अनिवार्य है।

(ii) प्रश्न क्रमांक 1 में 10 अंक निर्धारित हैं। दो उपखण्ड हैं। खण्ड 'अ' में 5 बहु.

# छत्तीसगढ़ राज्य ओपन स्कूल परीक्षा

## सॉल्व्ड पेपर, दिसम्बर—2011

## कक्षा 10वीं

## विषय—व्यवसाय अध्ययन

**सेट—3**

**समय : 3 घंटे]** **[पूर्णांक : 100**

विकल्पीय प्रश्न तथा खण्ड 'ब' में 5 रिक्त स्थानों की पूर्ति अथवा उचित सम्बन्ध जोड़िए। प्रत्येक प्रश्न के लिए 1 अंक आबंटित है।

(iii) प्रश्न क्रमांक 2 से प्रश्न 9 तक अतिलघु उत्तरीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न पर 2 अंक आबंटित हैं। उत्तर की अधिकतम शब्द सीमा 30 शब्द है।

(iv) प्रश्न क्रमांक 10 से प्रश्न क्रमांक 15 तक लघु उत्तरीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न पर 3 अंक आबंटित हैं। उत्तर की अधिकतम शब्द सीमा 50 शब्द है।

(v) प्रश्न क्रमांक 16 से प्रश्न क्रमांक 21 तक लघु उत्तरीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न में आंतरिक विकल्प हैं और प्रत्येक प्रश्न पर 4 अंक आबंटित हैं। उत्तर की अधिकतम शब्द सीमा 75 शब्द है।

(vi) प्रश्न क्रमांक 22 से प्रश्न क्रमांक 25 तक दीर्घ उत्तरीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न में आतंरिक विकल्प हैं और प्रत्येक प्रश्न पर 5 अंक आबंटित हैं। उत्तर की अधिकतम शब्द सीमा 150 शब्द है।

(vii) प्रश्न क्रमांक 26 एवं प्रश्न क्रमांक 27 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न में आंतरिक विकल्प हैं और प्रत्येक प्रश्न पर 6 अंक आबंटित हैं। उत्तर की अधिकतम शब्द सीमा 250 शब्द है।

**(खण्ड—अ)**

**1. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिये :**

**(i)** व्यवसाय में स्वामी की देनदारी ..... होती है।
**उत्तर**—पूँजीगत।

**(ii)** महासागरीय परिवहन से ..... व्यापार को बढ़ावा मिलता है।
**उत्तर**—अंतर्राष्ट्रीय।

**(iii)** संदेश भेजने वाले व्यक्ति को ..... कहते हैं।
**उत्तर**—प्रेषक।

**(iv)** भारतीय रिजर्व ..... बैंक है।
**उत्तर**—केन्द्रीय।

**(v)** सामान या वस्तुओं को सीधे ही ग्राहकों को ..... मात्रा में बेचना फुटकर व्यापार कहलाता है।

**उत्तर**—थोड़ी।

**(खण्ड—ब)**

**सत्य/असत्य लिखिए :**

**(i)** एक उत्तरदायी उपभोक्ता वह है जो अपने हितों की स्वयं रक्षा करने का प्रयत्न करता है।

**उत्तर**—सत्य।

**(ii)** गारण्टी अवधि के दौरान वस्तुओं का ध्यान से उपयोग करने की आवश्यकता नहीं है।

**उत्तर**—असत्य।

**(iii)** बचत देश के आर्थिक विकास में बाधक है।

**उत्तर**—असत्य।

**(iv)** सरकारी बॉण्ड सुरक्षित निवेश के अंतर्गत नहीं आता है।

**उत्तर**—असत्य।

**(v)** एक सोनार का कार्य स्वरोजगार की श्रेणी में नहीं आता ।

**उत्तर**—असत्य।

**प्रश्न 2. मनुष्य की आर्थिक क्रियाएँ क्या हैं ?**

**उत्तर**—मनुष्य द्वारा धनोपार्जन के उद्देश्य से किया गया कार्य आर्थिक क्रियाएँ कहलाती हैं।

**प्रश्न 3. साझेदारी की परिभाषा लिखिए।**

**उत्तर**—साझेदारी दो या दो से अधिक व्यक्तियों का समूह है जो किसी व्यापार के लाभ को आपस में बाँटने के लिए एकत्र एवं सहमत होते हैं जो उनके द्वारा या उन सबकी ओर से किसी एक के द्वारा चलाया जाता है।

**प्रश्न 4. सहकारी समिति का अर्थ लिखिए।**

**उत्तर**—ऐसे व्यक्ति जो समान आर्थिक उद्देश्यों की पूर्ति के लिए साथ मिलकर काम करने हेतु समूह का निर्माण कर लेते हैं। इसे ही सहकारी समिति कहते हैं। इसका मुख्य उद्देश्य सेवा होता है।

**प्रश्न 5. स्पीड-पोस्ट को समझाइये।**

**उत्तर**—डाक विभाग की वह सेवा जिसमें वह हमारे पत्र, पार्सल आदि को शीघ्र ही निश्चित समय में पहुँचाने की गारंटी देता है तो उसे स्पीड पोस्ट कहते हैं।

**प्रश्न 6. ई-बैंकिंग क्या है ?**

**उत्तर**—बैंक एवं ग्राहकों के मध्य इंटरनेट के माध्यम से बैंक सम्बन्धी लेन-देन को ई-बैंकिंग कहते हैं।

**प्रश्न 7. बीमा को परिभाषित कीजिए।**

**उत्तर**—जब बीमाकर्ता एक निश्चित प्रीमियम के बदले किसी घटना के घटित होने पर बीमित को क्षतिपूर्ति की गारण्टी देता है तो इसे बीमा कहते हैं।

**प्रश्न 8. विज्ञापन के किन्हीं दो उद्देश्यों को लिखिए।**

**उत्तर—विज्ञापन के उद्देश्य—**

**1. विक्रय बढ़ाना**—विज्ञापन का मुख्य उद्देश्य वस्तु एवं सेवाओं की विक्रय में वृद्धि करना है।

**2. नए उत्पाद की मांग बढ़ाना**—विज्ञापन नई वस्तु की मांग में वृद्धि करता है। जब उपभोक्ता विज्ञापन में नई वस्तु देखता है तो उसकी मांग करने लगते हैं।

**प्रश्न 9. विक्रय संवर्द्धन की परिभाषा दीजिए।**

**उत्तर**—नये उत्पाद को बाजार में उतारने, नये उपभोक्ताओं को आकर्षित करने, वर्तमान

उपभोक्ताओं को बनाये रखने तथा प्रतियोगिता का सामना करने के लिए अभिप्रेरणात्मक क्रियाएँ, जैसे-नमूनों का वितरण, उपहार, छूट, कूपन, बोनस आदि के माध्यम से विक्रय में वृद्धि करना विक्रय संवर्द्धन कहलाता है।

**प्रश्न 10. आर्थिक एवं अनार्थिक क्रिया में तीन अंतर लिखिए।**

**उत्तर—आर्थिक एवं अनार्थिक क्रिया में अंतर—**

| आर्थिक क्रिया | अनार्थिक क्रिया |
|---|---|
| 1. धनोपार्जन हेतु की गई क्रिया आर्थिक क्रिया कहलाती है। | वह क्रिया जिससे धन प्राप्त नहीं होता है उसे अनार्थिक क्रिया कहते हैं। |
| 2. इसका उद्देश्य धन प्राप्त करना होता है। | इसका उद्देश्य समाज की सेवा होता है। |
| 3. इससे धन और सम्पत्ति में वृद्धि होती है। | इससे मान"क संतुष्टि और प्रसंशा मिलती है। |

**प्रश्न 11. एकाकी व्यापार के तीन लाभ लिखिए।**

**उत्तर—एकाकी व्यापार के लाभ—**

**1. सुगम स्थापना एवं अंत**—एकाकी व्यापार को आसानी से बिना किसी वैधानिक औपचारिकता को पूरा किये ही स्थापित एवं विस्था"त किया जा सकता है।

**2. गोपनीयता**—एकाकी व्यापार के समस्त कार्य उसके स्वामी द्वारा किया जाता है अत: व्यावसायिक गतिविधियों की जानकारी केवल उसे ही होती है तथा व्यापार में इसी कारण गोपीनयता बनी रहती है।

**3. मितव्ययिता**—एकाकी व्यापारी अपने साधनों का उपयोग बड़ी सावधानी से करता है जिससे व्यापार के संचालन में व्यय कम होता है।

**प्रश्न 12. परिवहन का महत्व लिखिए।**

**उत्तर—परिवहन का महत्व—**

**1. कच्चे माल की उपलब्धता**—परिवहन के माध्यम से उत्पादकों एवं निर्माताओं को उत्पादन हेतु कच्चे माल की प्राप्ति होती है।

**2. उपभोक्ताओं को वस्तुओं की उपलब्धता**—परिवहन के द्वारा ही निर्माताओं से उप. भोक्ताओं तक वस्तुओं को पहुँचाया जाता है।

**3. रोजगार में वृद्धि**—परिवहन के क्षेत्र में आज अनेक लोग लगे हुए हैं जिससे उन्हें आजीविका की प्राप्ति होती है।

**प्रश्न 13. चालू खाते की क्या उपयोगिता है ?**

**उत्तर**—व्यावसायिक संस्थाओं, कार्यालयों, एकल कॉलेज आदि के द्वारा चालू खाते को उपयोग किया जाता है। चालू खाते दिन में कितनी भी राशि जमा एवं आहरण की जा सकती है। इसे खाते में चेक बुक की सुविधा प्रदान की जाती है। इसमें बैंक अपने ग्राहकों को अधिविकर्ष की सुविधा देती है।

**प्रश्न 14. फुटकर व्यापारी की तीन विशेषताएँ लिखिए।**

**उत्तर—फुटकर व्यापारी की विशेषताएँ—**

**1. उपभोक्ता से प्रत्यक्ष सम्पर्क**—फुटकर व्यापारियों का उपभोकताओं से प्रत्यक्ष सम्पर्क होता है अत: ये उनकी रुचि एवं फैशन के बारे में जानते हैं।

**2. कम पूँजी की आवश्यकता**—फुटकर व्यापार प्रारम्भ करने के लिए अधिक मात्रा में पूँजी की आवश्यकता नहीं होती है। यह कम पूँजी से भी प्रारम्भ किया जा सकता है।

**3. क्रय-विक्रय की मात्रा**—फुटकर व्यापारी थोक व्यापारी से थोड़ी-थोड़ी मात्रा में वस्तुओं का क्रय करते हैं तथा थोड़ी-थोड़ी मात्रा में उपभोक्ताओं को बेचते हैं।

**प्रश्न 15. सुपर-बाजार का क्या अर्थ है ?**

**उत्तर**—सुपर बाजार उपभोक्ताओं का बड़े पैमाने का सहकारी भण्डार है जिसमें बड़ी मात्रा में अनेक प्रकार की वस्तुओं का विक्रय एक ही छत के नीचे किया जाता है। इससे मध्यस्थों का बहिष्कार होता है।

**प्रश्न 16. प्रदूषण के प्रकारों को समझाइये।**

**उत्तर—प्रदूषण के प्रकार—**

**1. वायु प्रदूषण**—जब हवा में ऐसी अवांछित गैसों, धूल के कणों आदि की उपस्थिति, जो लोगों तथा प्रकृति दोनों के लिए खतरे का कारण बन जाती है तो इसे वायु प्रदूषण कहते हैं।

**2. जल प्रदूषण**—जल प्रदूषण का अर्थ है पानी में अवांछित तथा घातक तत्वों की उप. स्थिति से पानी का दूषित हो जाना, जिससे पानी पीने योग्य नहीं रहता।

**3. भूमि प्रदूषण**—भूमि प्रदूषण से अभिप्राय जमीन पर जहरीले, अवांछित और अनुपयोगी पदार्थों को भूमि में विसर्जित करने से है।

**अथवा**

**प्रश्न—उद्योगों के प्रकारों को समझाइये।**

**उत्तर—उद्योगों के प्रकार—**

**1. प्राथमिक उद्योग**—प्राथमिक उद्योग से आशय ऐसे उद्योग से है जिसमें प्राकृतिक संसाधनों को कच्चे माल के रूप में प्रयोग किया जाता है तथा उपभोक्ताओं के उपयोग के लायक माल का उत्पादन करते हैं। इन्हें दो भागों (1) निष्कर्षण उद्योग एवं जननिक उद्योग में बाँटा जाता है।

**2. द्वितीयक उद्योग**—द्वितीयक उद्योग वे उद्योग हैं, जिनमें प्राथमिक उद्योग में तैयार माल से वस्तुओं का उत्पादन एवं निर्माण किया जाता है। इन उद्योगों में प्राथमिक उद्योगों के तैयार माल को कच्चे माल के रूप में उपयोग किया जाता है तथा उनसे हमारे उपयोग लायक विभिन्न वस्तुएँ बनाई जाती हैं।

**3. तृतीयक उद्योग**—वे उद्योग जो उपभोक्ता के लिए सेवाएँ उपलब्ध कराते हैं, उन्हें तृतीयक उद्योग कहते हैं। जैसे—चिकित्सा, नर्सिंग, शिक्षण, परिवहन, बीमा बैंकिंग सेवाएँ आदि।

**प्रश्न 17. साझेदारी की विशेषताएँ लिखिए। (कोई 4)**

**उत्तर—साझेदारी की विशेषताएँ—**

**1. दो या अधिक व्यक्ति का होना**—साझेदारी की स्थापना के लिए दो या अधिक व्यक्ति का होना आवश्यक है। साधारण व्यवसाय की दशा में अधिकतम 20 तथा बैंकिंग व्यवसाय की दशा में 10 सदस्य हो सकते हैं।

**2. समझौता या ठहराव होना**—साझेदारी का जन्म समझौते से होता है। साझेदारों के मध्य किसी व्यवसाय को कराना, उसमें पूँजी लगाना तथा उनके लाभ-हानि को बाँटने का ठहराव होना आवश्यक है।

**3. वैध व्यवसाय**—साझेदारी व्यवसाय का वैध होना आवश्यक है, अवैध व्यापार की दशा में साझेदारी समाप्त हो जाती है।

**4. पंजीयन का ऐच्छिक होना**—साझेदारी का पंजीयन ऐच्छिक होता है किन्तु पंजीयन से होने वाले लाभ को प्राप्त करने के लिए पंजीयन कराना अनिवार्य है।

**अथवा**

**साझेदारी व्यापार के दोषों को लिखिए। (कोई 4)**

**उत्तर—साझेदारी व्यापार के दोष—**

**1. असीमित दायित्व**—साझेदारों का दायित्व असीमित होता है। व्यवसाय में हानि की दशा में व्यवसाय में लगे उसके पूँजी के अतिरिक्त उसकी व्यक्तिगत सम्पत्ति का भी उपयोग किया जा सकता है।

**2. अस्थाई अस्तित्व**—साझेदारी का अस्तित्व अस्थाई होता है अर्थात् किसी साझेदार की मृत्यु, दिवालिया या पागल हो जाने पर साझेदारी समाप्त हो जाती है।

**3. सीमित पूँजी**—साझेदारी व्यवसाय में पूँजी की मात्रा सीमित होती है क्योंकि पूँजी की अतिरिक्त आवश्यकता को पूरा करने के लिए अधिकतम संख्या से अधिक साझेदार नहीं रखे जा सकते हैं।

**4. हित हस्तांतरण नहीं**—एक साझेदार, अपने हितों का हस्तांतरण तब तक नहीं कर सकता है जब तक कि शेष साझेदारों की सहमति न हो।

**प्रश्न 18. किसी वस्तु को क्रय करने की विभिन्न पद्धतियों को समझाइये।**

**उत्तर—वस्तु क्रय करने की पद्धतियाँ—**

**1. निरीक्षण द्वारा श्रम**—किसी वस्तु को पूरी तरह से जाँच-परखकर क्रय करना निरीक्षण द्वारा क्रय कहलाता है। यह क्रय करने का सबसे प्रचलित तरीका है।

**2. नमूना परीक्षण द्वारा क्रय**—जब हम किसी वस्तु के नमूने के परीक्षण के द्वारा क्रय करने का निर्णय लेते हैं तो उसे परीक्षण द्वारा क्रय कहते हैं। ऐसा हम तब करते हैं जब हम बड़ी मात्रा में वस्तु खरीदते हैं।

**3. उत्पादकता ब्राण्ड या विवरण द्वारा क्रय**—क्रेता द्वारा जब वस्तु का ब्राण्ड, नाम या विवरण के द्वारा ही वस्तु खरीदी जाती है तो उसे उत्पाद का ब्राण्ड या विवरण द्वारा क्रय कहते हैं।

**अथवा**

**बहुसंख्यक दुकानों से होने वाले चार लाभों का उल्लेख कीजिए।**

**उत्तर—बहुसंख्यक दुकानों के लाभ—**

**1. सरल पहचान**—सभी बहुसंख्यक दुकानें एक-सी बनी होती हैं तथा उनकी सजावट भी समान होती है जिससे उन्हें आसानी से पहचाना जा सकता है।

**2. मध्यस्थों की समाप्ति**—बहुसंख्यक दुकानों के स्वामी सीधे उत्पादकों एवं निर्माताओं से वस्तुएँ खरीदते हैं जिससे मध्यस्थों की समाप्ति हो जाती है।

**3. सस्ता दाम**—मध्यस्थों की समाप्ति के कारण ग्राहकों को कम दाम पर अच्छी वस्तुएँ मिल जाती हैं।

**4. केवल नकद विक्रय**—इन दुकानों पर बिक्री पूर्णत: नकद होती है अत: ऋणों से हानि होने की सम्भावना नहीं होती है।

**प्रश्न 19. वैयक्तिक विक्रय के आवश्यक तत्वों को लिखिए। (कोई 4)**

**उत्तर—वैयक्तिक विक्रय के आवश्यक तत्व—**

**1. परस्पर क्रिया**—वैयक्तिक विक्रय में विक्रयकर्त्ता व भावी क्रेता के बीच आमने-सामने बात होनी आवश्यक है।

**2. विक्रय संवर्द्धन**—वैयक्तिक विक्रय का अंतिम लक्ष्य अपनी बिक्री बढ़ाना है तथा अधिक से अधिक ग्राहकों को अपने उत्पाद के प्रयोग के लिए प्रोत्साहित करना है।

**3. सूचना प्रदान करना**—वैयक्तिक विक्रय ग्राहकों को उत्पाद के विषय में विस्तृत सूचना उपलब्ध कराता है।

**4. प्रेरित करना**—वैयक्तिक विक्रय में विक्रेता को वस्तु को बेचने के लिए भावी क्रेता को प्रेरित करना पड़ता है अत: विक्रयकर्त्ता को इतना सक्षम होना चाहिए कि वह ग्राहक में अपनी वस्तु को पसंद करने की इच्छा को जाग्रत कर सके।

**अथवा**

**वैयक्तिक विक्रय में लगे विक्रयकर्ता के गुणों को लिखिए। (कोई 4)**

**उत्तर—वैयक्तिक विक्रय में लगे विक्रयकर्त्ता के गुण—**

**1. शारीरिक योग्यता**—विक्रयकर्त्ता को शारीरिक रूप से स्वस्थ एवं सुन्दर होना चाहिए, साथ ही उनका व्यक्तित्व प्रभावी होना चाहिए।

**2. बौद्धिक एवं मानसिक योग्यता**—एक अच्छे विक्रयकर्त्ता में आत्मविश्वास, कल्पनाशक्ति, पहल क्षमता, तीव्र स्मरण शक्ति, सतर्कता जैसे बौद्धिक एवं मानसिक योग्यताएँ भी होनी चाहिए।

**3. सच्चरित्रता**—एक अच्छे विक्रयकर्त्ता को ईमानदार, सद्चरित्र होना चाहिए ताकि वह उपभोक्ताओं का विश्वास जीत सके।

**4. उत्पाद की पूर्ण जानकारी**—विक्रयकर्त्ता को उत्पाद तथा उसकी कम्पनी, गुण, प्रयोग विधि, सावधानियों आदि के सम्बन्ध में पूर्ण जानकारी होनी चाहिए ताकि वे उपभोक्ताओं को इससे अवगत करा सकें।

**प्रश्न 20. किसी वस्तु को खरीदने के निर्णय को प्रभावित करने वाले कारणों को लिखिए। (कोई 4)**

**उत्तर—वस्तु के क्रय को प्रभावित करने वाले तत्व—**

**1. क्रय शक्ति**—व्यक्ति की क्रयशक्ति वस्तु को खरीदने के निर्णय को प्रभावित करती है। एक व्यक्ति अपनी आय की क्षमता के आधार पर ही वस्तुओं को खरीद सकता है।

**2. विज्ञापन**—वस्तु के विक्रय को बढ़ाने हेतु विज्ञापन किया जाता है। अत: विज्ञापन वस्तु को खरीदने के निर्णय को प्रभावित करता है।

**3. सामाजिक प्रतिष्ठा**—व्यक्ति समाज में प्रतिष्ठा बनाने के लिए अच्छी कम्पनी के ब्राण्डेज जूते, कपड़े, मोटर साइकिल, कार आदि रखता है। अत: यह कहा जा सकता है कि सामाजिक प्रतिष्ठा भी वस्तु के क्रय निर्णय को प्रभावित करता है।

**4. उत्पादक और सेवाओं की उपलब्धता**—अधिकांश व्यक्ति उन्हीं वस्तुओं को क्रय करते हैं जो सुगमता से उपलब्ध हो जाते हैं। उदाहरणार्थ—हमें लक्स साबुन खरीदना है तो यह हर जगह आसानी से उपलब्ध हो जाता है।

**अथवा**

**प्रश्न—मानक चिन्ह क्या है ? किन्हीं चार मानक चिन्हों को समझाइये।**

**उत्तर—मानक चिन्ह का अर्थ**—उत्पादक द्वारा उत्पादित वस्तु की शुद्धता को दर्शाने के लिए जिस विशेष चिन्ह का प्रयोग किया जाता है उसे मानक चिन्ह कहते हैं।

**मानक चिन्ह के प्रकार—**

**1. आई. एस. आई. (ISI)**—यह भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा प्रदत्त चिन्ह है, जिसका अर्थ यह है कि यह चिन्ह जिन उत्पादों पर लगा होता है वह गुणवत्ता के न्यूनतम स्तर पर खरे उतरे हैं । यह चिन्ह बिजली के सामान, सीमेंट, बोतल बंद पानी, कागज, रंग, बिस्किट, शिशु आहार आदि में पाये जाते हैं।

**2. वूलमार्क**—यह प्रमाण चिन्ह उन ऊनी वस्त्रों पर इस्तेमाल होता है जो बढ़िया किस्म के शुद्ध ऊन से बने हों। यह मानक अंतर्राष्ट्रीय ऊन सचिवालय द्वारा निर्धारित किया जाता है।

**3. एगमार्क**—यह भारत सरकार के कृषि विपणन विभाग द्वारा निर्धारित चिन्ह है जिसे कृषि, बागवानी, वन और मवेशियों से प्राप्त उत्पादों के लिए प्रयोग किया जाता है। इस चिन्ह से प्राकृतिक उत्पादों का मानक सुनिश्चित होता है। यह चिन्ह तेल, अनाज, दाल, मसालों आदि में पाया जाता है।

**4. एफ. पी. ओ.**—यह चिन्ह फलों, सब्जियों जैसे उत्पादों की गुणवत्ता की रक्षा के लिए तैयार किया गया मानक है। एफ.पी.ओ. (F.P.O.) का पूरा नाम फूड प्रोडक्ट आर्डर अर्थात् फलों

से बने उत्पादों से सम्बन्धित है। यह निशान जैम, जैली, अचार, फलों के जूस, कोल्ड ड्रिंक आदि की बोतलों में पाये जाते हैं।

**प्रश्न 21. स्वरोजगार की सफलता के आवश्यक गुणों को लिखिए। (कोई 4)**

**उत्तर—स्वरोजगार की सफलता हेतु आवश्यक गुण—**

**1. बौद्धिक योग्यता**—व्यक्ति में व्यवसाय के उिचत अवसरों को जानने, समझने तथा उसके सम्बन्ध में निर्णय लेने की बौद्धिक योग्यता होना आवश्यक है।

**2. व्यवसाय का ज्ञान**—व्यक्ति जिस प्रकार का व्यवसाय करना चाहता है उसे उस व्यवसाय का पूर्ण ज्ञान होना चाहिए ताकि व्यवसाय बिना रुकावट के संचालित हो सके।

**3. आत्मविश्वास**—व्यवसाय में उतार-चढ़ाव आता ही रहता है। अत: स्वरोजगार में लगे व्यक्ति को संयम तथा धैर्य बनाये रखकर अपने आप में आत्मविश्वास रखना चाहिए।

**4. सम्बन्धित कानूनों का ज्ञान**—व्यक्ति जिस व्यवसाय को संचालित कर रहा है उस व्यवसाय से सम्बन्धित कानूनी नियमों की जानकारी उसे होनी चाहिए।

**अथवा**

**प्रश्न—स्वरोजगार का महत्व लिखिए।**

**उत्तर—स्वरोजगार का महत्व—**

**1. छोटे पैमाने के व्यापार का विस्तार**—जिस व्यक्ति के पास कम मात्रा में पूँजी होती है वे छोटे व्यवसाय प्रारम्भ करते हैं जिससे छोटे पैमाने के उद्योगों का विकास एवं विस्तार होता है।

**2. रोजगार में वृद्धि**—स्वरोजगार में लगे व्यक्ति को रोजगार प्राप्त होता है जिससे देश में बेरोजगारी की मात्रा कम होती है।

**3. बड़े व्यवसाय की ओर अग्रसर**—स्वरोजगार में व्यक्ति छोटा व्यवसाय करता है तथा जब उसका व्यवसाय बढ़ता जाता है तो वह बड़े व्यवसाय का रूप धारण कर लेता है।

**4. उद्यम का विकास**—स्वरोजगार अपनाने से व्यक्ति में उद्यमी गुणों का विकास होने लगता है तथा देश में उद्यमिता का विकास होता हे।

**प्रश्न 22. व्यावसायिक वातावरण के राष्ट्रीय उद्देश्यों को समझाइये।**

**उत्तर—व्यावसायिक वातावरण का राष्ट्रीय उद्देश्य—**

**1. रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना**—व्यवसाय का सबसे महत्वपूर्ण राष्ट्रीय उद्देश्य लोगों को लाभदायक रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना है।

**2. सामाजिक न्याय को बढ़ाना**—एक आदर्श व्यवसायी वही है जो देश के अर्थात् समाज के सभी व्यक्तियों से समानता का व्यवहार करता है तथा समाज के "छड़े व कमजोर लोगों पर विशेष ध्यान देता है।

**3. राष्ट्र की आवश्यकतानुरूप उत्पादन करना**—प्रत्येक व्यावसायिक इकाई को देश की आवश्यकता एवं क्षमता के अनुसार वस्तुओं एवं सेवाओं का उत्पादन करना चाहिए तथा कम कीमत पर वस्तुएँ उपलब्ध कराने का प्रयास करना चाहिए।

**4. राजस्व में योगदान**—व्यवसाय स्वामियों को चाहिए कि वे करों एवं बकाया का भुगतान ईमानदारी से समय पर करें। इससे सरकार के राजस्व में वृद्धि होती है तथा जिसका उपयोग विकास कार्यों के लिए किया जाता है।

**5. आत्म निर्भरता तथा निर्यात को बढ़ावा**—देश को आत्मनिर्भर बनाने में व्यावसायिक इकाइयों को अपना योगदान देना चाहिए। वे वस्तुओं के आयात को रोकें तथा निर्यात को बढ़ावा देवें।

**अथवा**

**प्रश्न—व्यावसायिक वातावरण के आर्थिक उद्देश्यों को समझाइये।**

**उत्तर—व्यावसायिक वातावरण के आर्थिक उद्देश्य—**

**1. लाभ कमाना**—लाभ किसी भी व्यवसाय की जीवनदायनी शक्ति है। अत: व्यवसाय का प्रथम उद्देश्य लाभ कमाना होता है। बिना लाभ के व्यवसाय का संचालन नहीं किया जा सकता है।

**2. ग्राहक बनाना**—नये-नये ग्राहक बनाकर कोई भी व्यवसाय अपने लाभ में वृद्धि कर सकता है। उच्च गुणवत्ता वाली वस्तुओं एवं सेवाओं का उचित मूल्य लेकर ग्राहकों की संख्या में वृद्धि कर सकता है।

**3. नियमित प्रवर्तन**—नव प्रर्वतन का आशय नये-नये परिवर्तन करने से है। वस्तुओं के रूप, मूल्य व गुण में आधुनिकता तथा परिवर्तन लाना प्रवर्तन है। नवप्रवर्तन से ग्राहक आकर्षित होता है तथा लाभ में वृद्धि होती है।

**4. संसाधनों का श्रेष्ठतम उपयोग—** कोई भी व्यवसाय उपलब्ध मानव, माल, मशीन, मुद्रा, मेथड का श्रेष्ठतम अपयोग कर अपने लाभ में वृद्धि कर सकता है। संसाधनों की उपलब्धता सीमित होती है।

**प्रश्न 23. भण्डारगृहों के प्रकारों को समझाइये—**

**उत्तर—भण्डारगृह के प्रकार—**

**1. निजी भण्डारगृह**—जो भण्डारगृह उत्पादकों अथवा निर्माताओं द्वारा अपने उत्पादों को संरक्षण हेतु चलाया जाता है उसे निजी भण्डारगृह कहते हैं।

**2. सार्वजनिक भण्डारगृह**—जिन भण्डारगृहों का निर्माण आम जनता के उपयोग के लिए अथवा सार्वजनिक भण्डारों के लिए किया जाता है उन्हें सार्वजनिक भण्डारगृह कहते हैं।

**3. सरकारी भण्डारगृह**—जिन भण्डारगृहों का स्वामित्व, प्रबंधन आदि केन्द्र अथवा राज्य सरकार, सार्वजनिक निगमों, स्थानीय निकायों आदि के हाथों में होता है उसे सरकारी भण्डारगृह कहते हैं।

**4. सहकारी भण्डारगृह**—ऐसे भण्डारगृहों का स्वामित्व, प्रबंध तथा नियंत्रण सहकारी समिति के हाथों में होता है। इनमें समिति के सदस्यों को किफायती दर पर भण्डारण की सुविधा उपलब्ध होती है।

**5. बंधक भण्डारगृह**—आयातित माल का आयात कर जब तक नहीं चुकाया जाता है तब तक उन्हें एक अलग से भण्डारगृह में रखा जाता है। ऐसे भण्डारगृहों को बंधक भण्डारगृह कहते हैं। आयात कर के भुगतान के बाद आयात अपने माल को निकाल सकता है।

**अथवा**

**प्रश्न—भण्डार की आवश्यकता समझाइये।**

**उत्तर—भण्डार की आवश्यकता—**

**1. मौसमी उत्पादन**—अलग-अलग मौसम में अलग-अलग वस्तुओं का उत्पादन होता है जिन्हें सालभर सुरक्षित रखने के लिए भण्डारगृह की आवश्यकता होती है।

**2. मौसमी माँग**—कुछ वस्तुएँ ऐसी होती हैं जिनका उत्पादन साल भर होता है किन्तु उसकी माँग किसी मौसम विशेष में होती है जैसे ठण्ड में ऊनी कपड़ों की माँग। इस उत्पादन के भण्डारण की आवश्यकता होती है।

**3. बड़े पैमाने पर उत्पादन**—भविष्य की आवश्यकताओं को देखते हुए बड़े पैमाने पर उत्पादन किया जाता है अत: इतनी भारी संख्या में उत्पादित वस्तुओं का भण्डारण करना आवश्यक हो जाता है।

**4. तुरन्त आपूर्ति**—देश के सभी हिस्सों में वस्तुओं की तुरंत आपूर्ति के लिए वस्तुओं के भण्डारण की आवश्यकता होती है।

**5. मूल्य में स्थायित्व—**वस्तुओं के मूल्य में स्थायित्व के लिए भी भण्डारण की आवश्यकता होती है क्योंकि वस्तुएँ कम होने पर उनके मूल्य में वृद्धि की सम्भावना बनी रहती है।

**प्रश्न 24. बैंक के प्राथमिक कार्यों को समझाइये।**

**उत्तर—बैंक के प्राथमिक कार्य—**

**1. जमा स्वीकारना**—बैंक का सबसे महत्वपूर्ण कार्य जनता से उनकी बचत को जमा के रूप में स्वीकार करना है। इस पर बैंक निर्धारित दर से ब्याज देती है।

**2. ऋण तथा अग्रिम प्रदान करना**—बैंकों का दूसरा कार्य व्यवसायियों तथा जरूरतमंद व्यक्तियों को उनकी आवश्यकतानुसार ऋण एवं अग्रिम के रूप में धन उपलब्ध कराना है।

**3. अधिविकर्ष सुविधा**—जब बैंक अपने ग्राहक को उसके खाते में जमा रकम से अधिक राशि निकालने की सुविधा देता है तो उसे अधिविकर्ष कहते हैं।

**4. बिल भुनाना**—बैंक व्यापारिक बिलों को समय से पूर्व भुगतान करने की सुविधा भी देता है, इसमें बैंक निश्चित दर पर ब्याज काटता है।

**5. अग्रिम**—बैंक अपने विश्वसनीय ग्राहकों को अल्पावधि के लिए अग्रिम रूप में राशि प्रदान करता है, अग्रिम के अंतर्गत नकद साख, अधिविकर्ष, बिलों का भुगतान आदि शामिल है।

**अथवा**

**प्रश्न—बैंकों के प्रकारों को समझाइये।**

**उत्तर—बैंकों के प्रकार—**

**1. केन्द्रीय बैंक**—देश के बैंकिंग प्रणाली का नियमन एवं उसे निर्देशन प्रदान करने वाला बैंक केन्द्रीय बैंक कहलाता है। हमारे देश में भारतीय रिवर्ज बैंक केन्द्रीय बैंक है।

**2. वाणिज्यिक बैंक**—वाणिज्यिक बैंक एक ऐसी वित्तीय संस्था है जहाँ जनता से जमा स्वीकार की जाती है तथा उन्हें अल्पकालीन ऋण या अग्रिम प्रदान किया जाता है।

**3. विकास बैंक**—ये बैंक औद्योगिक व्यवसायों के विस्तार के लिए नई तकनीकी एवं आधुनिक मशीनों को क्रय करने के लिए दीर्घकालीन वित्तीय सहायता प्रदान करती है। इनके प्रकार हैं—औद्योगिक वित्त निगम राज्य वित्त निगम आदि।

**4. सहकारी बैंक**—अपने हितों को संयुक्त रूप से पूरा करने के लिए जिस बैंक की स्थापना हुई वह सहकारी बैंक है। यह बैंक रिजर्व बैंक ऑफ इण्डिया से अनुमति लेकर सहकारी बैंक समिति के रूप में कार्य कर सकती है।

**5. विशिष्ट बैंक**—हमारे देश में कुछ ऐसे भी बैंक स्थापित हैं जिनका कार्य विशिष्ट प्रकार का है। सिडनी बैंक, नाबार्ड बैंक आदि इसके अंतर्गत आते हैं।

**प्रश्न 25. डाक सेवाओं के प्रकारों का वर्णन कीजिए।**

**उत्तर—डाक सेवाओं के प्रकार—**

**1. डाक पत्र सेवा**—भारतीय डाक विभाग हमें राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर डाक पत्र सेवा उपलब्ध कराती है। यह डाक सेवा मुख्य कार्य है।

**2. पोस्टकार्ड**—पोस्टकार्ड लिखित सम्प्रेषण का सबसे सरल व सस्ता साधन है। यह दो प्रकार का होता है—(i) साधारण पोस्ट कार्ड, (ii) प्रतियोगिता पोस्टकार्ड।

**3. जवाबी पोस्टकार्ड**—इस प्रकार के पोस्टकार्ड संदेश पत्र के साथ लगाया जाता है। संदेश पत्र का प्राप्तकर्त्ता इस कार्ड को संदेश प्राप्त करने के पश्चात् पत्र भेजने वाले के पास वापस भेजता है जो यह प्रदर्शित करता है कि हमारा संदेश सही व्यक्ति को मिल गया है।

**4. पार्सल डाक**—कोई सामग्री एक स्थान से दूसरे स्थान तक भेजने के लिए डाक विभाग की पार्सल सेवा का उपयोग किया जाता है।

**5. बुक पोस्ट**—जब कोई मुद्रित सामग्री जैसे—पत्र-पत्रिकाएँ, बधाई कार्ड आदि भेजता है तो इस सेवा का लाभ लिया जाता है। इसमें किताबों व दस्तावेजों को लिफाफों में डालकर उसका मुँह खुला रख देते हैं। बुक पोस्ट पर डाक व्यय बंद लिफाफे की अपेक्षा कम होता है।

**अथवा**

**प्रश्न—डाकघर की विभिन्न जमा योजनाओं को समझाइये।**

**उत्तर—डाकघर की जमा योजनाएँ—**

**1. डाकघर बचत खाता**—डाकघर लोगों की बचत को बढ़ावा देने में काफी सहायक है। इसमें व्यक्ति न्यूनतम ₹ 20 देकर अपना खाता खोल सकता है।

**2. डाकघर आवर्ती जमा खाता**—डाकघर अपने ग्राहकों को आवर्ती जमा खाता की सुविधा भी प्रदान करते हैं जिसमें प्रतिमाह एक निश्चित राशि जमा की जाती है।

**3. डाकघर सावधि जमा**—डाकघर सावधि जमा के अंतर्गत ग्राहकों से एकमुश्त धनराशि प्राप्त करती है तथा उस धनराशि पर एक निश्चित दर से ब्याज ग्राहक को देती है।

**4. किसान विकास पत्र**—किसान विकास पत्र भी राष्ट्रीय विकास-पत्र की जमा योजना के समान है। यह किसान विकास पत्र ₹ 100, ₹ 200, ₹ 500, ₹ 1000, ₹ 10,000 वाले उपलब्ध होते हैं।

**5. डाकघर मासिक जमा योजना**—इस योजना के अंतर्गत व्यक्ति रकम को एकमुक्त 6 वर्ष के लिए जमा कर देता है। जमा करने वाले व्यक्ति को डाकघर हर माह एक निश्चित प्रतिशत पर ब्याज देता है। 6 वर्ष की समाप्ति पर मूलधन के साथ 10 प्रतिशत बोनस सहित सम्पूर्ण राशि ग्राहक को वापस कर दिया जाता है।

**प्रश्न 26. उपभोक्ता के अधिकारों को समझाइये।**

**उत्तर—उपभोक्ता के अधिकार—**

**1. सुरक्षा का अधिकार**—उपभोक्ता को ऐसी वस्तुओं की बिक्री से सुरक्षा का अधिकार है जो उनके स्वास्थ्य एवं जीवन के लिए हानिकारक है।

**2. सूचना पाने का अधिकार**—उपभोक्ता को उपलब्ध वस्तुओं की गुणवत्ता, मात्रा, शुद्धता, स्तर या श्रेणी तथा मूल्य के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त करने का अधिकार है।

**3. चयन का अधिकार**—प्रत्येक उपभोक्ता को उनकी आवश्यकता के अनुसार वस्तुओं को उनकी विभिन्न किस्मों में से चयन का अधिकार है।

**4. सुनवाई का अधिकार**—सुनवाई के अधिकार का अर्थ यह है कि जब भी सरकार एवं सार्वजनिक संस्थाओं द्वारा उपभोक्ताओं के हितों को प्रभावित करने वाले निर्णय लिए जाएँ तो उपभोक्ता से सलाह ली जाए।

**5. उपभोक्ता शिक्षा का अधिकार**—बाजार में दोषपूर्ण एवं उपभोक्ताओं के शोषण को रोकने के लिए उपभोक्ताओं में जागरूकता पैदा करना एवं उनको शिक्षित करना बहुत आवश्यक है।

**अथवा**

**प्रश्न—उपभोक्ता को कौन-कौन से कानूनी संरक्षण प्राप्त हैं ?**

**उत्तर—उपभोक्ता को प्राप्त कानूनी संरक्षण—**

**1. आवश्यक वस्तु अधिनियम (1955)**—इस कानून के तहत सरकार को यह अधिकार है कि वह सार्वजनिक हित में किसी भी वस्तु को आवश्यक वस्तु घोषित कर दे। इसके बाद सरकार इस वस्तु के उत्पादन, आपूर्ति और वितरण को नियंत्रित कर सकती है।

**2. माप-तौल मानक अधिनियम (1956)**—इस अधिनियम के अंतर्गत देशभर में तौल के लिए भार और लम्बाई के लिए मानक पैमाने का प्रयोग करने की व्यवस्था है। लम्बाई मापने के लिए मीटर और भार तौलने के लिए किलोग्राम को प्राथमिक इकाई माना गया है।

**3. कृषि उत्पाद अधिनियम (1957)**—इस अधिनियम के अंतर्गत कृषि उत्पादों के गुणवत्ता स्तर को प्रमाणित करने और उन्हें श्रेणीकृत करने का प्रावधान है तथा इन पर भारत सरकार के कृषि विपणन विभाग की गुणवत्ता प्रमाण सील 'एगमार्क' लगाया जाता है।

**4. कालाबाजारी की रोकथाम और आवश्यक वस्तु आपूर्ति अधिनियम (1980)**—इस कानून का प्राथमिक उद्देश्य कालाबाजारी की रोकथाम और आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति

बनाये रखने के लिए दोषी लोगों को हिरासत में लेने की व्यवस्था करना है।

**5. खाद्य मिलावट रोकथाम अधिनियम (1954)**—इस कानून के तहत खाद्य वस्तुओं में मिलावट के लिए बड़े दण्ड का प्रावधान है। मिलावट की जाँच के लिए निरीक्षक की नियुक्ति की जाती है।

**6. भारतीय मानक ब्यूरो अधिनियम (1986)**—इस अधिनियम के तहत, उपभोक्ता के हितों को बढ़ावा देने के लिए और उसके संरक्षण के कारगर उपाय के तौर पर भारतीय मानक संस्थान के स्थान पर भारतीय मानक ब्यूरो का गठन किया गया है।

**प्रश्न 27. एक सफल उद्यमी के गुणों को समझाइये।**

**उत्तर—सफल उद्यमी के गुण—**

**1. पहल क्षमता—**एक उद्यमी को आगे बढ़कर कार्य करने की पहल करनी चाहिए। व्यापार को आगे बढ़ाने के लिए जिन अवसरों की आवश्यकता होती है उन्हें पहचानकर कार्य प्रारम्भ करना।

**2. जोखिम उठाने की क्षमता**—व्यवसाय जोखिम भरा होता है । अत: व्यवसायी में जोखिम वहन करने की क्षमता का होना आवश्यक है।

**3. सीखने की योग्यता**—मानव स्वभाव में गलती एवं चूक पाया जाता है। एक बार गलती हो जाये तो उसे दोहराना नहीं चाहिए। व्यवसायी में अनुभव से सीखने की योग्यता होनी चाहिए।

**4. निर्णय क्षमता**—व्यवसाय चलाने के लिए व्यवसायी को बहुत से निर्णय लेने होते हैं। अत: व्यवसायी में शीघ्र निर्णय लेने की क्षमता होनी चाहिए।

**5. आत्मविश्वास**—एक व्यवसायी को अपने व्यवसाय में सफलता तभी मिल सकती है जब उसमें दृढ़ आत्मविश्वास हो।

**6. कठिन परिश्रम**—व्यवसाय में कई प्रकार की समस्यायें सामने आती हैं। व्यवसायी को सावधान रहकर उसे अपने विवेक से हल करना चाहिए। इसके लिए कठिन परिश्रम की आवश्यकता होती है।

**अथवा**

**प्रश्न—स्वरोजगार की विशेषताएँ लिखिए।**

**उत्तर—स्वरोजगार की विशेषताएँ—**

1. स्वरोजगार में व्यक्ति अपने लिए कार्य करता है।
2. इसमें किसी व्यवसाय के एक ही व्यक्ति द्वारा व्यवसाय का प्रबन्ध किया जाता है।
3. व्यवसाय के लाभ-हानि का दायित्व एक ही व्यक्ति का होता है।
4. व्यवसाय को चलाने के लिए एक ही व्यक्ति की पूँजी लगी रहती है।
5. इसमें व्यापार के स्वामी को कार्य करने एवं निर्णय लेने का एकाधिकार प्राप्त रहता है।

●

# छत्तीसगढ़ राज्य ओपन स्कूल परीक्षा

## सॉल्व्ड पेपर—मई-जून 2011

## कक्षा 10वीं

### विषय—व्यवसाय अध्ययन

**सेट—4**

**समय : 3 घंटे]** **[पूर्णांक : 100**

---

**निर्देश**—(i) सभी प्रश्न हल करना अनिवार्य है।

(ii) प्रश्न क्रमांक 1 में 10 अंक निर्धारित हैं। दो उपखण्ड हैं। खण्ड 'अ' में 5 बहु. विकल्पीय प्रश्न तथा खण्ड 'ब' में 5 रिक्त स्थानों की पूर्ति अथवा उचित सम्बन्ध जोड़िए। प्रत्येक प्रश्न के लिए 1 अंक आबंटित है।

(iii) प्रश्न क्रमांक 2 से प्रश्न 9 तक अतिलघु उत्तरीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न पर 2 अंक आबंटित हैं। उत्तर की अधिकतम शब्द सीमा 30 शब्द है।

(iv) प्रश्न क्रमांक 10 से प्रश्न क्रमांक 15 तक लघु उत्तरीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न पर 3 अंक आबंटित हैं। उत्तर की अधिकतम शब्द सीमा 50 शब्द है।

(v) प्रश्न क्रमांक 16 से प्रश्न क्रमांक 21 तक लघु उत्तरीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न में आंतरिक विकल्प हैं और प्रत्येक प्रश्न पर 4 अंक आबंटित हैं। उत्तर की अधिकतम शब्द सीमा 75 शब्द है।

(vi) प्रश्न क्रमांक 22 से प्रश्न क्रमांक 25 तक दीर्घ उत्तरीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न में आतंरिक विकल्प हैं और प्रत्येक प्रश्न पर 5 अंक आबंटित हैं। उत्तर की अधिकतम शब्द सीमा 150 शब्द है।

(vii) प्रश्न क्रमांक 26 एवं प्रश्न क्रमांक 27 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न में आंतरिक विकल्प हैं और प्रत्येक प्रश्न पर 6 अंक आबंटित हैं। उत्तर की अधिकतम शब्द सीमा 250 शब्द है।

---

## खण्ड : अ

**प्रश्न 1. सही उत्तर चुनिए—**

**(i)** निष्कर्षण उद्योग है—

(अ) कृषि (ब) खनन (स) वस्त्र (द) फूल।

**उत्तर**—(ब) खनन।

**(ii)** ट्रेम्प जहाज कहलाता है—

(अ) मालवाहक जहाज (ब) यात्री वाहक जहाज

(स) उपर्युक्त दोनों (द) दोनों में से कोई नहीं।

**उत्तर**—(अ) मालवाहक जहाज।

**(iii)** डाक सेवा का अर्थ है—

(अ) लाकर्स की सुविधा देना (ब) अधिविकर्ष की सुविधा देना
(स) बैंक से लेन-देन करना (द) पत्र एवं पार्सलों का आदान-प्रदान।

**उत्तर**—(द) पत्र एवं पार्सलों का आदान-प्रदान।

**(iv)** फुटकर विक्रेता का कार्य है—
(अ) वस्तुओं का थोड़ी मात्रा में क्रय
(ब) वस्तुओं का बड़ी मात्रा में क्रय
(स) वस्तुओं का अधिक मात्रा में संग्रहण
(द) उपर्युक्त में से कोई नहीं।

**उत्तर**—(अ) वस्तुओं का थोड़ी मात्रा में क्रय।

**(v)** सरकारी बॉण्ड होता है—
(अ) सुरक्षित निवेश (ब) असुरक्षित निवेश
(स) अनिवार्य निवेश (द) उपर्युक्त में से कोई नहीं।

**उत्तर**—(अ) सुरक्षित निवेश।

## खण्ड : ब

**रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिये—**

**(i)** जब परिवहन में समुद्री जहाज खरीदने में .....पूँजी निवेश करना पड़ता है।

**उत्तर**—भारी।

**(ii)** भारतीय रिजर्व बैंक ..... बैंक है।

**उत्तर**—केन्द्रीय।

**(iii)** खाद्य-पदार्थ मिलावट 'रोकथाम अधिनियम' ..... में बनाया है।

**उत्तर**—1954.

**(iv)** आय एवं व्यय की घोषाण बनाकर कार्य करना.....कहलाता है।

**उत्तर**—बजट।

**(v)** बचत से देश की ..... स्थिति सुदृढ़ होती है।

**उत्तर**—आर्थिक।

**प्रश्न 2. व्यवसाय का आशय लिखिए।**

**उत्तर**—लाभ कमाने या धन अर्जन करने के उद्देश्य से वस्तुओं तथा सेवाओं का उत्पादन, विक्रय या विनिमय करने का कार्य व्यवसाय कहलाता है।

**प्रश्न 3. नाममात्र का साझेदार किसे कहते हैं ?**

**उत्तर**—वह व्यक्ति जो साझेदारी फर्म में न तो पूँजी लगाते हैं और न ही व्यापार संचालन में भाग लते हैं किन्तु फर्म को अपने नाम के उपयोग की अनुमति देते हैं, नाममात्र का साझेदार कहलाता है।

**प्रश्न 4. बहुराष्ट्रीय कम्पनी किसे कहते हैं ?**

**उत्तर**—बहुराष्ट्रीय कम्पनी एक ऐसी कम्पनी होती है, जिसका पंजीकरण तो किसी एक देश में होता है, किन्तु वह अनेक देश में अपनी उत्पादन इकाइयाँ स्था"त करके अपनी शाखाएँ खोलकर अथवा अपनी सहायक इकाइयाँ खोलकर व्यवसाय करती है।

**प्रश्न 5. ई-बैंकिंग क्या है ?**

**उत्तर**—नेट सुविधा वाले कम्प्यूटर में बैंकिंग लेन-देनों का रिकार्ड रखना ई-बैंकिंग कहलाता है।

**प्रश्न 6. निर्ख-पत्र क्या है ?**

**उत्तर**—पूछताछ-पत्र के उत्तर में लिखा जाने वाले पत्र निर्ख-पत्र कहलाता है। इसमें माल सम्बन्धी आवश्यक जानकारी, जैसे—माल का मूल्य, मात्रा, किस्म, पैकिंग, छूट आदि की जानकारी होती है।

**प्रश्न 7. विनिमय साध्य विलेख की परिभाषा दीजिए।**

**उत्तर**—विनिमय साध्य विलेख एक ऐसा लिखित आदेश पत्र है जो एक पक्षकार द्वारा दूसरे पक्षकार को एक निश्चित अवधि पश्चात् एक निश्चित रकम भुगतान करने के लिए लिखा जाता है। इसमें लेखक, स्वीकर्त्ता एवं बैंक तीन पक्षकार होते हैं।

**प्रश्न 8. वैयक्तिक विक्रय के दो तत्वों को लिखिए।**

**उत्तर—वैयक्तिक विक्रय के तत्व**—विक्रयकर्त्ता एवं दूसरा क्रेता।

**प्रश्न 9. रेडियो विज्ञापन क्या है ?**

**उत्तर**—रेडियो पर कार्यक्रम प्रसारण के दौरान बीच-बीच में अन्तराल लिया जाता है, इस अन्तराल में विभिन्न कम्पनियों के द्वारा उत्पादित वस्तुओं एवं सेवाओं की जानकारी दी जाती है, इसे ही रेडियो विज्ञापन कहते हैं।

**प्रश्न 10 आर्थिक एवं अनार्थिक क्रियाओं में अन्तर स्पष्ट कीजिए।**

**उत्तर—आर्थिक एवं अनार्थिक क्रियाओं में अंतर—**

| क्र. | आर्थिक क्रिया | अनार्थिक क्रिया |
|---|---|---|
| 1. | मनुष्य की वह क्रिया जिसके बदले उसे आय प्राप्त होती है आर्थिक क्रिया कहलाती है। | मनुष्य की वह क्रियाएँ जिनका उद्देश्य धनोपार्जन नहीं होता है अनार्थिक क्रिया कहलाती है। |
| 2. | आर्थिक क्रिया से समाज सेवा नहीं होती है। | अनार्थिक क्रिया से समाज सेवा होती है। |
| 3. | इससे धन और सम्पत्ति में वृद्धि होती है। | इससे मानसिक संतुष्टि एवं प्रसन्नता प्राप्त होती है। |

**प्रश्न 11. वायु-प्रदूषण के तीन कारण लिखिए।**

**उत्तर—वायु-प्रदूषण के कारण—**

1. वाहनों तथा औद्योगिक इकाइयों से निकलने वाला धुआँ तथा रसायन।

2. जंगलों में पेड़-पौधों के जलने से, कोयले के जलने से तथा तेल शोधन कारखाने आदि से निकलने वाला धुआँ।

3. आण्विक संयंत्रों से निकलने वाली गैसें तथा धूल कण।

**प्रश्न 12. चालू खाते की क्या उपयोगिता है ?**

**उत्तर**—व्यावसायिक लेने-देनों के लिए चालू खाता अधिक उपयुक्त है। अन्य खातों की अपेक्षा इस खाते में व्यक्ति दिन में कई बार पैसा जमा कर सकता है और उसका आहरण भी कर सकता है। इस खाते में बैंक अपने ग्राहक को चेक एवं अधिविकर्ष की सुविधा भी प्रदान करती है। खाते को जीवित रखने के लिए इसमें एक निश्चित रकम की राशि जमा रखना आवश्यक होता है।

**प्रश्न 13. सड़क परिवहन के तीन लाभ बताइये।**

**उत्तर—सड़क परिवहन के लाभ—**

**1. सस्ता साधन**—यह परिवहन की अन्य साधनों की अपेक्षा सर्वाधिक सस्ता है।

**2. शीघ्र पहुँच**—साग-सब्जी, दूध-दही, मांस-मछली आदि नाशवान वस्तुओं को इसके माध्यम से तेजी से एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुँचाया जाता है।

**3. परिवहन के अन्य साधनों को सहयोग**—सड़क परिवहन, परिवहन के अन्य साधनों जैसे—रैल परिवहन, वायु परिवहन, जल परिवहन के सहायक होते हैं।

**प्रश्न 14. नीलाम द्वारा बिक्री का क्या अर्थ है ?**

**उत्तर**—नीलामी द्वारा विक्रय के अंतर्गत कुछ वस्तुओं को खुलेतौर पर निश्चित तिथि एवं समय पर बेचने से है जिसमें लोग बोली लगाते हैं जो सबसे अधिक बोली लगाता है माल उसी व्यक्ति को बेचा जाता है। नीलामी में वस्तुओं को प्रदर्शित किया जाता है तथा एक आरक्षित मूल्य रखा जाता है जिससे कम पर माल नहीं बेचा जाता है। इस आरक्षित मूल्य को विक्रेता निश्चित करता है तथा जिसे लोगों को उजागर किया जा सकता है अथवा इसे गुप्त भी रखा जा सकता है। कभी-कभी एक न्यूनतम मूल्य भी रखा जाता है जिससे बोली प्रारम्भ की जाती है।

**प्रश्न 15. पूँजी निवेश की किन्हीं चार मदों को लिखिए।**

**उत्तर—पूँजी निवेश के मद—**

**1. बैंक और डाक घर**—ये धन जमा करने का सर्वाधिक लोकप्रिय, जोखिम रहित तथा विश्वसनीय संस्थान है।

**2. सरकारी बाँड**—व्यक्ति अपनी बचत राशि को किसी निश्चित अवधि के लिए किसी सरकारी तथा अर्द्ध सरकारी बाण्ड में निवेशित कर सकता है।

**3. जीवन बीमा पॉलिसियाँ**—यह पूँजी निवेश का महत्वपूर्ण तरीका है। यह बचत के साथ रायल्टी एडीशन तथा जीवन के बाद सुरक्षा की गारण्टी देता है।

**4. जमीन-जायदाद**—बचत की राशि का उपयोग जमीन, मकान, खेतकार आदि खरीदने में किया जा सकता है।

**प्रश्न 16. व्यवसाय का कर्मचारियों के प्रति चार कर्तव्य लिखिए।**

**उत्तर**—व्यवसाय का कर्मचारियों के प्रति चार कर्तव्य हैं—

1. व्यवसाय का प्रभावी ढंग से निरन्तर संचालन करना।
2. पूँजी तथ अन्य संसाधनों का उचित प्रयोग करना।
3. पूँजी की मूल्य वृद्धि करना।
4. विनिवेशित पूँजी पर नियमित तथा उचित प्रतिफल की प्राप्ति करना।

**अथवा**

**एकाकी व्यापार की चार विशेषताओं को समझाइये।**

**उत्तर—एकाकी व्यापार की विशेषताएँ—**

**1. एकल स्वामित्व**—इसमें केवल एक ही व्यक्ति द्वारा पूँजी लगायी जाती है और वही व्यक्ति व्यवसाय का स्वामी होता है।

**2. निर्णय में स्वतंत्रता**—एकाकी व्यापारी अपनी इच्छा के अनुसार निर्णय लेने के लिए स्वतंत्र होता है। उसे किसी अन्य से परामर्श लेने की आवश्यकता नहीं होती है।

**3. सीमित व्यापार क्षेत्र**—एक ही व्यक्ति द्वारा व्यापार का समस्त कार्य करने के कारण इस व्यापार का क्षेत्र सीमित होता है।

**4. असीमित उत्तरदायित्व**—एकाकी व्यापार का उत्तरदायित्व असीमित होता है। हानि की दशा में व्यापारी की व्यक्तिगत सम्पत्ति से भी वसूली की जा सकती है।

**प्रश्न 17. साझेदारी व्यापार एवं एकाकी व्यापार में चार अंतर स्पष्ट कीजिए।**

**उत्तर— साझेदारी एवं एकाकी व्यापार में अंतर**

| आधार | साझेदारी व्यापार | एकाकी व्यापार |
|---|---|---|
| **स्थापना** | इसकी स्थापना साझेदारों की सहमति या समझौते से होती है। | इसमें समझौते का होना आवश्यक नहीं होता है। |
| **अधिनियम** | इसमें भारतीय साझेदारी अधिनियम, 1932 लागू होता है। | इसके लिए किसी प्रकार का अधिनियम नहीं है। |
| **निर्णय** | इसमें समस्त साझेदारों की सहमति से निर्णय लिया जाता है। | इसका स्वामी स्वयं अकेला ही निर्णय लेता है। |
| **लाभ-हानि का विभाजन** | इसमें साझेदारों के मध्य लाभ-हानि का विभाजन किया जाता है। | इसके लाभ में केवल एकल स्वामी का अधिकार होता है। |

**अथवा**

**प्रश्न—निजी एवं सार्वजनिक कम्पनी में चार अंतर स्पष्ट कीजिए।**

**उत्तर— निजी एवं सार्वजनिक कम्पनी में अंतर**

| आधार | निजी कम्पनी | सार्वजनिक कम्पनी |
|---|---|---|
| **सदस्य संख्या** | इसमें कम से कम दो तथा अधिक से अधिक 50 सदस्य होते हैं। | इसमें कम से कम 7 तथा अधिकतम सदस्यों की संख्या निर्गमित अंशों तक हो सकते हैं। |
| **स्वामित्व** | इनका स्वामित्व निजी हाथों में होता है। | इन पर सरकार का स्वामित्व होता है। |
| **लिमिटेड शब्द** | इसके नाम के पश्चात् 'Pvt. Limited' शब्द लिखा जाता है। | इसके नाम के पश्चात् केवल 'Limited' शब्द लिखा जाता है। |
| **अंशों का हस्तांतरण** | इनके अंशधारी अपने अंशों को हस्तांतरित नहीं कर सकता है। | इसके अंशधारी अपने अंशों को हस्तांतरित कर सकता है। |

**प्रश्न 18. किसी वस्तु को क्रय करने की विभिन्न पद्धतियों का वर्णन कीजिए।**

**उत्तर—वस्तु क्रय करने की पद्धतियाँ—**

**1. निरीक्षण द्वारा श्रम**—किसी वस्तु को पूरी तरह से जाँच-परखकर क्रय करना निरीक्षण द्वारा क्रय कहलाता है। यह क्रय करने का सबसे प्रचलित तरीका है।

**2. नमूना परीक्षण द्वारा क्रय**—जब हम किसी वस्तु के नमूने के परीक्षण के द्वारा क्रय करने का निर्णय लेते हैं तो उसे परीक्षण द्वारा क्रय कहते हैं, ऐसा हम तब करते हैं जब हम बड़ी मात्रा में वस्तु खरीदते हैं।

**3. उत्पादकता ब्राण्ड या विवरण द्वारा क्रय**—क्रेता द्वारा जब वस्तु का ब्राण्ड, नाम या विवरण के द्वारा ही वस्तु खरीदी जाती है तो उसे उत्पाद का ब्राण्ड या विवरण द्वारा क्रय कहते हैं।

**अथवा**

**विभागीय भण्डार के चार लाभों का वर्णन कीजिए।**

**उत्तर— विभागीय भण्डार के लाभ**

**1. खरीददारी में सुविधा**—इसमें ग्राहकों को एक ही स्थान पर आवश्यकता की सभी वस्तुएँ मिल जाती हैं।

**2. सस्ता व अच्छा माल**—बड़ी मात्रा में वस्तुएँ खरीदने के कारण ग्राहकों को सस्ता व

अच्छा माल मिल जाता है।

**3. घर पहुँच सेवा**—टेलीफोन पर आदेश प्राप्त होने की दशा में ये भण्डार ग्राहकों को घर पहुँच सेवा भी प्रदान करते हैं।

**4. स्थायी ग्राहक**—कुशल कर्मचारियों की सेवाओं से उपभोक्ता प्रभावित होकर इनके स्थायी ग्राहक बन जाते हैं।

**प्रश्न 19. वैयक्तिक विक्रय में लगे विक्रयकर्त्ता के चार गुणों को लिखिए।**

**उत्तर—वैयक्तिक विक्रय में लगे विक्रयकर्त्ता के गुण—**

**उत्तर—1. शारीरिक योग्यता**—एक विक्रयकर्त्ता को सुन्दर व प्रभावी व्यक्तित्व का होना चाहिए। उसे स्वस्थ भी होना चाहिए।

**2. बौद्धिक एवं मानसिक योग्यता**—एक अच्छे विक्रयकर्त्ता के पास कुछ बौद्धिक योग्यताएँ, जैसे—कल्पनाशीलता, पहल करने की क्षमता, आत्मविश्वास, तीव्र स्मरण शक्ति, सतर्कता आदि भी होना चाहिए।

**3. सद्चरित्रता**—एक आदर्श विक्रयकर्त्ता में ईमानदारी व सच्चरित्रता के गुण होना चाहिए क्योंकि उन्हें उपभोक्ता का विश्वास जीतना होता है।

**4. उत्पाद सम्बन्धी ज्ञान**—विक्रयकर्त्ता को उत्पाद तथा उस कम्पनी के सम्बन्ध में पूरा ज्ञान होना चाहिए, जिसका वह प्रतिनिधित्व करता है।

**अथवा**

**प्रश्न—विक्रय संवर्द्धन की चार तकनीकों का वर्णन कीजिए।**

**उत्तर— विक्रय संवर्द्धन की तकनीकें**

**1. मुक्त नमूनों का वितरण**—व्यवसायी उत्पाद को लोक"य बनाने, उनके माँग एवं विक्रय में वृद्धि करने के लिए उसे मुफ्त में नमूने के रूप में वितरित करते हैं। जैसे—अध्यापकों को पुस्तकों की नमूने की प्रति देना आदि।

**2. बोनस के रूप में वस्तु देना**—कभी-कभी व्यापारी वस्तु के विक्रय में वृद्धि करने के लिए वस्तु के पैकेट में अतिरिक्त मात्रा में वस्तु देते हैं। जैसे पारले बिस्किट के एक पैकेट में 20% अतिरिक्त बिस्किट मुफ्त देता है।

**3. वस्तु विनिमय योजना**—आज यह एक्सजेंच के नाम से प्रसिद्ध है अर्थात् आप अपनी पुरानी वस्तु के बदले में कुछ रुपयों का भुगतान कर नई वस्तु पा लीजिए। जैसे—अपनी पुरानी मोटर साइकिल लाइये और मात्र ₹ 25,000 भुगतान पर नई मोटर साइकिल ले जाइए। ऐसी तकनीकी विक्रय को प्रोत्साहित करती है।

**4. मूल्यों में कमी**—कभी-कभी व्यवसायी विक्रय में वृद्धि करने के लिए वस्तुओं के दाम में कमी कर देते हैं। जैसे लाइफबॉय साबुन खरीदने पर ₹ 2 की छूट आदि।

**प्रश्न 20. बुद्धिमत्तापूर्ण खरीददारी के आवश्यक चरण लिखिए।**

**उत्तर— बुद्धिमत्तापूर्ण खरीददारी के आवश्यक चरण**

**1. क्रय के पहले का चरण**—इस चरण में यह ध्यान रखना चाहिए कि क्या हमें उस उत्पाद की आवश्यकता है, जिसे हम क्रय करना चाहते हैं ? वह उत्पाद किस ब्राण्ड की है, तथा उसे कब क्रय करना है ? उसका मॉडल, उसकी विशेषताएँ, उसकी लोक"यता, रंगरूप, डिजाइन एवं उसका मॉडल, उसकी कीमत क्या है ? और उसे किस प्रकार क्रय करना है ?

**2. क्रय के दौरान का चरण**—इस चरण में क्रय करते समय वस्तु की पूर्ण जाँच करना, मानक चिन्हों का अवलोकन करना, उत्पाद की उपयोग विधि को भली-भाँति समझना, उत्पाद का विवरण लिखा हुआ कैशमेमो लेना, दीर्घकालीन वस्तुओं एवं सेवाओं के सम्बन्ध में गारण टी एवं वारण्टी लेना तथा उस पर विक्रेता के हस्ताक्षर करना आदि बातों का समावेश होता है।

**3. क्रय के बाद का चरण**—यह क्रय का अंतिम चरण है जिसमें क्रेता को ध्यान रखना चाहिए कि वह उत्पाद का कैशमेमो, वस्तु के प्रयोग पुस्तिका, गारंटी-वारंटी सम्बन्धी दस्तावेजों पर विक्रेताओं के हस्ताक्षर, लम्बे समय तक चलने वाले उत्पाद का बीमा करना या चोरी पर मुआवजा का प्रावधान आदि के सम्बन्ध में पूर्ण आश्वस्त हो सके।

**अथवा**

**प्रश्न—उपभोक्ता को कौन-कौन से कानूनी संरक्षण प्राप्त हैं ? संक्षेप में समझाइये (कोई चार)।**

**उत्तर— उपभोक्ता को प्राप्त कानूनी संरक्षण**

**1. आवश्यक वस्तु अधिनियम (1955)**—इस कानून के तहत सरकार को यह अधिकार है कि वह सार्वजनिक हित में किसी भी वस्तु को आवश्यक वस्तु घोषित कर दे। इसके बाद सरकार इस वस्तु के उत्पादन, आपूर्ति तथा वितरण को नियंत्रित कर सकती है।

**2. खाद्य पदार्थ मिलावट रोकथाम अधिनियम (1954)**—इस कानून के अनुसार खाद्य वस्तुओं में मिलावट के लिए कड़े दण्ड का प्रावधान है। ऐसी मिलावट के लिए जो स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो तथा जिससे मृत्यु तक हो सकती है, उम्र कैद और साथ में ₹ 3,000 के जुर्माने का प्रावधान है। जाँच के लए निरीक्षक नियुक्त किये जाते हैं।

**3. माप-तौल मानक अधिनियम (1956)**—इस अधिनियम के अन्तर्गत देशभर में तौल के लिए भार और लम्बाई के लिए मानक पैमाने का प्रयोग करने की व्यवस्था है। लम्बाई मापने के लिए मीटर और भार तौलने के लिए किलोग्राम को प्राथमिक इकाई माना गया है।

**4. कृषि उत्पाद अधिनियम (1937)**—इस अधिनियम के अन्तर्गत, कृषि उत्पादों के गुणवत्ता स्तर को प्रमाणित करने और उन्हें श्रेणीकृत करने का प्रावधान है तथा इन पर भारत सरकार के कृषि विपणन विभाग को गुणवत्ता प्रमाण सील 'एगमार्क' लगाया जा सकता है।

**प्रश्न 21. आय के स्त्रोत कौन-कौन से हैं ? समझाइये।**

**उत्तर—आय के स्त्रोत—**

**1. व्यापार**—व्यापार का संचालन करके लोग लाभ के रूप में आय प्राप्त करते हैं।

**2. रोजगार**—रोजगार या नौकरी में लगे लोगों को वतेन या मजदूरी की प्राप्ति होती है।

**3. कृषि**—कृषि कार्य कर उससे प्राप्त उपज को मण्डियों में बेचने से आमदनी प्राप्त होती है जिसे आय कहते हैं।

**अथवा**

**बचत की आवश्यकता क्यों पड़ती है ?**

**उत्तर—बचत का अर्थ**—किसी व्यक्ति की आय की वह शेष मात्रा जो उसके पूर्ण उपभोग के बाद बचता है तथा जिसे वह सुरक्षित रखता है बचत कहलाता है।

**बचत की आवश्यकता**

**1. भविष्य की आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु**—भविष्य की विभिन्न आवश्यकताओं एवं कार्यों, जैसे—उच्च शिक्षा, शादी-ब्याह, मकान, जमीन आदि के लिए धन की आवश्यकता होती है। अत: बचत करना आवश्यक हो जाता है।

**2. आपातकाल में सहायता हेतु**—भविष्य अनिश्चित होता है। कभी भी कोई भी विपदा या परेशानियाँ आ सकती हैं जिससे निपटने में बचत किया गया धन हमें सहयोग प्रदान करता है।

**3. आय में वृद्धि**—बचत की राशि को हम बैंक में जमा कर उसके एवज में ब्याज प्राप्त करते हैं जिससे हमारी आय में वद्धि होती है। बचत की राशि को हम शेयर, बॉण्ड आदि में भी निवेशित कर सकते हैं।

**4. जीवन-स्तर में सुधार**—बचत राशि से हम ऐसी चीजों को क्रय कर सकते हैं जिससे

हमें सुविधा होती है तथा आराम मिलता है तथा हमारे जीवन स्तर में सुधार होता है। बचत की राशि से हम अच्छा फर्नीचर, टी.वी., फ्रिज, गाड़ी, मकान आदि ले सकते हैं।

**5. देश का आर्थिक विकास**—हमारे द्वारा बैंकों एवं डाकघरों में जमा की गई बचत राशि को सरकार उद्योगपतियों को ऋण के रूप में देती है तथा विभिन्न उत्पादन कार्यों में निवेशित करती है जिससे उत्पादन में वृद्धि होने के कारण देश का आर्थिक विकास होता है।

**प्रश्न 22. व्यवसाय के राष्ट्रीय उद्देश्यों को समझाइये।**

**उत्तर—व्यवसाय के राष्ट्रीय उद्देश्य—**

**1. रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना**—व्यवसाय का सबसे महत्वपूर्ण राष्ट्रीय उद्देश्य लोगों को लाभपूर्ण रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना है।

**2. सामाजिक न्याय को बढ़ावा देना**—व्यवसाय के राष्ट्रीय उद्देश्यों में यह तथ्य भी सम्मिलित है कि वे व्यवसायी समाज के सभी वर्ग के लोगों के साथ समानता का व्यवहार करें।

**3. राष्ट्र की आवश्यकता के अनुसार उत्पादन करना**—प्रत्येक व्यावसायिक इकाई को देश की आवश्यकता के अनुसार अपनी क्षमता को ध्यान में रखते हुए उत्पादन कार्य करना चाहिए।

**4. देश के राजस्व में योगदान**—व्यवसाय के स्वामियों को चाहिए कि वे समय पर ईमानदारी के साथ करों एवं बकाया राशि का भुगतान कर देश के आर्थिक विकास में सहयोग प्रदान करें।

**5. आत्मनिर्भरता तथा निर्यात को बढ़ावा**—देश को आत्मनिर्भर बनाने में सहायता करने के लिए व्यावसायिक इकाइयों की अतिरिक्त जिम्मेदारी है कि वे वस्तुओं के आयात को रोकें तथा निर्यात को बढ़ावा देवें।

**अथवा**

**प्रश्न—व्यवसाय के आर्थिक उद्देश्यों को समझाइये।**

**उत्तर—व्यवसाय के आर्थिक उद्देश्य—**

**1. लाभ कमाना—**व्यवसाय का सबसे महत्वपूर्ण आर्थिक उद्देश्य सर्वाधिक लाभ कमाना होता है।

**2. कर्मचारियों को सामाजिक तथा मानसिक संतुष्टि—**व्यवसाय का दूसरा प्रमुख उद्देश्य संस्था में कार्यरत कर्मचारियों को पर्याप्त वेतन, विभिन्न सुविधाएँ तथा पदोन्नति व पेंशन देकर उन्हें सामाजिक तथा मानसिक संतुष्टि प्रदान करना चाहिए।

**3. सामाजिक तथा निर्धन लोगों का आर्थिक कल्याण—**व्यवसाय के आर्थिक उद्देश्यों में सामाजिक कल्याण एवं निर्धन लोगों को कार्य पर रखकर उन्हें आर्थिक सहयोग प्रदान करना शामिल है।

**प्रश्न 23. परिवहन का महत्व समझाइये।**

**उत्तर— परिवहन का महत्व**

**1. कच्चे माल की उपलब्धता**—परिवहन के साधन ही निर्माताओं एवं उत्पादकों को कच्चा माल उपलब्ध कराता है तथा उसके स्वरूप परिवर्तन से वस्तुओं का निर्माण होता है।

**2. उपभोक्ताओं को वस्तुएँ उपलब्ध कराना**—परिवहन की सहायता से वस्तुओं को एक स्थान से दूसरे स्थान तक तेजी से पहुँचाया जा सकता है। इससे दूरस्थ उपभोक्ताओं को भी वस्तुएँ उपलब्ध हो जाती हैं।

**3. जीवन-स्तर में सुधार करना**—परिवहन साधनों के कारण बड़े पैमाने में उत्पादन सम्भव होता है जिसके परिणामस्वरूप लागत में कमी आती है। इससे लोगों के पहुँच में उनकी आवश्यकता की वस्तुएँ शीघ्र ही पहुँच जाती हैं तथा उनके रहन-सहन के स्तर में सुधार होता है।

**4. आपातकाल में सहायता**—परिवहन साधन विभिन्न आपातकालीन स्थिति जैसे—युद्ध, अशांति की स्थिति में सेना तथा अनिवार्य वस्तुओं को संकट स्थलों तक आसानी से पहुँचाता है।

**5. रोजगार के अवसर में वृद्धि**—परिवहन के क्षेत्र में देश के अनेक लोग काम पर लगे हुए हैं जिससे उन्हें आजीविका की प्राप्ति होती है।

**अथवा**

**एक आदर्श भण्डारगृह के लक्षण लिखिए।**

**उत्तर—आदर्श भण्डारगृह की विशेषताएँ—**

1. भण्डारगृह रेलवे-स्टेशन, राजमार्गों, हवाई अड्डों तथा समुद्र तटों पर स्थित होना चाहिए ताकि वस्तुओं को आसानी से उतारा-चढ़ाया जा सके।

2. वस्तुओं को सुरक्षित रखने के लिए भण्डारगृह में पर्याप्त स्थान होना चाहिए।

3. शीघ्र ही नष्ट होने वाली वस्तुओं, जैसे—दूध, दही, मक्खन, अण्डा, फल आदि के लिए भण्डारगृहों में कोल्ड स्टोरेज की व्यवस्था होनी चाहिए।

4. धूप, वारिश, हवा, धूल, नमी, कीड़ों आदि से बचाव के लिए समुचित व्यवस्था होनी चाहिए।

5. वस्तुओं की चोरी को रोकने के लिए चौबीसों घण्टे पहरेदारी होनी चाहिए।

**प्रश्न 24. डाक सेवा का महत्व लिखिए।**

**उत्तर— डाक सेवाओं का महत्व**

**1. संचार का सस्ता साधन**—डाक सेवा अन्य संचार साधनों से सस्ता एवं सरल है।

**2. बचत को प्रोत्साहन**—निम्न एवं मध्यम आय वर्गों के लिए विभिन्न जमा योजनाओं के माध्यम से बचत को प्रोत्साहन मिलता है।

**3. कम दर पर धन का सुरक्षित स्थानांतरण**—पोस्टल आर्डर, मनीआर्डर के द्वारा हम धन को देश के एक कोने से दूसरे कोने तक सुरक्षित रूप से भेज सकते हैं।

**4. व्यापार को बढ़ावा**—डाकघर के माध्यम से व्यापार का विकास एवं विस्तार होता है। V.P.P. के माध्यम से माल विक्रय, व्यापारिक सौदों का संचार साधन, अन्य व्यापारिक गतिविधियों, जिसमें पूछताछ के पत्र, निर्ख पत्र, आदेश पत्र, भुगतान प्राप्ति आदि शामिल होने से व्यापार का विस्तार होता है।

**5. पत्राचार शिक्षा को बढ़ावा**—दूरस्थ ग्रामों में रहने वाले विद्यार्थियों को डाकघर पत्राचार के माध्यम से शिक्षा उपलब्ध कराता है।

**अथवा**

**प्रश्न—एक अच्छे व्यापारिक पत्र की आंतरिक विशेषताएँ लिखिए।**

**उत्तर— व्यापारिक पत्र की विशेषताएँ**

**1. सरलता**—व्यापारिक पत्र सरलतम एवं आसान भाषा में लिखना चाहिए जिससे पाठक की भावनाओं पर कोई प्रभाव न पड़े।

**2. स्पष्टता**—लिखे जाने वाले पत्र का विषय स्पष्ट होना चाहिए। पाठक को पत्र का उद्देश्य समझ आना चाहिए।

**3. शुद्धता**—पत्र में लिखी गई बातें भेजने वाले के जानकारी के अनुसार सही-सही एवं शुद्ध व्याकरण के प्रयोग से लिखी जानी चाहिए।

**4. औचित्य**—व्यावसायिक पत्र में केवल व्यापारिक लेन-देन की जानकारी हो।

**5. पूर्णता**—व्यापारिक पत्र तभी पूर्ण होता है जब उसमें समस्त आवश्यक जानकारी का पूर्ण उल्लेख हो, कोई भी बात जो आवश्यक है वह पत्र में लिखने से छूटे नहीं।

**प्रश्न 25. बैंक में खोले जाने वाले खातों को समझाइये।**

**उत्तर— बैंकों खातों के प्रकार**

**1. बचत बैंक खाता**—यह खाता साधारणतया सीमित एवं निम्न आय वर्ग वाले व्यक्ति के द्वारा खोला जाता है। इस खाते को खोलने का मुख्य उद्देश्य बचत करना होता है। इसमें कुछ प्रतिशत ब्याज भी दिया जाता है।

**2. चालू जमा खाता**—व्यावसायिक वर्ग, स्कूल, कॉलेजों, तथा विभिन्न संस्थानों के द्वारा चालू खाता खोला जाता है। इसमें व्यक्ति दिन में कई बार पैसे जमा कर व निकाल सकता है। बैंक द्वारा इस खाते के धारी को चेक एवं अधिविकर्ष की भी सुविधा प्रदान की जाती है।

**3. सावधि जमा खाता**—इसे स्थाई जमा खाता भी कहते हैं। इसमें एक निश्चित समय के लिए कोई धनराशि जमा कर दी जाती है। समय बीतने पर राशि को ब्याज सहित खाताधारी को वापस कर दिया जाता है।

**4. आवर्ती जमा खाता**—आवर्ती जमा वह है जिसमें खाताधारी एक निश्चित राशि एक निश्चित समयावधि के अंतराल में जमा करता है। जमा रकम पर बैंक द्वारा ब्याज दिया जाता है। परिपक्वता पर राशि खाताधारी को लौटा दिया जाता है।

**5. गृह निर्माण जमा योजना**—यह एक आवर्ती खाते का प्रकार है जिसमें धनराशि भविष्य में घर खरीदने या बनवाने के उद्देश्य से जमा किया जाता है।

**अथवा**

**प्रश्न—बीमा को परिभाषित करते हुए इसके प्रकारों को लिखिए।**

**उत्तर—बीमा का अर्थ**—बीमा एक समझौता है जिसके अंतर्गत किसी निश्चित घटना के घटित होने पर एक निश्चित प्रीमियम के बदले में एक निश्चित राशि के भुगतान का वचन बीमा कम्पनी द्वारा बीमित व्यक्ति को दिया जाता है।

**बीमा के प्रकार—**

**1. जीवन बीमा**—इसमें बीमा कम्पनी बीमित व्यक्ति को निश्चित प्रीमियम के बदले समयावधि पूर्ण होने पर एक निश्चित राशि या मृत्यु होने पर निश्चित बीमा धन यदि हो तो अन्य लाभ देने का वचन देती है।

**2. अग्नि बीमा**—यह बीमा एक व्यक्ति या व्यापारी के द्वारा अग्नि से होने वाली हानि की क्षतिपूर्ति के लिए कराया जाता है।

**3. सामुद्रिक बीमा**—सामुद्रिक व्यवसाय में निहित जोखिमों से सुरक्षा प्राप्त करने के उद्देश्य से यह बीमा कराया जाता है।

**4. अन्य बीमा**—उपर्युक्त के अलावा दुर्घटना बीमा, व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा, दायित्व बीमा, मोटर वाहन बीमा, चोरी बीमा, सामाजिक बीमा, पशुधन बीमा, सामान्य बीमा आदि होता है।

**प्रश्न 26. उपभोक्ताओं के विभिन्न अधिकारों को समझाइये।**

**उत्तर—उपभोक्ता के अधिकार—**

**1. सुरक्षा का अधिकार**—उपभोक्ताओं को ऐसी वस्तुओं की बिक्री से सुरक्षा का अधिकार

है जो स्वास्थ्य एवं जीवन के लिए हानिकारक है।

**2. सूचना पाने का अधिकार**—उपभोक्ता को उपलब्ध वस्तुओं की गुणवत्ता, मात्रा, शुद्धता, स्तर या श्रेणी तथा मूल्य के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त करने का अधिकार है।

**3. चयन का अधिकार**—प्रत्येक उपभोक्ता को अपनी आवश्यकतानुसार वस्तुओं को उनकी विभिन्न किस्मों में से चयन का अधिकार होता है।

**4. सुनवाई का अधिकार**—उपभोक्ताओं की शिकायतों की सुनवाई के समय अदालती कार्यवाही के समय उनकी सुनवाई का भी उनका अधिकार है।

**5. उपभोक्ता शिक्षा का अधिकार**—बाजार में दोषपूर्ण एवं उपभोक्ताओं के शोषण को रोकने के लिए उपभोक्ताओं में जागरूकता पैदा करना एवं उनको शिक्षित करना आवश्यक है।

**6. निवारण का अधिकार**—जब भी किसी उपभोक्ता को अनुचित व्यापार, जैसे अधिक मूल्य वसूलना, घटिया किस्म की अथवा असुरक्षित उत्पादों को बेचना, वस्तु एवं सेवाओं की आपूर्ति में नियमितता की कमी के सम्बन्ध में कोई शिकायत है या फिर उसे दोषपूर्ण अथवा मिलावटी वस्तुओं के कारण हानि हुई है अथवा चोट पहुँची है तो उसे उनके निवारण का अधिकार है।

**अथवा**

**प्रश्न—मानक चिह्न क्या है ? किन्हीं पाँच मानक चिन्हों को समझाइये।**

**उत्तर— मानक चिन्हों की उपयोगिता**

**1. ISO (आई. एस. ओ.)**—आई. एस. ओ. से अभिप्राय है—इण्टरनेशनल ऑर्गेनाइजेशन फॉर स्टैंडर्डाइजेशन यानि अंतर्राष्ट्रीय मानकीकरण संगठन। यह संगठन उत्पादों और सेवाओं के लिए गुणवत्ता मानक निश्चित करता है तथा विभिन्न देशों की राष्ट्रीय मानक संस्थाओं (भारत में भारतीय मानक ब्यूरो) को इन्हीं मानकों के आधार पर गुणवत्ता सम्बन्धी प्रमाण-पत्र देने को अधिकृत करता है।

**2. ISI (आई.एस.आई.)**—यह भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा प्रदत्त चिन्ह है। इसका अर्थ यह है कि यह चिह्न जिन उत्पादों पर लगा है वे गुणवत्ता के न्यूनतम स्तर पर खरे उतरे हैं। आई. एस. आई. चिन्ह बिजली के सामान, सीमेंट, बोतल बंद पानी, कागज, रंग, बिस्कुट, शिशु, आहार, गैस, सिलेण्डर, साबुन और कपड़े धोने के पाउडर के लिए है।

**3. FPO (एफ.पी. ओ.)**—एफ. पी. ओ. का पूरा नाम फूड प्रोडक्ट आर्डर अर्थात् फलों से बने उत्पादों से सम्बन्धित व्यवस्था है। इस व्यवस्था से फलों, सब्जियों, उत्पादों की गुणवत्ता की रक्षा के लिए मानक तैयार किया जाता है। जैम, जैली, आचार, फलों के जूस, कोल्ड ड्रिंक आदि की बोतलों पर F.P.O. का निशान लगा होता है।

**4. एकमार्क** (Agmark)—यह भारत सरकार के कृषि विपणन विभाग द्वारा निर्धारित चिह्न है जिसे कृषि, बागवानी, वन और मवेशियों से प्राप्त उत्पादों के लिए प्रयोग किया जाता है। इस चिन्ह के प्रयोग से प्राकृतिक उत्पादों का मानक सुनिश्चित हो जाता है।

**5. वूलमार्क** (Wool mark)—यह प्रमाण चिन्ह उन ऊनी वस्त्रों पर इस्तेमाल होता है जो बढ़िया किस्म के शुद्ध ऊन से बने हों। यह मानक अंतर्राष्ट्रीय ऊन सचिवालय द्वारा निर्धारित किया जाता है।

**प्रश्न 27. स्वरोजगार एवं नौकरी में अंतर स्पष्ट करें।**

**उत्तर— स्वरोजगार एवं नौकरी में अंतर**

| क्र. | आधार | स्वरोजगार | नौकरी |
|---|---|---|---|
| 1. | प्रकृति | यह समस्त कार्य करता है। | नियोक्ता के निर्देशानुसार कार्य किया जाता है। |
| 2. | स्थिति | यह स्वयं स्वामी होता है। | यह कर्मचारी मात्र होता है। |
| 3. | आय | इसकी आय अनिश्चित होती है। | इसकी आय निश्चित होती है। |
| 4. | जोखिम | स्वामी स्वयं जोखिम उठाता है। | कर्मचारी को जोखिम नहीं उठाना पड़ता है। |
| 5. | कार्य का समय | इसमें व्यक्ति अपनी इच्छानुसारकार्य करता है। | इसमें कार्य का समय निर्धारित होता है। |
| 6. | कार्य की स्वतंत्रता | स्वामी को कार्य करने एवं निर्णय लेने की स्वतंत्रता होती है। | कर्मचारी, नियोक्ता द्वारा निध. ारित शर्तों के अधीन कार्य करता है। |

**अथवा**

**प्रश्न—एक सफल उद्यमी के गुणों को समझाइये।**

**उत्तर—उद्यमी के गुण—**

**1. पहल क्षमता**—एक उद्यमी को हमेशा आगे बढ़ने का प्रयत्न करना चाहिए। अत: व्यापारिक अवसरों की पहचान करने की क्षमता उसमें होनी चाहिए।

**2. जोखिम उठाने की क्षमता**—व्यावसायिक क्षेत्र जोखिमभरा होता है। एक व्यवसायी व्यावसायिक क्रियाओं में सफल एवं असफल हो सकता है। अत: व्यवसायी को चाहिए कि वे हमेशा सफलता की सोच बनाकर कार्य करता रहे।

**3. अभिप्रेरणा**—अभिप्रेरणा से व्यापारी अच्छा कार्य करने के लिए प्रेरित होता है तथा वह रुचि से अपना कार्य करता है तथा लक्ष्य को प्राप्त करता है।

**4. आत्मविश्वास**—एक व्यवसायी को अपने व्यवसाय में सफलता तभी मिल सकती है जब उसमें दृढ़ आत्मविश्वास हो। दृढ़ संकल्पी व्यक्ति ही दूसरों को कार्य करने के लिए प्रेरित कर सकता है।

**5. निर्णय लेने की क्षमता**—व्यवसायी में शीघ्र एवं उचित निर्णय लेने की क्षमता का होना आवश्यक है। व्यवसाय में अनेक परिस्थितियाँ ऐसी भी आती रहती हैं जब व्यवसायी को निर्णय लेने की आवश्यकता होती है।

**6. सीखने की योग्यता**—मानव स्वभाव में गलती एवं चूक पायी जाती है। एक बार गलती होने पर उसे नहीं दोहराना चाहिए तथा अनुभव से सीखने का प्रयास करना चाहिए।

●

# छत्तीसगढ़ राज्य ओपन स्कूल परीक्षा

## सॉल्व्ड पेपर—2010

## कक्षा 10वीं

## विषय—व्यवसाय अध्ययन

**सेट—5**

**समय : 3 घंटे]** **[पूर्णांक : 100**

---

**निर्देश**—(i) सभी प्रश्न हल करना अनिवार्य है।

(ii) प्रश्न क्रमांक 1 में 10 अंक निर्धारित हैं। दो उपखण्ड हैं। खण्ड 'अ' में 5 बहु. विकल्पीय प्रश्न तथा खण्ड 'ब' में 5 रिक्त स्थानों की पूर्ति अथवा उचित सम्बन्ध जोड़िए। प्रत्येक प्रश्न के लिए 1 अंक आबंटित है।

(iii) प्रश्न क्रमांक 2 से प्रश्न 9 तक अतिलघु उत्तरीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न पर 2 अंक आबंटित हैं। उत्तर की अधिकतम शब्द सीमा 30 शब्द है।

(iv) प्रश्न क्रमांक 10 से प्रश्न क्रमांक 15 तक लघु उत्तरीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न पर 3 अंक आबंटित हैं। उत्तर की अधिकतम शब्द सीमा 50 शब्द है।

(v) प्रश्न क्रमांक 16 से प्रश्न क्रमांक 21 तक लघु उत्तरीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न में आंतरिक विकल्प हैं और प्रत्येक प्रश्न पर 4 अंक आबंटित हैं। उत्तर की अधिकतम शब्द सीमा 75 शब्द है।

(vi) प्रश्न क्रमांक 22 से प्रश्न क्रमांक 25 तक दीर्घ उत्तरीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न में आतंरिक विकल्प हैं और प्रत्येक प्रश्न पर 5 अंक आबंटित हैं। उत्तर की अधिकतम शब्द सीमा 150 शब्द है।

(vii) प्रश्न क्रमांक 26 एवं प्रश्न क्रमांक 27 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न में आंतरिक विकल्प हैं और प्रत्येक प्रश्न पर 6 अंक आबंटित हैं। उत्तर की अधिकतम शब्द सीमा 250 शब्द है।

---

**खण्ड-अ (अतिलघु उत्तरीय प्रश्न)** **[ प्रत्येक में 1 अंक ]**

**प्रश्न 1. (अ) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—**

**(1)** एक चार्टेड एकाउन्टेन्ट का धन्धा ..... कहलाता है। (व्यापार, पेशा, उद्योग)

**उत्तर**—पेशा।

**(2)** साझेदारी फार्म ..... व्यवसायी संगठन है। (लचीला, खर्चीला, सस्ता)

**उत्तर**—लचीला।

**(3)** पूछताछ पत्र का जवाब ..... पत्रों से दिया जाता है।
(निर्ख पत्र, आदेश पत्र, प्रार्थना-पत्र)

**उत्तर**—निर्ख पत्र।

**(4)** चेक बैंक को लिखा जाने वाला ..... पत्र है।

(प्रार्थना पत्र, आदेश पत्र, विनिमय पत्र)

**उत्तर**—विनिमय पत्र।

**(5)** वस्तुओं को उपभोक्ता के चुकाये जा सकने वाले मूल्य पर उपलब्ध कराना है। ..... है। (विज्ञापन, क्रय-विक्रय, विपणन)

**उत्तर**—विपणन।

**(6)** विज्ञापन में आने वाली लागत को ..... वहन करता है। (क्रेता, विक्रेता, उत्पादक)

**उत्तर**—उत्पादक।

**(7)** मानक चि .... चि कहलाता है। (पहचान चि , प्रचार चि , विज्ञापन चि )

**उत्तर**—पहचान चि ।

**(8)** बचत से राष्ट्र एवं समाज का ..... होता है। (कल्याण, विबास, विकास)

**उत्तर**—विकास।

**(ब) सत्य/असत्य कथन की पहचान कीजिए और अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखिए—**

**(1)** हाथ से बुना हुआ भारतीय मलमल भारत की शान है।

**उत्तर**—सत्य।

**(2)** सहकारी समिति प्रतिस्पर्द्धा के सिद्धान्त पर कार्य करती है।

**उत्तर**—असत्य।

**(3)** थोक व्यापारी एवं फुटकर व्यापारी, उत्पादक एवं उपभोक्ता के बीच मध्यस्थ का कार्य करते हैं।

**उत्तर**—सत्य।

**(4)** जिस बाजार में दैनिक आवश्यकता की समस्त वस्तु एक ही छत के नीचे उपलब्ध हो जाती है, उसे सुपर-बाजार कहते हैं।

**उत्तर**—सत्य।

**(5)** जीवनरक्षक दवाओं पर सुरक्षा का अधिकार होता है।

**उत्तर**—सत्य।

**(6)** विनिमय विपत्र में दो पक्षकार होते हैं।

**उत्तर**—असत्य।

**(7)** कारपोरेट मनीआर्डर में 5 करोड़ तक की राशि भेजी जा सकती है।

**उत्तर**—असत्य।

**(8)** एक चेक की जमा पर्ची दो भागों में विभक्त रहती है।

**उत्तर**—सत्य।

**(स) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द में दीजिए—**

**(1)** व्यवसाय के स्वामित्व की देनदारी कैसी होती है ?

**उत्तर**—पूँजीगत या आंतरिक।

**(2)** वर्तमान उपभोक्ता को बनाये रखने तथा नये उपभोक्ता बनाये रखने में कौन सहायक होता है ?

**उत्तर**—विक्रय संवर्द्धन।

**(3)** फुटकर व्यापारी को कितनी पूँजी की आवश्यकता होती है ?

**उत्तर**—कम।

**(4)** होलोग्राम (हालमार्क) किसकी शुद्धता को प्रमाणित करता है ?

**उत्तर**—सोने की शुद्धता को।

**(5)** स्वचलित टेलर मशीन का नाम क्या है ?

**उत्तर**—ए. टी. एम. (ATM) या आटो टेलर मशीन।

**(6)** हमारा व्यवहार दूसरों के प्रति कैसा होना चाहिए ?

**उत्तर**—सद्व्यवहार।

**प्रश्न 2. वाणिज्यिक क्रियाएँ किसे कहते हैं ?**

**उत्तर**—वह क्रियाएँ जिनका सम्बन्ध वस्तुओं एवं सेवाओं के वितरण एवं विनिमय से होता है उसे वाणिज्यिक क्रियाएँ कहते हैं। इसका अर्थ यह है कि उत्पादन के पश्चात् वस्तुओं को उत्पादक से उपभोक्ता तक पहुँचाने की क्रियाएँ जैसे—क्रय-विक्रय, परिवहन एवं बीमा बैंकिंग एवं पैकेजिंग करना है।

**अथवा**

**प्रश्न—औद्योगिक क्रियाएँ किसे कहते हैं ?**

**उत्तर**—औद्योगिक क्रियाओं से आशय उन क्रियाओं से है जहाँ वस्तुओं का उत्पादन किया जाता है। उपलब्ध संसाधनों का प्रयोग कर कच्चे माल को निर्मित माल में परिवर्तित करने का कार्य औद्योगिक क्रियाएँ कहलाता है। जैसे—गन्ने से शक्कर, आदि बनाना।

**प्रश्न 3. व्यावसायिक वातावरण क्या है ?**

**उत्तर**—व्यवसाय के आसपास की वे समस्त बातें जो व्यवसाय की गतिविधियों को प्रभ.ावित करती हैं। उसे व्यावसायिक वातावरण कहते हैं। व्यावसायिक वातावरण में व्यवसाय की आंतरिक एवं बाह्य शक्तियों को शामिल किया जाता है।

**अथवा**

**प्रश्न—आर्थिक क्रियाओं एवं अनार्थिक क्रियाओं में अन्तर स्पष्ट कीजिए।**

**उत्तर—आर्थिक एवं अनार्थिक क्रिया में अंतर—**

| आर्थिक क्रिया | अनार्थिक क्रिया |
|---|---|
| 1. धनोपार्जन हेतु की गई क्रिया आर्थिक क्रिया कहलाती है। | वह क्रिया जिससे धन प्राप्त नहीं होता है उसे अनार्थिक क्रिया कहते हैं। |
| 2. इसका उद्देश्य धन प्राप्त करना होता है। | इसका उद्देश्य समाज की सेवा होता है। |
| 3. इससे धन और सम्पत्ति में वृद्धि होती है। | इससे मान"क संतुष्टि और प्रसंशा मिलती है। |

**प्रश्न 4. रेल परिवहन के लाभ लिखिए।**

**उत्तर—रेल परिवहन के लाभ—**

1. लम्बी दूरी की यात्रा के लिए यह सबसे उपयुक्त एवं सुविधाजनक साधन है।

2. सड़क परिवहन की अपेक्षा यह अधिक द्रुतगामी है।

3. यह अधिक से अधिक यात्रियों तथा सामानों को लम्बी दूरी तक ले जाने के लिए उपयुक्त साधन है।

4. खराब मौसम, बाढ़, वर्षा, कोहरा आदि की स्थिति का इस पर बहुत कम असर पड़ता है।

**अथवा**

**प्रश्न—सड़क परिवहन के दोष लिखिए।**

**उत्तर—सड़क परिवहन के दोष—**

1. खराब मौसम जैसे—बाढ़, वर्षा, भू-स्खलन आदि का इस पर बुरा प्रभाव पड़ता है जिससे परिवहन में बाधा आती है।

2. इसकी भार ढोने की क्षमता सीमित है। अत: यह लम्बी दूरी की यात्रा के लिए उपयुक्त नहीं है।

3. बहुत भारी सामान या बहुत ज्यादा सामान को इस व्यवस्था से ढोने में बहुत अधिक खर्च आता है।

**प्रश्न 5. स्पीड पोस्ट क्या है ?**

**उत्तर**—जब हम कोई संदेश किसी व्यक्ति को बहुत ही जल्दी पहुँचाना चाहते हैं तो डाक विभाग ऐसी परिस्थिति में डाक को जल्दी पहुँचाने की गारंटी देता है। डाक विभाग की इस योजना को हम स्पीड पोस्ट कहते हैं। यह सेवा कुछ खास डाकघरों में उपलब्ध है। इसके लिए साधारण डाक से अधिक शुल्क लिया जाता है।

**अथवा**

**प्रश्न—डाकघर जीवन बीमा पर संक्षिप्त लेख लिखिए।**

**उत्तर**—डाकघर जीवन बीमा की दो योजनाएँ हैं—

**1. डाकघर जीवन बीमा**—इस योजना के अन्तर्गत 50 वर्ष से कम आयु के व्यक्ति का बीमा किया जाता है। इसमें एक निश्चित अवधि के लिए निश्चित रकम प्रीमियम के रूप में ली जाती है। बीमाकर्ता की मंजूरी या निश्चित अवधि की समाप्ति पर डाकघर एकमुश्त रकम प्रदान करता है।

**2. ग्रामीण डाकघर जीवन बीमा**—यह योजना डाकघर जीवन बीमा के अनुसार है। यह योजना अधिकांशत: ग्रामीण क्षेत्रों में चलाई जाती है। इसमें प्रीमियम बहुत ही कम होता है जिससे कि ग्रामीण व्यक्ति इस योजना का लाभ उठा सके।

**प्रश्न 6 एक अच्छे पत्र की विशेषताएँ लिखिए।**

**उत्तर— अच्छे पत्र की विशेषताएँ**

**1. सरलता**—व्यापारिक पत्र सरलतम एवं आसान भाषा में लिखना चाहिए जिससे पाठक की भावनाओं पर कोई प्रभाव न पड़े।

**2. स्पष्टता**—लिखे जाने वाले पत्र का विषय स्पष्ट होना चाहिए। पाठक को पत्र का उद्देश्य समझ आना चाहिए।

**3. शुद्धता**—पत्र में लिखी गई बातें भेजने वाले के जानकारी के अनुसार सही-सही एवं शुद्ध व्याकरण के प्रयोग से लिखी जानी चाहिए।

**4. औचित्य**—व्यावसायिक पत्र में केवल व्यापारिक लेन-देन की जानकारी हो।

**5. पूर्णता**—व्यापारिक पत्र तभी पूर्ण होता है जब उसमें समस्त आवश्यक जानकारी का पूर्ण उल्लेख हो, कोई भी बात जो आवश्यक है वह पत्र में लिखने से छूटे नहीं।

**अथवा**

**प्रश्न—शिकायती पत्र कब लिखा जाता है ?**

**उत्तर**—जब क्रेता को यह लगता है कि विक्रेता से प्राप्त माल उसके आदेशानुसार नहीं है तब वह विक्रेता को जो पत्र लिखता है उसे शिकायती पत्र कहते हैं। साधारणतया यह पत्र क्रेता द्वारा तब लिखा जाता है जब उसे खराब, गलत या क्षतिग्रस्त माल मिलता है। यह पत्र माल की गलत मात्रा प्राप्त होने पर भी लिखा जाता है। यदि माल परिगमन के दौरान क्षतिग्रस्त होता है तो

यह सीधे परागमन एजेंसी को लिखा जा सकता है। अत: खराब या क्षतिग्रस्त माल की आपूर्ति होने पर आपूर्तिकर्ता या एजेंसी का ध्यान आकर्षित करने के लिए लिखे जाने वाले पत्र को शिकायत पत्र कहते हैं।

**प्रश्न 7. उपभोक्ता शिक्षा के अधिकारों को लिखिए।**

**उत्तर**—उत्पादकों एवं विक्रेताओं के द्वारा दोषपूर्ण तरीके से उपभोक्ताओं का शोषण किया जाता है। अत: उपभोक्ताओं को शिक्षित करना तथा उनमें जागरूकता पैदा करना आवश्यक है। इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए उपभोक्ता संगठन, शैक्षणिक संस्थान एवं सरकारी नीति निर्धारक से अपेक्षा है कि वे उपभोक्ताओं को निम्नलिखित विषयों से अवगत करायें और उनके विषय में शिक्षित करें—

1. अनुचति व्यापारिक क्रियाओं पर प्रतिबन्ध लगाने के लिये बनाये गये प्रासंगिक कानून।

2. धोखेबाज उत्पादक तथा विक्रेता द्वारा उपभोक्ताओं को धोखा देने के लिए तोड़-मरोड़कर बनाये गए बाजार व्यवहार के सम्बन्ध में जानकारी देना।

3. अपने हितों की रक्षा उपभोक्ता द्वारा किस प्रकार किया जा सकता है।

4. शिकायत हेतु उपभोक्ताओं द्वारा कौन-सी प्रक्रिया अपनाई जानी चाहिए।

अधिकांश उपभोक्ता संगठन इस दिशा में आवश्यक कदम उठाते हैं, वे उपभोक्ताओं को शिक्षित करने के लिए पर्चे, पत्रिकाओं, पोस्टरों आदि टी. वी. कार्यक्रमों का सहारा लेते हैं।

**अथवा**

**प्रश्न—सामग्री क्रय करते समय कौन-कौन सी बातों को ध्यान में रखना पड़ता है ?**

**उत्तर**—वस्तु खरीदते समय निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखना चाहिए—

1. उत्पाद को भलीभाँति जाँचना।

2. उत्पाद की उपयोग विधि को भलीभाँति समझना।

3. आवश्यक उत्पादों में ISI मार्का लगा है या नहीं इस बात की जाँच करना।

4. उत्पाद खरीदते समय कैशमेमो लें जिसमें उत्पाद सम्बन्धित विवरण भी विक्रेता द्वारा लिखा जाए।

5. दीर्घकालीन सेवा प्रदान करने वाले उत्पाद, जैसे—टी. वी., फ्रिज, ए. सी. आदि की गारन्टी लेने के लिए गारन्टी या वारंटी कार्ड पर विक्रेता के हस्ताक्षर एवं सील लेवें।

**प्रश्न 8. बचत की आवश्यकता क्यों होती है ?**

**उत्तर—बचत का अर्थ**—किसी व्यक्ति की आय की वह शेष मात्रा जो उसके पूर्ण उपभोग के बाद बचता है तथा जिसे वह सुरक्षित रखता है बचत कहलाता है।

## बचत की आवश्यकता

**1. भविष्य की आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु**—भविष्य की विभिन्न आवश्यकताओं एवं कार्यों, जैसे—उच्च शिक्षा, शादी-ब्याह, मकान, जमीन आदि के लिए धन की आवश्यकता होती है। अत: बचत करना आवश्यक हो जाता है।

**2. आपातकाल में सहायता हेतु**—भविष्य अनिश्चित होता है। कभी भी कोई भी विपदा या परेशानियाँ आ सकती हैं जिससे निपटने में बचत किया गया धन हमें सहयोग प्रदान करता है।

**3. आय में वृद्धि**—बचत की राशि को हम बैंक में जमा कर उसके एवज में ब्याज प्राप्त करते हैं जिससे हमारी आय में वद्धि होती है। बचत की राशि को हम शेयर, बॉण्ड आदि में भी

निवेशित कर सकते हैं।

**4. जीवन-स्तर में सुधार**—बचत राशि से हम ऐसी चीजों को क्रय कर सकते हैं जिससे हमें सुविधा होती है तथा आराम मिलता है तथा हमारे जीवन स्तर में सुधार होता है। बचत की राशि से हम अच्छा फर्नीचर, टी.वी., फ्रिज, गाड़ी, मकान आदि ले सकते हैं।

**5. देश का आर्थिक विकास**—हमारे द्वारा बैंकों एवं डाकघरों में जमा की गई बचत राशि को सरकार उद्योगपतियों को ऋण के रूप में देती है तथा विभिन्न उत्पादन कार्यों में निवेशित करती है जिससे उत्पादन में वृद्धि होने के कारण देश का आर्थिक विकास होता है।

**अथवा**

**प्रश्न—स्वरोजगार की विशेषताएँ लिखिए।**

**उत्तर—स्वरोजगार की विशेषताएँ—**

1. स्वरोजगार में व्यक्ति अपना स्वयं का कोई कार्य करता है।

2. स्वरोजगार में व्यवसाय का प्रबन्धन एवं संचालन एक ही व्यक्ति द्वारा किया जाता है।

3. व्यवसाय के लाभ-हानि पर केवल एक ही व्यक्ति का अधिकार होता है।

4. व्यवसाय में एक ही व्यक्ति के द्वारा पूँजी लगाई जाती है।

**प्रश्न 9. एक सफल उद्यमी के गुणों को लिखिए।**

**उत्तर—उद्यमी के गुण—**

**1. पहल क्षमता**—एक उद्यमी को हमेशा आगे बढ़ने का प्रयत्न करना चाहिए। अत: व्यापारिक अवसरों की पहचान करने की क्षमता उसमें होनी चाहिए।

**2. जोखिम उठाने की क्षमता**—व्यावसायिक क्षेत्र जोखिमभरा होता है। एक व्यवसायी व्यावसायिक क्रियाओं में सफल एवं असफल हो सकता है। अत: व्यवसायी को चाहिए कि वे हमेशा सफलता की सोच बनाकर कार्य करता रहे।

**3. अभिप्रेरणा**—अभिप्रेरणा से व्यापारी अच्छा कार्य करने के लिए प्रेरित होता है तथा वह रुचि से अपना कार्य करता है तथा लक्ष्य को प्राप्त करता है।

**4. आत्मविश्वास**—एक व्यवसायी को अपने व्यवसाय में सफलता तभी मिल सकती है जब उसमें दृढ़ आत्मविश्वास हो। दृढ़ संकल्पी व्यक्ति ही दूसरों को कार्य करने के लिए प्रेरित कर सकता है।

**5. निर्णय लेने की क्षमता**—व्यवसायी में शीघ्र एवं उचित निर्णय लेने की क्षमता का होना आवश्यक है। व्यवसाय में अनेक परिस्थितियाँ ऐसी भी आती रहती हैं जब व्यवसायी को निर्णय लेने की आवश्यकता होती है।

**6. सीखने की योग्यता**—मानव स्वभाव में गलती एवं चूक पायी जाती है। एक बार गलती होने पर उसे नहीं दोहराना चाहिए तथा अनुभव से सीखने का प्रयास करना चाहिए।

**अथवा**

**प्रश्न—बचत के लिए कौन-कौन सी बातों को ध्यान में रखना चाहिए ?**

**उत्तर—बचत के लिए ध्यान रखने योग्य बातें—**

**1. आय-व्यय का लेखा**—बचत करने के लिए व्यक्ति को सर्वप्रथम अपने आय के आधार पर व्यय की योजना बनाना चाहिए ताकि उसमें से कुछ राशि बचाई जा सके।

**2. वर्तमान व्यय पर ध्यान**—राशन खर्च, बिजली बिल, अखबार का बिल, बच्चों का ट्यूशन फीस, मकान किराया आदि व्यय मनुष्य के दैनिक जीवन के संचालन से जुड़े हैं अत:

इनका समायोजन आय के साथ करना चाहिए।

**3. भावी योजना तैयार कर व्यय**—व्यक्ति को चाहिए कि वे अपने भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए योजना तैयार करें तथा उन योजनाओं की प्राप्ति वर्तमान आय से व्यय के लिए राशि को संरक्षित करना चाहिए।

**4. व्यय पर नियंत्रण**—बचत करने के वर्तमान आय में से की जाने वाली वर्तमान व्ययों में कटौती की जानी चाहिए। हमें केवल उन्हीं मदों पर व्यय किया जाना चाहिए जो अत्यन्त आवश्यक है।

**प्रश्न 10. विभागीय भण्डार के लाभों को लिखिए।**

**उत्तर— विभागीय भण्डार के लाभ**

**1. खरीददारी में सुविधा**—इसमें ग्राहकों को एक ही स्थान पर आवश्यकता की सभी वस्तुएँ मिल जाती हैं।

**2. सस्ता व अच्छा माल**—बड़ी मात्रा में वस्तुएँ खरीदने के कारण ग्राहकों को सस्ता व अच्छा माल मिल जाता है।

**3. घर पहुँच सेवा**—टेलीफोन पर आदेश प्राप्त होने की दशा में ये भण्डार ग्राहकों को घर पहुँच सेवा भी प्रदान करते हैं।

**4. स्थायी ग्राहक**—कुशल कर्मचारियों की सेवाओं से उपभोक्ता प्रभावित होकर इनके स्थायी ग्राहक बन जाते हैं।

**अथवा**

**प्रश्न—थोक व्यापारी एवं फुटकर व्यापारी में अन्तर लिखिए।**

**उत्तर— थोक व्यापारी एवं फुटकर व्यापारी में अन्तर**

| क्र. | आधार | थोक व्यापारी | फुटकर व्यापारी |
|---|---|---|---|
| 1. | **क्षेत्र** | इसका क्षेत्र विस्तृत होता है | इसका क्षेत्र सीमित होता है। |
| 2. | **पूँजी** | इसमें अत्यधिक पूँजी की आवश्यकता होती है। | इसमें अपेक्षाकृत कम पूँजी की आवश्यकता होती है। |
| 3. | **वस्तुएँ** | ये किसी विशेष प्रकार की वस्तु का व्यापार करते हैं। | ये अनेक प्रकार की वस्तुओं का क्रय-विक्रय करते हैं। |
| 4. | **वस्तु की मात्रा** | यह बड़ी मात्रा में वस्तुओं को खरीदते हैं तथा उनका थोड़ा-थोड़ा विक्रय फुटकर व्यापारियों को करते हैं। | यह थोक व्यापारी से थोड़ी-थोड़ी मात्रा में वस्तुओं को क्रय कर उपभोक्ताओं को थोड़ी-थोड़ी मात्रा में बेचते हैं। |

**प्रश्न 11. पर्यावरण प्रदूषण में व्यवसाय की भूमिका की विवेचना कीजिए।**

**उत्तर**—पर्यावरण प्रदूषण निवारण में व्यवसाय की भूमिका निम्नलिखित है—

**1. विवरणात्मक भूमिका**—इसका आशय यह है कि व्यवसाय ऐसी कोई भी गतिविधि न अपनाये जिससे कि पर्यावरण और अधिक प्रदूषित हो। इस हेतु व्यावसायिक उपक्रम सरकार लागू किये गए पर्यावरण सम्बन्धी नियमों एवं नीतियों का पालन करेगा। जैसे—पर्यावरणीय मित्र उत्पादों का अधिकाधिक उत्पादन करना, चिमनियों में फिल्टर का उपयोग करना, जनरेटरों में साइलेंसर लगाना, नदियों एवं नहरों में कचरों को फेंकने के स्थान पर इनका संशोधन कर नये

उत्पाद तैयार करना आदि सम्मिलिति हैं।

**2. उपचारात्मक भूमिका**—यदि पर्यावरण को व्यावसायिक इकाइयों से हानि पहुँची है तो उनमें संशोधन तथा सुधार करने में व्यावसायिक इकाइयाँ सहायता करें। साथ ही पर्यावरण को दूषित होने से बचाने के लिए उन्हें उपचारात्मक उपाय करना चाहिए। जैसे—औद्योगिक इकाइयों के आसपास वृक्षारोपण का कार्य करना ताकि इससे प्रदूषण कम हो सके।

**3. जागरूकता सम्बन्धी भूमिका**—लोगों को पर्यावरण प्रदूषण के कारण तथा परिणामों के सम्बन्ध में जागरूक बनाएँ ताकि वे पर्यावरण को नुकसान पहुँचाने के बजाय ऐच्छिक रूप से पर्यावरण की रक्षा कर सकें।

**अथवा**

**प्रश्न—भूमि प्रदूषण से आप क्या समझते हैं ?**

**उत्तर—भूमि प्रदूषण से आशय**—किसी कारणवश भूमि की ऊपरी सतह विषैली या अनुपयोगी हो जाती है तो उसे भूमि प्रदूषण कहते हैं।

**भूमि प्रदूषण के कारण**

1. कृषि कार्य में उर्वरकों, रसायनों तथा कीटनाशकों के प्रयोग से।
2. औद्योगिक इकाइयों, खानों आदि से निकलने वाले कचरों से।
3. भवन, सड़क आदि के निर्माण में ठोस कचरे का विसर्जन।
4. कागज एवं चीनी मिलों से उत्सर्जित अपशिष्ट पदार्थ जो मिट्टी के द्वारा अवशोषित नहीं किया जा सकता है।
5. प्लास्टिक की थैलियों का अधिक उपयोग, जो जमीन में दबकर नहीं गलतीं। घरों, होटलों एवं औद्योगिक इकाइयों द्वारा निकलने वाले अपशिष्ट पदार्थ जिसमें प्लास्टिक, कपड़े, लकड़ी, धातु, कांच, सेरेमिक आदि सम्मिलित हैं।

**प्रश्न 12. साझेदारी एवं एकल स्वामित्व में अन्तर स्पष्ट लिखिए।**

**उत्तर— साझेदारी एवं एकल व्यापार में अंतर**

| आधार | साझेदारी स्वामित्व | एकल स्वामित्व |
|---|---|---|
| **स्थापना** | इसकी स्थापना साझेदारों की सहमति या समझौते से होती है। | इसमें समझौते का होना आवश्यक नहीं होता है। |
| **अधिनियम** | इसमें भारतीय साझेदारी अधिनियम, 1932 लागू होता है। | इसके लिए किसी प्रकार का अधिनियम नहीं है। |
| **निर्णय** | इसमें समस्त साझेदारों की सहमति से निर्णय लिया जाता है। | इसका स्वामी स्वयं अकेला ही निर्णय लेता है। |
| **लाभ-हानि का विभाजन** | इसमें साझेदारों के मध्य लाभ-हानि का विभाजन किया जाता है। | इसके लाभ में केवल एकल स्वामी का अधिकार होता है। |

**अथवा**

**प्रश्न—बहुराष्ट्रीय कम्पनी के लाभ एवं हानि की विवेचना कीजिए।**

**उत्तर—बहुराष्ट्रीय कम्पनी के लाभ—**

**1. विदेशी पूँजी का निवेश**—बहुराष्ट्रीय कम्पनियों के सीधे पूँजी निवेश से अविकसित देशों को अपने आर्थिक विकास में सहायता मिलती है।

**2. रोजगार में वृद्धि**—बहुराष्ट्रीय कम्पनियों के द्वारा देश में औद्योगिक एवं व्यापारिक गतिविधियों का विस्तार करने के कारण रोजगार के अवसरों में वृद्धि होती है।

**3. स्वस्थ प्रतिस्पर्द्धा**—बहुराष्ट्रीय कम्पनियों द्वारा अच्छी गुणवत्ता वाली वस्तुओं के उत्पादन से बाजार में बने रहने के लिए देशी उत्पादकों को भी बाजार की मांग के अनुसार अपने उत्पादकों की गुणवत्ता को सुधारना पड़ता है।

**बहुराष्ट्रीय कम्पनियों के दोष या हानि**

**1. घरेलू उद्योगों पर प्रतिकूल प्रभाव**—बहुराष्ट्रीय कम्पनी के कारण घरेलू कुटीर एवं लघु उद्योगों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है तथा वे बन्द हो जाते हैं।

**2. परम्पराओं में परिवर्तन**—बहुराष्ट्रीय कम्पनियों के कारण देश में विदेशी परम्परा का विकास होता है जिसके कारण देशी परम्पराओं का विघटन होता है।

**3. मेजबान देश को प्राथमिकता**—बहुराष्ट्रीय कम्पनियाँ जहाँ निर्मित होती हैं जिस देश का वह मूलतः होता है उनके द्वारा उन्हीं देशों को प्राथमिकता दी जाती है तथा अन्य व्यापारिक देशों का शोषण होता है।

**प्रश्न 13. विज्ञापन के उद्देश्य लिखिए।**

**उत्तर— विज्ञापन के उद्देश्य**

**1. विक्रय में वृद्धि**—विज्ञापन का मुख्य उद्देश्य वस्तुओं एवं सेवाओं की मांग में वृद्धि कर उनका विक्रय बढ़ाना है।

**2. वर्तमान ग्राहकों को बनाए रखना**—विज्ञापन न केवल उत्पाद की मांग में वृद्धि करता है वरन् अपने वर्तमान ग्राहकों को भी बनाए रखता है।

**3. ग्राहकों को शिक्षित करना**—कम्पनी विज्ञापन के द्वारा अपने ग्राहकों को अपनी उत्पाद की जानकारी देते रहते हैं जिससे ग्राहकों के ज्ञान में वृद्धि होती है।

**4. सेल्समैन की सहायता**—विज्ञापन से सेल्समैन को वस्तुओं के विक्रय में सहायता प्राप्त होती है जिससे समय एवं श्रम की बचत होती है।

**अथवा**

**प्रश्न—विक्रय संवर्द्धन की तकनीकी लिखिए।**

**उत्तर— विक्रय संवर्द्धन की तकनीकें**

**1. मुक्त नमूनों का वितरण**—व्यवसायी उत्पाद को लोकप्रिय बनाने, उनके माँग एवं विक्रय में वृद्धि करने के लिए उसे मुफ्त में नमूने के रूप में वितरित करते हैं। जैसे—अध्यापकों को पुस्तकों की नमूने की प्रति देना आदि।

**2. बोनस के रूप में वस्तु देना**—कभी-कभी व्यापारी वस्तु के विक्रय में वृद्धि करने के लिए वस्तु के पैकेट में अतिरिक्त मात्रा में वस्तु देते हैं। जैसे पारले बिस्किट के एक पैकेट में 20% अतिरिक्त बिस्किट मुफ्त देता है।

**3. वस्तु विनिमय योजना**—आज यह एक्सजेंच के नाम से प्रसिद्ध है अर्थात् आप अपनी पुरानी वस्तु के बदले में कुछ रुपयों का भुगतान कर नई वस्तु पा लीजिए। जैसे—अपनी पुरानी मोटर साइकिल लाइये और मात्र ₹ 25,000 भुगतान पर नई मोटर साइकिल ले जाइए। ऐसी तकनीकी विक्रय को प्रोत्साहित करती है।

**4. मूल्यों में कमी**—कभी-कभी व्यवसायी विक्रय में वृद्धि करने के लिए वस्तुओं के दाम में कमी कर देते हैं। जैसे लाइफबॉय साबुन खरीदने पर ₹ 2 की छूट आदि।

**प्रश्न 14. भण्डारण के किन्हीं दो प्रकारों को समझाइये।**

**उत्तर—भण्डारण के प्रकार—**

**1. निजी भण्डारगृह**—जो भण्डारगृह उत्पादकों अथवा निर्माताओं के द्वारा अपने उत्पादों को सुरक्षित रखने के लिये बनाये व चलाये जाते हैं जिनका वे स्वयं स्वामी होते हैं, उसे निजी भण्डारगृह कहते हैं।

इन भण्डारों का निर्माण सामान्यत: किसानों द्वारा अपने खेतों के समीप, व्यापारियों एवं व्यवसायियों द्वारा अपने व्यावसायिक केंद्रों के पास तथा विनिर्माताओं द्वारा अपने कारखानों के नजदीक किया जाता है। इनका डिजायन तथा प्राप्त सुविधाएँ, वस्तुओं के भण्डारण की प्रकृति पर निर्भर करता है।

**2. सार्वजनिक भण्डारगृह**—इन भण्डारगृहों पर सरकार का स्वामित्व होता है। यह भण्डारगृह आम जनता के लिए तथा सार्वजनिक भण्डारण के लिए उपयोग में लाया जाता है। इन भण्डारगृहों में किराया देकर कोई भी व्यक्ति अपनी वस्तुओं को सुरक्षित रख सकता है। एक व्यक्ति, साझेदारी फर्म या निजी कम्पनी के व्यक्ति भी अपने माल को इन भण्डारों में रख सकता है। इन भण्डारों के संचालन के लिए लाइसेंस की आवश्यकता होती है।

**अथवा**

**प्रश्न—सम्प्रेषण के किन्हीं दो साधनों को समझाइये।**

**उत्तर— व्यवसाय में सम्प्रेषण का महत्व**

**1. उत्पादों एवं सेवाओं की जानकारी**—व्यवसाय सम्प्रेषण के माध्यम से उपभोक्ताओं को अपनी उत्पादों एवं सेवाओं के बारे में जानकारी देते हैं।

**2. समय एवं धन की बचत**—सम्प्रेषण के माध्यम से कार्य आसान एवं शीघ्र हो जाता है जिससे व्यवसायी को समय एवं धन की बचत होती है।

**3. प्रबंध में सहायक**—व्यवसाय के विभिन्न विभागों के मध्य सूचनाओं के आदान-प्रदान में सम्प्रेषण साधन महत्वपूर्ण भूमिका अदा करते हैं। इससे व्यवसाय के प्रबन्ध करने में सहायता प्राप्त होती है।

**4. कर्मचारियों से मधुर सम्बन्ध**—प्रबंधन से कर्मचारियों तक सूचनाओं का प्रवाह तथा कर्मचारियों की बातें प्रबंधन तक सम्प्रेषण से पहुँचती है जिससे उनके मध्य सामंजस्य स्था"त होता है।

**5. निर्णय में सहायक**—सम्प्रेषण के आवश्यकता के समय शीघ्रता से निर्णय किया जा सकता है।

**प्रश्न 15. बैंक एवं साहूकार में अन्तर स्पष्ट कीजिए।**

**उत्तर— बैंक एवं साहूकार में अंतर**

| क्र. | आधार | बैंक | साहूकार |
|---|---|---|---|
| 1. | अस्तित्व | बैंक व्यवस्थित संस्थान है। | साहूकार व्यक्ति होते हैं। |
| 2. | क्रियाकलाप | इसके क्रियाकलाप में निक्षेप स्वीकार करना एवं ऋण देना शामिल है। | निक्षेप स्वीकार करना इसके क्रियाकलाप में शामिल नहीं है। |
| 3. | ग्राहक | बैंक सामान्यतया जन साधरण तथा व्यवसायियों की आवश्यकताओं की पूर्ति करते हैं। | साहूकार सामान्यत: किसानों एवं गरीबों की वित्तीय आवश्यकताओं को पूरा करते हैं। |
| 4. | जमानत | बैंक जमानत के रूप में मूर्त तथा व्यक्तिगत जमानत माँगते हैं। | ये प्राय: जेवरात या भूमि गिरवी रखकर ऋण प्रदान करते हैं। |
| 5. | ऋण वसूली की प्रक्रिया | इनकी ऋण वसूली की प्रक्रिया लचीली होती है। | ऋण वसूली की प्रक्रिया सख्त तथा दृढ़ होती है। |
| 6. | ब्याज दर | इनकी ब्याज दर कम होती है। | इनकी ब्याज दर अपेक्षाकृत अधिक होती है। |

**अथवा**

**प्रश्न—निम्न में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए—**

**(1) ए. टी. एम. मशीन**

**(2) क्रेडिट कार्ड**

**(3) फोन बैंकिंग**

**उत्तर—(1) ए. टी. एम. मशीन**—ए.टी.एम. मशीन का पूरा नाम आटोमेटेड टेलर मशीन है। इस मशीन के माध्यम से चालू एवं बचत खाते से रुपया निकालने के लिए किया जाता है। इसे एक विशेष चुम्बकीय कार्ड से परिचालित किया जाता है। इसे प्रयोग में लाने के लिए पासवर्ड का उपयोग किया जाता है।

**(2) क्रेडिट कार्ड**—क्रेडिट कार्ड का कार्य डेबिट कार्ड के समान ही होता है। इससे व्यक्ति (ग्राहक) को नकद रकम लेकर खरीददारी करने की आवश्यकता नहीं होती है। बैंक अपने क्रेडिट कार्ड धारक को एक निश्चित समयावधि पर धनराशि जमा करने को कहती है जिनका कि उसने उधार (क्रेडिट) किया है। यदि निर्धारित अवधि तक राशि जमा नहीं की जाती है तो बैंक उस पर ब्याज चार्ज करती है।

**(3) फोन बैंकिंग**—आजकल बैंकों द्वारा अपने ग्राहकों को उनके खाते के बारे में नाम तथा जमा शेष आदि की जानकारी फोन या मोबोईल से किया जाता है। ग्राहक बैंक को इसके माध्यम से संदेश भेज भी सकता है और प्राप्त भी कर सकता है।

**प्रश्न 16. उपभोक्ता को कौन-कौन से अधिकार प्राप्त हैं ?**

**उत्तर—उपभोक्ता के अधिकार—**

**1. सुरक्षा का अधिकार**—उपभोक्ताओं को ऐसी वस्तुओं की बिक्री से सुरक्षा का अधिकार है जो स्वास्थ्य एवं जीवन के लिए हानिकारक है।

**2. सूचना पाने का अधिकार**—उपभोक्ता को उपलब्ध वस्तुओं की गुणवत्ता, मात्रा, शुद्धता, स्तर या श्रेणी तथा मूल्य के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त करने का अधिकार है।

**3. चयन का अधिकार**—प्रत्येक उपभोक्ता को अपनी आवश्यकतानुसार वस्तुओं को उनकी विभिन्न किस्मों में से चयन का अधिकार होता है।

**4. सुनवाई का अधिकार**—उपभोक्ताओं की शिकायतों की सुनवाई के समय अदालती कार्यवाही के समय उनकी सुनवाई का भी उनका अधिकार है।

**5. उपभोक्ता शिक्षा का अधिकार**—बाजार में दोषपूर्ण एवं उपभोक्ताओं के शोषण को रोकने के लिए उपभोक्ताओं में जागरूकता पैदा करना एवं उनको शिक्षित करना आवश्यक है।

**6. निवारण का अधिकार**—जब भी किसी उपभोक्ता को अनुचित व्यापार, जैसे अधिक मूल्य वसूलना, घटिया किस्म की अथवा असुरक्षित उत्पादों को बेचना, वस्तु एवं सेवाओं की आपूर्ति में नियमितता की कमी के सम्बन्ध में कोई शिकायत है या फिर उसे दोषपूर्ण अथवा मिलावटी वस्तुओं के कारण हानि हुई है अथवा चोट पहुँची है तो उसे उनके निवारण का अधिकार है।

**अथवा**

**प्रश्न—किन्हीं दो मानक चिन्हों को स्पष्ट कीजिए—**

**ISO, ISI, FPO.**

**उत्तर—1. ISO (आई. एस. ओ.)**—आई. एस. ओ. से अभिप्राय है—इण्टरनेशनल ऑर्गेनाइजेशन फॉर स्टैंडर्डाइजेशन यानि अंतर्राष्ट्रीय मानकीकरण संगठन। यह संगठन उत्पादों और सेवाओं के लिए गुणवत्ता मानक निश्चित करता है तथा विभिन्न देशों की राष्ट्रीय मानक संस्थाओं (भारत में भारतीय मानक ब्यूरो) को इन्हीं मानकों के आधार पर गुणवत्ता सम्बन्धी प्रमाण-पत्र देने को अधिकृत करता है।

**2. ISI (आई.एस.आई.)**—यह भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा प्रदत्त चिन्ह है। इसका अर्थ यह है कि यह चिह्न जिन उत्पादों पर लगा है वे गुणवत्ता के न्यूनतम स्तर पर खरे उतरे हैं। आई. एस. आई. चिन्ह बिजली के सामान, सीमेंट, बोतल बंद पानी, कागज, रंग, बिस्कुट, शिशु, आहार, गैस, सिलेण्डर, साबुन और कपड़े धोने के पाउडर के लिए है।

**3. FPO (एफ.पी. ओ.)**—एफ. पी. ओ. का पूरा नाम फूड प्रोडक्ट आर्डर अर्थात् फलों से बने उत्पादों से सम्बन्धित व्यवस्था है। इस व्यवस्था से फलों, सब्जियों, उत्पादों की गुणवत्ता की रक्षा के लिए मानक तैयार किया जाता है। जैम, जैली, आचार, फलों के जूस, कोल्ड ड्रिंक आदि की बोतलों पर F.P.O. का निशान लगा होता है।

**प्रश्न 17. पूँजी निवेश से आप क्या समझते हैं ?**

**उत्तर—पूँजी निवेश से आशय**—पूँजी निवेश से आशय है अपने बचत किये गए धन को किसी ऐसे कार्य में व्यय करना जिससे अतिरिक्त आय प्राप्त हो, जैसे—डाकघर में स्थाई जमा करना, कम्पनियों के शेयर क्रय करना, बचत पत्र क्रय करना। इस तरह के व्यय को पूँजी निवेश कहते हैं।

**पूँजी निवेश के मद—**

**1. बैंक और डाक घर**—ये धन जमा करने का सर्वाधिक लोक"य, जोखिम रहित तथा विश्वसनीय संस्थान है।

**2. सरकारी बाँड**—व्यक्ति अपनी बचत राशि को किसी निश्चित अवधि के लिए किसी सरकारी तथा अर्द्ध सरकारी बाण्ड में निवेशित कर सकता है।

**3. जीवन बीमा पॉलिसियाँ**—यह पूँजी निवेश का महत्वपूर्ण तरीका है। यह बचत के साथ रायल्टी एडीशन तथा जीवन के बाद सुरक्षा की गारण्टी देता है।

**4. जमीन-जायदाद**—बचत की राशि का उपयोग जमीन, मकान, खेतकार आदि खरीदने में किया जा सकता है।

**अथवा**

**प्रश्न—स्वरोजगार एवं नौकरी में अन्तर स्पष्ट कीजिए।**

**उत्तर— स्वरोजगार एवं नौकरी में अंतर**

| क्र. | आधार | स्वरोजगार | नौकरी |
|---|---|---|---|
| 1. | प्रकृति | यह समस्त कार्य करता है। | नियोक्ता के निर्देशानुसार कार्य किया जाता है। |
| 2. | स्थिति | यह स्वयं स्वामी होता है। | यह कर्मचारी मात्र होता है। |
| 3. | आय | इसकी आय अनिश्चित होती है। | इसकी आय निश्चित होती है। |
| 4. | जोखिम | स्वामी स्वयं जोखिम उठाता है। | कर्मचारी को जोखिम नहीं उठाना पड़ता है। |
| 5. | कार्य का समय | इसमें व्यक्ति अपनी इच्छानुसार कार्य करता है। | इसमें कार्य का समय निर्धारित होता है। |
| 6. | कार्य की स्वतंत्रता | स्वामी को कार्य करने एवं निर्णय लेने की स्वतंत्रता होती है। | कर्मचारी, नियोक्ता द्वारा निर्धारित शर्तों के अधीन कार्य करता है। |

●●